दैनिक

बढ़ता राजस्थान

संस्करण : जयपुर, टोंक, अलवर एवं कोटा

Since : 2004 /// कदम बढ़ाएं, सच के साथ

वर्ष : 15 | अंक : 212 जयपुर | शुक्रवार , 06 जून, 2025 | ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष एकादशी संवत्-2082 भारत व राज्य सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत | मूल्य :₹5.00 | पृष्ठ : 12

www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

जल ही जीवन, सभी मिलकर करें प्रकृति का संरक्षण

राजस्थान को पानी में आत्मनिर्भर बनाना हमारी प्राथमिकता : सीएम

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जल ही जीवन है। हम सभी का कर्तव्य है कि हम प्रकृति का संरक्षण करें। उन्होंने कहा कि गुरूवार से शुरू हो रहे वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत प्रदेशभर में जल संचयन एवं पर्यावरण संरक्षण के तहत विभिन्न कार्य करवाए जाएंगे। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि जन सहभागिता को बढ़ावा देते हुए वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान में ज्यादा से ज्यादा श्रमदान करें। परंपरागत जलस्त्रोतों को स्वच्छ बनाएं जिससे वर्षा जल का संचयन हो। शर्मा गुरूवार को विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के अवसर पर जयपुर के रामगढ़ में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत रामगढ़ बांध पर श्रमदान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम सब रामगढ़ बांध को एक बार फिर जल से परिपूर्ण करने के लिए श्रमदान करने हेतु एकत्रित हुए हैं। आज हमारे द्वारा बहाई गई पसीने की एक-एक बूंद भविष्य में यहां पानी के बड़े भंडार में बदलकर प्रदेशवासियों के लिए अमृत का काम करेगी। उन्होंने इस अवसर पर जल संचयन एवं संरक्षण के कार्य करने के लिए पत्रिका समूह का आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने की सामाजिक सरोकारों के कामों की अभिनव पहल

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में सामाजिक सरोकार के अनेक काम हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान को जन-जन का अभियान बनाया। साथ ही, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बालिका लिंगानुपात में सुधार तथा बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित किया गया। मोदी ने देशभर में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान चलाया जिससे आमजन में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता आई। इस अभियान से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार द्वारा पिछले वर्ष मानसून सीजन में 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए हैं। आगामी वर्षा काल में हम 10 करोड़ पौधे लगाने जा रहे हैं। शर्मा ने आमजन से आह्वान किया कि इस अभियान के तहत सभी कम से कम एक पेड़ लगाएं, जिससे पर्यावरण संरक्षण के कार्यों को गति मिले।

मुख्यमंत्री ने चर्मण्यवती नदी की पूजा कर चुनरी अर्पित की-

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित राजस्थान के लिए पानी की महत्ती आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में पर्यावरण संरक्षण का विशेष महत्व है। हमारे यहां वृक्ष, पहाड़ और नदियों की पूजा की जाती है। उन्होंने 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान के अंतर्गत केशव घाट पर विधिवत रूप से मंत्रोच्चार के साथ चम्बल मां (चर्मण्यवती नदी) की पूजा की। उन्होंने चुनरी महोत्सव में भी शिरकत की।

मुख्यमंत्री ने लगाया सिंदूर का पौधा

मुख्यमंत्री ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत जमवारामगढ़ में सिंदूर का पौधा लगाया। इस दौरान वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने तुलसी का पौधा भेंट कर मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। इस अवसर पर विभिन्न जनप्रतिनिधि एवं पर्यावरणविद् उपस्थित रहे।

जल संचयन के कार्यों में जनमानस दें अपना योगदान

मुख्यमंत्री ने कहा कि वृहद स्तर पर जनमानस को जोड़ते हुए जल संग्रहण कार्यों के लिए राज्य सरकार द्वारा 'वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान' शुरू किया गया है। यह अभियान प्रदेशवासियों का अपना अभियान है एवं इसमें सभी की सहभागिता बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि आज गंगा दशमी के दिन अपने आसपास के जल स्रोतों, नदियों, जल धाराओं और तालाबों की पूजा-अर्चना करें तथा इनके संरक्षण में बढ़-चढ़कर योगदान दें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की विषम भौगोलिक परिस्थितियों एवं पानी की आवश्यकता को समझते हुए हमारी सरकार ने डेढ साल में जलापूर्ति के लिए लगातार निर्णय लिए हैं। ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास परियोजना, माही बांध, सोम-कमला-अंबा सहित विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से राज्य में जल संचयन तथा पानी की उपलब्धता को बढ़ावा दिया जा रहा है। हम पानी के क्षेत्र में राजस्थान को आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

उदयपुर में गुजरात के बिजनेसमैन सहित 2 की मौत

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर। उदयपुर में गुरुवार सुबह हुए एक्सीडेंट में नडियाद (गुजरात) के एक बिजनेसमैन सहित 2 लोगों की मौत हो गई। हादसा उदयपुर-अहमदाबाद नेशनल हाईवे पर सुबह साढ़े पांच बजे हुआ। पुलिस के अनुसार बिजनेसमैन ओमप्रकाश मूंदड़ा (70) पत्नी के साथ चित्तौड़गढ़ की ओर आ रहे थे। टीडी-बारापाल के पास उनकी कार ट्रक में घुस गई। कार का अगला हिस्सा पूरी तरह खत्म हो गया। घायलों को मुश्किल से बाहर निकाला गया।

2 लोगों की मौके पर ही मौत

सीआई दिलीप सिंह ने बताया नडियाद के बर्तन व्यापारी ओमप्रकाश मूंदड़ा और उनके ड्राइवर की दीपक की मौके पर ही मौत हो गई। ओमप्रकाश मूलरुप से राजसमंद के रहने वाले थे। एक्सीडेंट में कार की पिछली सीट पर बैठी बिजनेसमैन की पत्नी घायल हो गई। हालांकि, उनकी हालत ठीक है। हादसा गोवर्धन विलास थाने का है।

हादसा : रीवा में ऑटो पर पलटा ट्रक, 7 की मौत

बढ़ता राजस्थान

रीवा (एजेंसी)। रीवा में सीमेंट पिलर से लदा एक बल्कर ट्रक ऑटो पर पलट गया। हादसे में ऑटो सवार 7 लोगों की मौत हो गई। 4 लोगों की तो मौके पर ही जान चली गई। एक ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। जबकि 2 लोगों की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। मरने वालों में 4 बच्चे, एक महिला और दो पुरुष शामिल हैं। हादसे में 3 लोग घायल भी हुए हैं। पुलिस के अनुसार, ऑटो में कुल 10 लोग सवार थे। सभी मऊगंज के नई गढ़ी के रहने वाले थे और प्रयागराज से गंगा स्नान कर लौट रहे थे। बल्कर भी प्रयागराज से रीवा की ओर आ रहा था। यूपी-एमपी के बॉर्डर पर सोहागी घाटी से गुजरते वक्त ट्रक ने ऑटो को ओवरटेक किया। इसी दौरान अनियंत्रित होकर वह ऑटो के ऊपर पलट गया। एडिशनल एसपी विवेक लाल ने बताया कि हादसे के कारण सोहागी पहाड़ से टोल प्लाजा तक करीब तीन किलोमीटर लंबा जाम लग गया। जिसे आधे घंटे की मशक्कत के बाद खुलवाया जा सका।

राजस्थान का मेनार और खींचन गांव रामसर साइट घोषित

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर राजस्थान के लिए एक अच्छी खबर आई। अब राज्य के 2 गांव अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त रामसर साइट में शामिल हो गए है। इसमें एक उदयपुर का बर्ड विलेज मेनार और दूसरा फलोदी का खींचन गांव शामिल है। केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि उदयपुर के मेनार और फलोदी के खीचन को अंतर्राष्ट्रीय महत्व की वेटलैंड्स की सूची रामसर साइट्स में शामिल किया गया है। केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान (भरतपुर) और सांभर झील (जयपुर) का नाम पहले ही सूची में शामिल हो चुका है।

देश में कुल 91 रामसर साइट्स हुई- केंद्रीय मंत्री यादव ने बताया कि इन दोनों नामों की घोषणा के साथ भारत में अब कुल 91 रामसर साइट्स हो गई हैं।

एक सहानुभूतिशील सरकार, गरीब कल्याण के लिए समर्पित : प्रधानमंत्री

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गरीब कल्याण के प्रति एनडीए सरकार की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया, क्योंकि देश परिवर्तनकारी और समावेशी शासन के 11 वर्ष पूर्ण कर रहा है। उन्होंने कहा कि सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचे और समावेश पर केंद्रित एक सहानुभूतिपूर्ण सरकार ने 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी से ऊपर उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री ने पीएम आवास योजना, पीएम उज्वला योजना, जन धन योजना और आयुष्मान भारत जैसी परिवर्तनकारी योजनाओं के प्रभाव पर भी उल्लेख किया, जिससे आवास, भोजन पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच का विस्तार हुआ है। उन्होंने लाभों के पारदर्शी और कुशल वितरण को सुनिश्चित करने में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), डिजिटल समावेशन और ग्रामीण बुनियादी ढांचे के महत्व को भी रेखांकित किया। पिछले एक दशक में, एनडीए सरकार ने कई लोगों को गरीबी की स्थिति से निकालने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिसमें सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचे और समावेशन पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

हमारी सभी प्रमुख योजनाओं ने गरीबों के जीवन को बदल दिया है। पीएम आवास योजना, पीएम उज्वला योजना, जन धन योजना और आयुष्मान भारत जैसी पहलों ने आवास, स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन, बैंकिंग और स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच को बढ़ाया है। डीबीटी, डिजिटल समावेशन और ग्रामीण बुनियादी ढांचे पर बल ने पारदर्शिता और अंतिम सिरे तक लाभों की त्वरित डिलीवरी सुनिश्चित की है। इसी के कारण 25 करोड़ से अधिक लोगों ने गरीबी को मात दी है।

मोदी ने पीएम आवास में सिंदूर का पौधा लगाया

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पीएम आवास पर सिंदूर का पौधा लगाया। ये पौधा उन्हें 25-26 मई को गुजरात दौरे के दौरान कच्छ में 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में बहादुरी दिखाने वाली महिलाओं के ग्रुप ने भेंट किया था। दरअसल, इस सिंदूर के पौधे को ऑपरेशन सिंदूर से जोड़कर देखा जा रहा है। 22 अप्रैल को जम्मू-कशमीर के पहलगाम में आतंकी हमले का बदला लेने के लिए भारत ने 7 मई को पीओके और पाक में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों पर एयरस्ट्राइक की थी। सेना ने 100 आतंकियों को मार गिराया था। इस ऑपरेशन का नाम सिंदूर रखा गया था।

अमरनाथ यात्रा- पहली बार पहलगाम-बालटाल रूट पर जैमर लगाए जाएंगे

बढ़ता राजस्थान

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा के काफिले की सुरक्षा के लिए पहली बार जैमर लगाए जाएंगे, जिसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) सुरक्षा प्रदान करेगी। काफिले के गुजरने के दौरान सुरक्षा के लिए यात्रा के दोनों रूट और नेशनल हाईवे की ओर जाने वाली सभी सड़कों को बंद कर दिया जाएगा। यह फैसला 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद आया है। बायसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटक मारे गए थे। इसके अलावा यात्रा के लिए अलग-अलग केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 581 कंपनियां तैनात की जाएंगी। जिनमें लगभग 42000 से 58,000 जवान शामिल हैं।

सीएपीएफ में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स, सशस्त्र सीमा बल, इंडो तिब्बत बॉर्डर पुलिस, सेंट्रल इंडस्ट्री सिक्योरिटी फोर्स शामिल रहती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 156 कंपनियां पहले से जम्मू-कश्मीर में तैनात थीं।

बेंगलुरु भगदड़- पुलिस कमिश्नर समेत 8 अफसर सस्पेंड

सीएम बोले- रिटायर्ड जज जांच करेंगे; आरसीबी और इवेंट एजेंसी के अफसरों की गिरफ्तारी के आदेश

बढ़ता राजस्थान

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु भगदड़ मामले में सीएम सिद्धारमैया ने पुलिस को आरसीबी और DNA इवेंट मैनेजमेंट एजेंसी के अफसरों को अरेस्ट करने का आदेश दिया।

साथ ही बेंगलुरु के पुलिस कमिश्नर समेत 8 अफसरों को सस्पेंड कर दिया। सस्पेंड किए गए अधिकारियों में पुलिस कमिश्नर के अलावा एडिशनल पुलिस कमिश्नर, कब्बन पार्क थाना प्रभारी, एसीबी, डीसीपी सेंट्रल डिवीजन, क्रिकेट स्टेडियम प्रभारी, स्टेशन हाउस मास्टर, स्टेशन हाउस ऑफिसर शामिल हैं। सीएम सिद्धारमैया ने कहा- मामले की जांच के लिए हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज माइकल डी'कुन्हा की अध्यक्षता में एक सदस्यीय जांच आयोग बनाया गया है। आयोग 30 दिनों में रिपोर्ट सौंपेगा। आरसीबी के इस कार्यक्रम के आयोजन में जो लोग जिम्मेदार थे, उन पर भी कार्रवाई होगी।

एसओजी ने एसआई पेपर लीक मामले में तीन आरोपी पकड़े

एएओ पद पर है दो आरोपी कार्यरत, परीक्षा से पहले पढ़ाया था पेपर

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने सब इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती पेपर लीक मामले में गुरुवार को कार्रवाई की। एसओजी टीमों ने दबिश देकर पेपर लीक मामले में तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

एसओजी के एडीजी वीके सिंह ने बताया- एसआई भर्ती पेपर लीक मामले में आरोपी कुंदन कुमार पण्ड्या (54) निवासी सांगवाडा वरदा डूंगरपुर, संदीप कुमार लाटा (42) निवासी सबलपुरा सदर सीकर और वांछित इनामी पुरुषोत्तम दाधीच (35) निवासी डीडवाना कुचामन को अरेस्ट किया है। पकड़े गए आरोपी पुरुषोत्तम निलंबित सहायक लेखाधिकारी प्रथम, संयुक्त निदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग उदयपुर और संदीप कुमार लाटा सहायक लेखाधिकारी, प्रथम, कोष एवं लेखा विभाग वित्त भवन जयपुर पद पर और आरोपी कुंदन कुमार डूंगरपुर में थर्ड ग्रेड पर तैनात है।

एसओजी ने पुरुषोत्तम दाधीच को किशनगढ़ और संदीप लाटा और कुंदन को जयपुर व उदयपुर से अरेस्ट किया है। पूर्व में अरेस्ट सब इंस्पेक्टर रेनू, सुरेंद्र बगड़िया और सुरजीत को परीक्षा से पूर्व पेपर पढ़ाने में इनकी भूमिका रही है। इनसे आगे भी कई खुलासे होने की संभावना है।

सम्पादकीय कार्यालय:-डी-38,चौमू हाउस,सी-स्कीम,जयपुर(राज.) 302001, बून्दी, झालावाड़, बांरा,बहरोड़,,सुजानगढ़, रावतभाटा,अजमेर, भीलवाड़ा, सवाईमाधोपुर, सीकर, झुन्झुनू,खाटूश्याम जी, नि[illegible]बाहेड़ा, चूरू, धौलपुर, जौधपुर, उदयपुर, चाकसू,टोंक निवाई, पीपलू, मालपुरा, उनियारा, अलिगढ़, देवली, कोटपुतली, शाहपुरा, भरतपुर में प्रसारित

दैनिक बढ़ता राजस्थान

वंदे गंगा : उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने राजसमंद में किया भव्य आगाज

राजस्थान की पारंपरिक जल संरक्षण प्रणालियाँ हमें देती है प्रेरणा : उपमुख्यमंत्री

विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने दिलाई जल संरक्षण की शपथ, राजसमंद झील पर की पूजा अर्चना

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने गुरुवार को राजसमंद में 'वंदे गंगा' (जल संरक्षण-जन अभियान) की भव्य शुरुआत की। उन्होंने यहां राजसमंद झील स्थित इरिगेशन पाल विधिवत पूजा अर्चना की और फिर जिला स्तरीय कार्यक्रम में शिरकत की। इससे पहले प्रभात फेरी और भव्य कलश यात्रा का भी आयोजन हुआ जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं कलश लेकर इरिगेशन पाल पहुंची। इस दौरान विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी, जिला प्रमुख रतनी देवी जाट, प्रधान अरविन्द सिंह राठौड़, पर्यावरणविद एवं पद्मश्री से विभूषित श्यामसुंदर पालीवाल, समाजसेवी जगदीश पालीवाल, जिला प्रभारी सचिव भगवती प्रसाद कलाल, जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा, एडीएम नरेश बुनकर, जिला परिषद सीईओ बृजमोहन बैरवा आदि उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने संबोधित करते हुए कहा कि त्याग, बलिदान, शक्ति और भक्ति की धरती राजसमंद पर आकर वे सदैव ही गौरवान्वित महसूस करते हैं। राजस्थान भौगोलिक रूप से कई विशेषताओं को समेटे हुए हैं। यहाँ विभिन्न प्रकार के भौगोलिक क्षेत्र जैसे- मरुस्थल, शुष्क एवं अर्द्ध शुष्क क्षेत्र, मैदानी क्षेत्र और हरे-भरे वन क्षेत्र विद्यमान हैं। हमारे यहाँ एक बड़े भू-भाग में पानी की समस्या होने से जल संरक्षण की परंपरा सदियों पुरानी रही है। डॉ. बैरवा ने कहा कि राजस्थान के लोगों ने जल की महत्ता को गहराई से समझते हुए पारंपरिक जल संचयन प्रणालियां विकसित की, जो आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं। बावड़ियाँ, कुंड, तालाब, जोहड़, टांके, नाड़ी, खड़ीन जैसे जल संरक्षण के अद्भुत उदाहरण इस बात का प्रमाण हैं कि किस प्रकार राजस्थान के लोगों ने सीमित जल संसाधनों के बावजूद सामुदायिक भागीदारी से टिकाऊ समाधान खोजे। बावड़ियाँ और कुंड स्थापत्य कला का अद्वितीय उदाहरण होने के साथ-साथ जल भंडारण के महत्वपूर्ण साधन रहे हैं।इन परंपरागत जल संरचनाओं ने न केवल पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की, बल्कि सामाजिक समरसता और पर्यावरण संतुलन को भी बनाए रखा। जिला स्तरीय कार्यक्रम से पहले सांसद श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ भी पहुंची और राजसमंद झील पर पूजा अर्चना की।

स्वच्छता के क्षेत्र में राजसमंद में हुए अनुकरणीय प्रयास : विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं विशेष तौर पर प्लास्टिक से मुक्ति की दिशा में जिले में अनुकरणीय कार्य हुए हैं। जिले में ग्रामीण क्षेत्र में भी नगरीय क्षेत्र की तर्ज पर घर-घर कचरा संग्रहण हेतु ऑटो टिपर वाहन उपलब्ध कराए जा रहे हैं जिससे ग्राम स्वच्छता का संकल्प भी साकार होगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण पंचायत का आयोजन

दीप सिंह शेखावत की पानी किसानी जवानी संवेदना यात्रा पहुंची प्रागपुरा के गूजेड़ा धाम

बढ़ता राजस्थान

पावटा (सुशील कुमार बंसल)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरणविद् एवं नंगे पैर यात्री दीप सिंह शेखावत के नेतृत्व में पानी किसानी जवानी संवेदना यात्रा एवं पानी पेड़ प्रकृति बचाओ नंगे पांव गांव गांव पदयात्रा गुरूवार को प्रागपुरा कस्बे के गुजेड़ा धाम पहुंची। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी में पर्यावरण पंचायत का आयोजन हुआ, जिसकी अध्यक्षता मंदिर महंत श्री भगवत दास जी महाराज ने की और रामेश्वर बाजिया रिटायर्ड सीआई मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर में फलदार और छायादार पौधों का रोपण किया गया, जिससे पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया जा सके। पर्यावरणविद् एवं यात्रा संयोजक दीप सिंह शेखावत ने बताया कि उनकी यात्रा ने अब तक 1000 गांव, स्कूलों और कॉलेजों में जाकर 2700 किलोमीटर की नंगे पैर यात्रा कर चुकी और 10 लाख से अधिक लोगों को जल और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है। दीप सिंह शेखावत ने कहा कि उनकी यात्रा का उद्देश्य जहरखोरी, प्लास्टिकखोरी, प्रदूषणखोरी और मिलावटखोरी को बंद करना है और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। मुख्य अतिथि रामेश्वर बाजिया और पूर्व जिला पार्षद ललित गोयल ने गांव और घर को प्लास्टिक मुक्त करने की बात कही और लोगों से पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का आग्रह किया। मंदिर महंत भगवत दास महाराज और यात्रा संयोजक किशन लाल गुरुजी ने लोगों को पानी और पर्यावरण बचाने की शपथ दिलवाई और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने का आग्रह किया। इस दौरान समाजसेवी संजय जोशी, बबीता जांगिड़ हरित प्रागपुरा, अभियान संयोजक विक्रम सिंह, पप्पू स्वामी, रतन जोशी, रविंद्र सिंह, जितेंद्र सिंह, राजेश कुमार, राजेंद्र, ईश्वर सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की और लोगों से इसमें योगदान देने का आग्रह किया।

इवेन्ट लॉजिस्टिक इन्डस्ट्रीज में धानी टूर्स की ओर से लक्ज़री गाड़ियों के आने से आयेगा बूम

मेवाड़ राजपरिवार के श्रीजी डॉ. लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने इन्डस्ट्रीज के लिये 5 फोरचुनर गाड़ियां की लॉन्च

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (दिनेश गोठवाल)। विश्व में पर्यटन एवं हॉस्पीटेलिटी क्षेत्र में एक मुकाम बना चुके उदयपुर के लिये आज उस समय एक ओर नया अध्याय जुड़ा जब मेवाड़ राजपरिवार के श्रीजी डॉ.लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने सिटी पैलेस स्थित त्रिपोलिया पर धानी टूर्स की ओर से इवेन्ट लॉजिस्टिक इन्डस्ट्रीज के लिये टोयोटा की 5 फोरचुनर गाड़ियां को पर्दा हटाकर लान्च किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उदयपुर अब देश-विदेश के राजनेताओं, शाही शादियों, इवेन्ट कम्पनियों व नामी गिरामी कम्पनियों के लिये पहली पसन्द बन गया है। ऐसे में उनके लिये लक्ज़री गाड़ियों की आवश्यकता महसूस की जाती है,लेकिन धानी टूर्स ने उनके लिये एक साथ 5 फोरचुनर गाड़ियां उपलब्ध कराने से वह कमी काफी हद तक दूर हो जायेगी। इसके लिये उन्होंने धानी टूर्स को बधाई एवं शुभकामनायें दी।

धानी टूर्स के निदेशक मयंक करनपुरिया ने बताया कि शहर में पर्यटन क्षेत्र को नई उंचाईयों पर ले जाने वाले मेवाड़ राजपरिवार के योगदान को नजरअन्दाज नहीं किया जा सकता है। उन्हीं से प्रेरणा लेकर 13 वर्षो से इस क्षेत्र में कार्यरत धानी टूर्स राज्य की ऐसी पहली ट्रेवल एजेन्सी बन गयी है जिन्होंने एनआरआई सहित देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिये एक साथ टोयोटा की 5 फोरचुनर गाड़ियां उपलब्ध करायी है। इससे अब शाही शादियों सहित विभिन्न प्रकार के बड़े आयोजनों के लिये बाहर से इस प्रकार लक्ज़री गाड़ियां नहीं मंगवानी पड़ेगी। बड़े आयोजनों के लिये सभी पर्यटक लक्जरी गाड़ियों की मांग करते है। शाही शादियों में भी लक्जरी गाड़ियों की मांग बढ़ती जा रही है। उनकी मांग को पूरा करने के लिये फोरचुनर गाड़ियों को लॉन्च किया गया। इस अवसर पर यशवन्त आंचलिया,अभिषेक संचेती,इवेन्ट इन्डस्ट्रीज, से जुड़े गणमान्य नागरिक,मुकेश माधवानी, ज्ञानचन्द करनपुरिया,मयंक करनपुरिया, रोहन चतुर ,शैलेष पोरवाल,अंजली सुराणा, अंकिता सुराणा,दिव्यत दोशी, विनय कोठारी, टोयोटा से विनयदीप, तनय गोयनका,सौरभ कोठारी, समस्त जीतो परिवार सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

मयंक करनपुरिया ने बताया कि धानी टूर्स के पास अभी विभिन्न कम्पनियों की 57 गाड़िया है जिनमें फोर्स की अरबेनिया, टोयोटा की हाईबिड गाड़ियां शामिल है। पर्यटकों में एनआरआई की सबसे पसन्दीदा फोरचुनर गाड़ियां रहती है। ३

अजमेर जिला प्रमुख अजमेर ने 85 जनउपयोगी कार्यो के विरूद्ध 2 करोड़ 46 लाख से अधिक राशि की स्वीकृत जारी की

बढ़ता राजस्थान

अजमेर (घनश्याम दास)। अजमेर जिला प्रमुख श्रीमती सुशील कंवर पलाडा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के प्रवास एवं जिला परिषद सदस्यगण, पंचायत समिति सदस्यगण, सरपंचगण, जनप्रतिनिधिगण एवं ग्रामीणजन द्वारा अजमेर जिले में विभिन्न जनउपयोगी कार्यो की मांग की गई थी। प्राप्त प्रस्तावों पर जिला प्रमुख द्वारा जिला परिषद सदस्यों एवं जनप्रतिनिधियों की सहमति अनुसार अति-आवश्यक कार्यो को चिन्हीत किया गया। चिन्हीत कार्यो का अनुमोदन कर स्वीकृति जारी करने के आदेश मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद अजमेर को प्रदान कियें। अनुमोदित कार्यो में हैण्डपंप, ट्यूबवैल, श्मशान घाट विकास कार्य एवं सार्वजनिक केन्द्र एवं सम्पति रखरखाव के 85 कार्यो के विरूद्ध 2 करोड 46 लाख राशि के कार्यो का अनुमोदन किया। श्रीमती सुशील कंवर पलाडा, जिला प्रमुख अजमेर ने उक्त स्वीकृतियों के संबंध में कहां की ग्रामीणजन की मांग अनुसार जनउपयोगी कार्यो की स्वीकृतियां अवश्य ही ग्रामीण विकास को सुदृढ करने में सहयोग प्रदान करेगी साथ ग्रामीण क्षेत्रों के नवनिर्माण में कारगर साबित होगी। जिला प्रमुख ने कहा की मेरे कार्यकाल में मेने अजमेर जिले के प्रत्येक गांव व ढाणी में विकास कार्यो को कराया है एवं प्रत्येक ग्रामीणजन तक प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से लाभ पहुचाने का प्रयास किया है।

श्रीमद भागवत कथा का हुआ भव्य समापन हवन की पूर्णाहुति और भंडारे में उमड़े श्रद्धालु

बढ़ता राजस्थान

पावटा (सुशील कुमार बंसल)। कस्बे के श्रीकृष्ण गोशाला स्थित गोपीनाथ मंदिर में चल रही संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का समापन गुरुवार को हवन की पूर्णाहुति और भंडारे के साथ हुआ। इस दौरान विद्वानों ने वेदमंत्रों के बीच हवन की पूर्णाहुति करवाई, जिससे वातावरण और वायुमंडल शुद्ध हुआ। इस अवसर पर कथा व्यास पूजा बाई ने कहा कि हवन-यज्ञ से व्यक्ति को आत्मिक बल मिलता है और धार्मिक आस्था जागृत होती है। उन्होंने कहा कि यज्ञ से देवता प्रसन्न होकर मनवांछित फल प्रदान करते हैं और व्यक्ति में सद्गुणों के द्वार खुलते हैं। कार्यक्रम संयोजक व गोपीनाथ मंदिर महंत मोहन लाल भागवती ने कहा कि भागवत कथा के श्रवण से व्यक्ति भव सागर से पार हो जाता है। श्रीमद भागवत से जीव में भक्ति, ज्ञान एवं वैराग्य के भाव उत्पन्न होते हैं और व्यक्ति के पाप पुण्य में बदल जाते हैं। कांग्रेस पार्टी संगठन महामंत्री अजय सैनी ने कहा कि भगवान की भक्ति ही ऐसी शक्ति है, जिससे सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि संतों की संगत से ज्ञान की प्राप्ति होती है और बुरे काम करने वालों की संगत से जीवन नरक बन जाता है। पंडित बलराम मुद्गल ने कहा कि भागवत कथा जैसे आयोजनों से समाज में एकता और सौहार्द की भावना बढ़ती है, जो आज के समय में बहुत जरूरी है। दोपहर में भोग लगाने के बाद श्रद्धालुओं ने भंडारे में प्रसादी ग्रहण की। इस दौरान संगीतकार मोहर सिंह, डॉक्टर रामकिशोर यादव, सुभाष भागवती, रमाकांत भागवती, चन्द्रशेखर पटेल, ओमप्रकाश पीटीआई, भवानी शंकर पटेल, पूर्व पंच राजेन्द्र स्वामी, कमेटी सदस्य लोकेश यादव, विजेन्द्र यादव, बाबूलाल सैनी, सरदार मल यादव, कृष्ण महावर, रामस्वरूप चावला, कृपाशंकर शर्मा, कृष्ण महावर, गिरधारी लाल यादव, राकेश पटवा, रोहिताश ठेकेदार समेत अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने ब्यावर में पृथ्वीराज चौहान जन्मोत्सव कार्यक्रम में की शिरकत

पर्यावरण संरक्षण सभी की सामूहिक जिम्मेदारी : सांसद

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (सुरेश बागोरा)। सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ गुरुवार को संसदीय क्षेत्र राजसमंद अंतर्गत ब्यावर विधानसभा क्षेत्र पहुंची, जहाँ उन्होंने माननीय उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी के साथ सम्राट पृथ्वीराज चौहान जन्मोत्सव समापन कार्यक्रम में भाग लिया।

अपने संबोधन में उन्होंने सम्राट पृथ्वीराज चौहान के राष्ट्रनिर्माण में योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि हम अक्सर महापुरुषों की प्रतिमाएँ बनाते हैं, लेकिन उनकी शिक्षाओं और आदर्शों को जीवन में उतारना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। बप्पा रावल, महाराणा प्रताप, महाराणा राज सिंह जैसे वीरों ने हमें सत्य और साहस का मार्ग दिखाया है। उनके दिखाए पदचिन्हों पर चलना आज की आवश्यकता है।

उन्होंने यह भी कहा, सत्य के साथ खड़े रहना जरूरी है, चाहे जीत हो या न हो — पर सत्य की राह पर चलना ही असली विजय है।कार्यक्रम के पश्चात उन्होंने ब्यावर यूथ संगठन द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण कार्यक्रम, परिंडा वितरण एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में भाग लिया। उन्होंने वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और पक्षियों के लिए परिंडे लगाए।

सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ ने इस अवसर पर कहा कि, पर्यावरण की रक्षा करना हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। वृक्षारोपण, जल संरक्षण और जीवों के प्रति संवेदना हमारे संस्कारों का अभिन्न हिस्सा हैं। उनकी यह यात्रा समाज, संस्कृति और प्रकृति के प्रति जन-जागरूकता को समर्पित रही और आमजन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया।

जिला कलक्टर लोक बंधु ने घूघरा नर्सरी में किया पौधारोपण एवं पौधों का वितरण

आमजन अधिकाधिक पौधारोपण कर प्रदेश को हरित एवं स्वच्छ बनाने में योगदान दें - जिला कलक्टर

बढ़ता राजस्थान

अजमेर (घनश्याम दास)। 5 जून को वन्दे गंगा जल संरक्षण महाअभियान के अंतर्गत जिला कलक्टर श्री लोक बंधु ने घूघरा नर्सरी जयपुर रोड का निरीक्षण किया। वहां पौधारोपण एवं पौधों का वितरण किया।

इस अवसर पर उन्होंने नर्सरी में स्थित पौधों की ग्रेडिंग प्रक्रिया एवं स्वच्छता अभियान की प्रगति का अवलोकन किया। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि हरियाळो राजस्थान कार्यक्रम के तहत सभी विभागों को पौधों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त मात्रा में पौधे तैयार रखें।जिला कलक्टर ने नर्सरी में उगाई जा रही विभिन्न प्रजातियों के पौधों की जानकारी ली एवं पौधों की प्रजातियों की उपयुक्तता, स्थायित्व और पर्यावरणीय लाभों के संदर्भ में चर्चा की। साथ ही मौसम के अनुसार पौधों की किस्म वितरित करने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर श्री लोक बंधु ने नर्सरी परिसर में नीम का पौधा रोपित किया और उपस्थित महिलाओं को तुलसी एवं गिलोय के पौधे वितरित किए। उन्होंने कहा कि वन्दे गंगा जल संरक्षण अभियान में हरियाळो राजस्थान के तहत हरियाली और पर्यावरण संरक्षण का भी महत्वपूर्ण भाग है। इस अभियान में अधिक से अधिक नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित होने से पर्यावरणीय प्रतिकूलता जैसी चुनौती से निपटा जा सकेगा । उन्होंने आमजन से अपील की कि वे इस अभियान में सक्रिय भाग लें और अधिकाधिक पौधारोपण कर प्रदेश को हरित एवं स्वच्छ बनाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति यदि अपने जीवन में एक पौधा रोपित कर उसका संरक्षण करे तो यह छोटा सा प्रयास आने वाले कल के लिए बड़ा परिवर्तन ला सकता है। मुख्य वन संरक्षक श्रीमती ख्याति माथुर ने कहा कि वन विभाग द्वारा इस वर्ष जिले की 12 नर्सरियों में लगभग 22 लाख 85 हजार पौधों का वितरण किया जाएगा। ये पौधे सरकारी विभागों, स्वयंसेवी संगठनों तथा विद्यार्थियों को मांग के अनुसार वितरित किए जाएंगे। इस अवसर पर प्रशिक्षु आईएएस डॉ. नेहा राजपूत, सहायक वन संरक्षक विभा चौधरी, रेंजर श्री टीकम सहित कार्मिक एवं आमजन उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर महात्मा गांधी स्कूल में वृक्षारोपण किया गया

बढ़ता राजस्थान

सरवाड़-अजमेर (इकबाल अहमद)। सरवाड़ स्थित पीएम श्री महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय विजयद्वार में गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर स्थानीय विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षको द्वारा वृक्षारोपण किया गया। विद्यालय प्रभारी मुहम्मद आरिफ मंसूरी ने बताया कि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर विद्यालय की छात्राओं एवं शिक्षको द्वारा वृक्षारोपण किया गया एवं पौधों को पानी पिलाया गया। साथ ही पर्यावरण के महत्व पर प्रकाश डाला गया एवं सभी को वंदे गंगा जल अभियान के तहत पर्यावरण एवं जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर शिक्षक अलीमुद्दीन अंसारी, सीता खाती, शैलेंद्र सिंह इत्यादि उपस्थित रहे।

भिनाय के खायड़ा में भाजपा नेता भंवर सिंह पलाड़ा का भव्य स्वागत

बढ़ता राजस्थान

अजमेर(घनश्याम दास)। अजमेर जिले के भिनाय में भाजपा नेता एवं राष्ट्रीय खो खो संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भंवर सिंह पलाड़ा का ग्राम - खायड़ा मे ग्रामीणो द्वारा गाजे-बाजो के साथ भव्य स्वागत किया गया। भिनाय उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत - बूबकिया क्षेत्र के ग्राम -- खायड़ा में ग्रामीणों के आमंत्रण पर व्यस्तता के बावजूद दोपहर बाद श्री पलाड़ा के पधारने पर ग्राम के मध्य श्री रघुनाथ जी भगवान मंदिर के समक्ष चौक में ग्रामीणों द्वारा इनको फ़ूल मालाओं से लाद दिया। तत्पश्चात राजस्थानी परम्परा के अनुसार इनको साफ़ा बंधवाकर भव्य स्वागत व अभिनंदन किया गया। ग्रामीणों के द्वारा किये गये भव्य स्वागत व अभिनंदन से श्री पलाड़ा जी अत्यंत अभिभूत व प्रभावित हुए। ओर ग्रामीणों के आग्रह करने ग्राम - खायडा में श्री तेजाजी महाराज के स्थान पर भवन निर्माण हेतू 5 लाख रुपए, पेयजल हेतू एक ट्यूब वेल खुदवाने ओर दो हैंडपंप खुदवाने की घोषणा की। जिस पर सभी उपस्थित ग्रामीणों ने श्री पलाड़ा सा का धन्यवाद व आभार ज्ञापित किया। इस मौके पर श्री नरेन्द्र सिंह धर्मावत, प्रहलाद लोहार, प्रभू चौधरी,नोरत चौधरी, रणजीत जाट,अमर चंद जाट व लाला राम खंगार, गोविंद जाट,ओम प्रकाश जाट, तेजू जी जाट, पुरूषोत्तम जाट, सूर्य देव सिंह चारण व सुरेश जांगिड़, आदि भारी संख्या में महिला पुरुष, युवक युवतियां, बड़े बुजुर्ग, बच्चे उपस्थित रहें।

जयपुर में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान का हुआ भव्य आगाज

- मंदिर ठिकाना गलता तीर्थ में गंगा पूजन एवं गंगा आरती का हुआ आयोजन, जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा ने गालव कुंड में किया श्रमदान
- सभी उपखण्डों में हुए कलश यात्रा, जागरुकता रैली, शपथ सहित कई आयोजन, आमजन एवं जन प्रतिनिधियों ने भी बड़ी संख्या में आयोजन में की भागीदारी

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशमी के अवसर पर राजधानी जयपुर में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान का भव्य आगाज हुआ। जिले के सभी उपखण्डों में कलश यात्रा, जल स्त्रोत पूजन, जागरुकता रैल एवं शपथ सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रतिभा वर्मा जयपुर के गलता तीर्थ के ऋषि गालव कुण्ड मे के नेतृत्व में श्रमदान किया। वही जनाना कुण्ड में गंगा पूजन एवं गंगा आरती भी की जिसमें आम श्रद्धालुओं की भागीदारी पूर्ण रूप से देखी गई। कार्यक्रम में सैंकड़ों जन प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों कर्मचारियों सहित आम जन ने अपनी भागिदारी सुनिश्चित की। जिला परिषद की मुख्यकार्यकारी अधिकारी ने बताया कि 5 जून से 20 जून तक आयोजित हो रहे इस अभियान के अर्न्तगत ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज, वन विभाग, जल संसाधन एवं अन्य विभागों के 56.49 करोड़ की लागत के 1778 कार्यों का लोकार्पण किया जाएगा। अतिरिक्त जिला कलक्टर आशीष कुमार ने बताया कि पूजनीय गालव ऋषि की इस तपो भूमि को श्रमदान कर श्रद्धालुओं के लिए बेहतर एवं उपयोगी बनाने के लिए जिला प्रशासन हर संभव प्रयास कर रहा हैं। इस दौरान आयुक्त नगर निगम हेरिटेज अरुण कुमार हसीजा, अतिरिक्त आयुक्त नगर निगम हैरिटेज सुरेन्द्र यादव, देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त महेन्द्र देवतवाल, निरीक्षक उत्तम शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

समस्त उपखण्डों में भी अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन : वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के पहले दिन जयपुर के सभी उपखंडों में पौधारोपण, कलश यात्रा, धार्मिक स्थलों पर धार्मिक कार्यक्रम, पीपल पूजन, जागरूकता रैली, सामूहिक शपथ एवं जल स्त्रोत पूजन सहित अन्य विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। चौमूं में बच्चों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाली पेंटिंग बनाई, विधायक डॉ. शिखा मील बराला ने पौधारोपण किया, साथ ही सामूहिक शपथ का आयोजन किया गया। वहीं, माधोराजपुरा में भी स्कूली बच्चों, एनसीसी एवं स्काउट गाइड ने जागरूकता रैली निकाल कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

इस दौरान तालाब पूजन का भी आयोजन हुआ। वहीं, सांगानेर में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत भव्य कलश यात्रा का आयोजन हुआ जिसमें हजारों की संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर जल संरक्षण का संदेश दिया। इस प्रकार तुंगा, बस्सी, किशनगढ़ रेनवाल सहित अन्य स्थानों पर भी अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। अभियान के ही दिन राज्य सरकार की इस पहल का आमजन एवं जनप्रतिनिधियों का भरपुर समर्थन मिला।

विश्व पर्यावरण दिवस पर स्काउट गाइड शिविर में रचा गया पर्यावरण चेतना का प्रेरक संदेश

पोस्टर, निबंध, भाषण व कविता प्रतियोगिताओं में बालकों की उत्साहपूर्वक भागीदारी

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली (बिल्लूराम सैनी)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड स्थानीय संघ के तत्वावधान में चल रहे ग्रीष्मकालीन कौशल विकास एवं अभिरुचि शिविर के अंतर्गत विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी राम सिंह यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक स्काउट स्वागत विधि के अंतर्गत जिला शिक्षा अधिकारी को स्कॉर्फ पहनाकर की गई। यादव ने उपस्थित बालक-बालिकाओं को संबोधित करते हुए पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, आज की पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाना समय की आवश्यकता है, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण मिल सके।कार्यक्रम में स्काउट-गाइड सदस्यों द्वारा पोस्टर, निबंध, भाषण एवं कविता प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया गया। सभी प्रतियोगिताएं पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित रहीं। बच्चों ने सुंदर-सुंदर पोस्टर्स बनाकर पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया, वहीं निबंध और भाषणों में उनके विचारों की परिपक्वता देखने को मिली।प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालेबालक-बालिकाओं को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का संचालन स्थानीय संघ के असिस्टेंट लीडर ट्रेनर सीताराम गुप्ता ने किया जबकि अंत में शिविर संचालक अतुल कुमार आर्य ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर व्याख्याता अजय कुमार पप्पू राम यादव दिग्विजय सिंह राजकुमार पालीवाल , देवराज कुमावत सहित अनेक संभागीय दक्ष प्रशिक्षक और स्काउट के बालक उपस्थित रहे।इस अवसर पर शिविर परिसर में पर्यावरण पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसने सभी उपस्थित जनों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का कार्य किया।

प्लास्टिक प्रदूषण पर लगाना होगा अंकुश : सुनीता मंत्री

एनके एनवायरो सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के नए कार्यालय भवन का विधिवत शुभारंभ

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (फरीद मोहम्मद)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एनके एनवायरो सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने अपने नए कार्यालय भवन का गुरुवार को यहां अजमेर रोड स्थित 91, हीरा नगर ए, शालीमार बाग के समीप विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम की थीम ह्यप्लास्टिक प्रदूषण को हराना हैह्व रखी गई, जिसके अनुरूप अनेक नवाचारी और जागरूकता आधारित गतिविधियां आयोजित की गई! उद्घाटन समारोह की शुरुआत प्रातः पूजा और हवन से हुई, जिसके बाद वृक्षारोपण कर हरित पर्यावरण की शपथ ली गई। इस अवसर पर एनके एनवायरो सर्विसेज प्रालि की महाप्रबंधक सुनीता मंत्री, मैनेजिंग पार्टनर मुकेश यादव, सीओओ डॉ. अमूलदास मोहन राज, किरीट आचार्य, निरंजन कुमार गुप्ता आदि ने पेपरलैस वर्क, पर्यावरण संरक्षण एवं प्लास्टिक प्रदूषण पर अंकुश का सभी उपस्थित जनों से आह्वान किया। समारोह में पर्यावरणीय संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली और सतत् विकास जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य सत्र में पर्यावरणीय चुनौतियों और समाधानों पर विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। साथ ही कंपनी की भावी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला गया।

पर्यावरण संबंधी समस्याएं सभी को कर रही प्रभावित : वहीं संस्थान की महाप्रबंधक सुनीता मंत्री ने कहा कि पर्यावरण की रक्षा हम सभी की साझा जिम्मेदारी है। हमें व्यक्तिगत स्तर पर प्रयास करने और ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। चाहे कारण कोई भी हो, पर्यावरण संबंधी समस्याएं सभी को समान रूप से प्रभावित कर रही हैं, इसलिए हम सभी को अपने-अपने स्तर पर जिम्मेदारी निभानी होगी। कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक और रोचक बनाने के उद्देश्य से प्लास्टिक प्रदूषण पर आधारित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें पर्यावरण से जुड़े सवालों के माध्यम से प्रतिभागियों की जागरूकता को परखा गया। इस दौरान कंपनी के बोर्ड सदस्य, पर्यावरण विशेषज्ञ व आमंत्रित अतिथि उपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण की दिलाई शपथ

इस अवसर पर एनके एनवायरो सर्विसेज संस्थान की एमडी सुनीता मंत्री ने संदेश दिया कि जब तक समाज प्लास्टिक के विकल्पों की ओर नहीं बढ़ेगा, तब तक पर्यावरण को सुरक्षित नहीं किया जा सकता। इसी सोच को आत्मसात करते हुए एनके एनवायरो सर्विसेज ने अपने नए सफर की शुरुआत की है। वहीं सुनीता मंत्री ने कंपनी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं पर्यावरण प्रेमियों को पर्यावरण संरक्षण की हर हाल में पालना करने की शपथ दिलाई।

निर्जला एकादशी पर महिला सैनी संस्थान ने लगाया मीठे पानी का स्टॉल

बढ़ता राजस्थान

पाटन (बिल्लूराम सैनी)। माता सावित्रीबाई फुले महिला सैनी संस्थान की महिला कार्यकर्ताओं द्वारा निर्जला एकादशी ग्यारस के पावन अवसर पर सामाजिक सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया गया। संस्थान की ओर से राहगीरों को मीठा पानी पिलाने की व्यवस्था की गई, जिससे गर्मी में लोगों को राहत मिली।इस सेवा कार्य का नेतृत्व संस्थान की अध्यक्ष निशा सैनी ने किया। उनके साथ उपाध्यक्ष सुशीला सैनी, सचिव ललिता देवी, सुनीता, सरोज, सुशीला, संतोष, सुमन, अनीता, कमला, मनीषा, चमेली सहित कई महिला कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।संस्थान की महिलाओं ने सेवा कार्य को आत्मीयता और समर्पण के साथ किया, जिससे समाज में एक सकारात्मक संदेश गया। स्थानीय लोगों ने उनके इस प्रयास की सराहना की और इसे प्रेरणादायक बताया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जिले के समस्त चिकित्सा संस्थानों में हुआ पौधारोपण

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाने एवं हरित आवरण बढ़ाने की दिशा में पहल

बढ़ता राजस्थान

जयपुर द्वितीय। गुरुवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जिले के सभी सरकारी चिकित्सा संस्थानों - जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों(सीएचसी), प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों (पीएचसी) तथा उप-स्वास्थ्य केन्द्रों में सामूहिक रूप से पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता फैलाने एवं हरित आवरण बढ़ाने की दिशा में यह पहल की गई। इस अवसर पर चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ, आशा सहयोगिनियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं तथा ग्रामीण जनसमुदाय की भागीदारी उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम के अंतर्गत नीम, पीपल, गुलमोहर, करंज जैसे छायादार और औषधीय पौधों का चयन कर रोपण किया गया। पौधों की सुरक्षा हेतु ट्री-गार्ड भी लगाए गए एवं संबंधित संस्थान प्रमुखों को उनके संरक्षण की जिम्मेदारी सौंपी गई। उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (स्वास्थ्य) डॉ. सुरेन्द्र कुमार गोयल ने बताया कि यह पहल केवल एक दिन की नहीं, बल्कि सतत प्रयास की शुरुआत है। हर संस्था को अपने परिसर में लगाए गए पौधों की देखरेख कर उन्हें वृक्ष रूप में विकसित करना है। कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छ और हरा-भरा पर्यावरण आवश्यक है।

कोटपुतली से लगातार पांच वर्षों से शतकवीर एवं जोनल मैनेजर ट्रॉफी जीती

उत्कृष्ट कार्य करने वाले अभिकर्ताओं का किया सम्मान

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। भारतीय जीवन बीमा निगम शाखा कोटपूतली से अभिकर्ता ईशाक मोहम्मद खान जो पिछले पांच जिसमें उत्कृष्ट कार्य करने पर शाखा के वरिष्ठ शाखा प्रबंधक बीएल मीणा द्वारा माला साफा एवं जोनल मैनेजर ट्रॉफी से सम्मान किया गया, उल्लेखनीय है कि ईशाक खान के पिताजी सद्दीक मोहम्मद खान भी 35 वर्षों एलआईसी में अपनी सेवाएं दी, शाखा प्रबंधक बीएल मीणा ने सभी अभिकर्ताओं का एवं सभी पॉलिसी धारकों का धन्यवाद ज्ञापित किया एवं कहा कि एलआईसी हम सबको अपने जीवन पर एलआईसी पॉलिसी लेनी चाहिए साथ ही एलआईसी का नये प्लान जीवन उत्सव के बारे में निवेश प्लस, इंडेक्स प्लस प्लान पालिसी पर प्रकाश डाला, इस दौरान खान को शाखा के सभी कर्मचारी एवं अभिकर्ताओं ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

विश्व पर्यावरण दिवस मनाया

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। कस्बे के राजकीय एल.बी.एस. पी.जी. महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों ईकाईयों के संयुक्त तत्वाधान में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। प्राचार्य प्रो. राजेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि वर्तमान में पर्यावरण की गुणवता में मानवीय गतिविधियों के कारण निरन्तर अवनयन हो रहा है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में वृक्षारोपण को मूल मंत्र बताया। उन्होंने स्वयंसेवकों एवं समस्त संकाय सदस्यों को वृक्षारोपण का महत्व बताते हुए अपने आसपास के क्षेत्रों में खाली भूमि एवं गोचर भूमि पर अधिकाधिक पेड़ लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अन्य लोगों को भी वृक्षारोपण के लिए जागरूक करना हमारा नैतिक कर्तव्य है। इस मौके पर अरण्य उद्यान में प्राचार्य के नेतृत्व में पेड़ पौधे लगाये गये। इस दौरान प्रो. मधु नागर, प्रो.बबीता, प्रो.शीशराम यादव, प्रो. देशराज यादव, प्रो. कपूर चन्द वर्मा, प्रो. बाबूलाल मीणा, प्रो.गजराज सिंह, प्रो.हरिराम धनेटिया, प्रो.रघुवीर सिंह, प्रो. मालीराम मीणा, प्रो.आलेख कौडिन्य, प्रो. सुधीर यादव, प्रो.खेमचन्द गुर्जर, प्रो. नन्दलाल गुर्जर, प्रो.बरखा, प्रो. सुभाष चन्द यादव समेत बड़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौर से भेंट कर किया अभिनंदन

बढ़ता राजस्थान

जयपुर, (का.स.)। भारतीय लोकतंत्र में प्रभावशाली और सक्रिय जनप्रतिनिधित्व को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष प्रदान किए जाने वाले संसद रत्न पुरस्कार 2025 की घोषणा कर दी गई है। इस प्रतिष्ठित सम्मान से इस वर्ष राज्यसभा के वरिष्ठ सांसद मदन राठौड़ जी को ओवरऑल कैटेगरी में सम्मानित किया जाएगा। इसी कड़ी में सांसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित होने के उपरांत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौर से भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में भाजपा कार्यकर्ताओं ने शिष्टाचार भेंट की ।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष को साफा पहनाकर हार्दिक अभिनंदन किया एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस गरिमामय अवसर पर जिला मंत्री भाजपा जयपुर देहात दक्षिण उमा शर्मा, जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा अलवर दक्षिण शहर सुनीता सैनी, निदेशिका नृत्यम संस्था काजल सैनी, पार्षद भीलवाड़ा मधु एवं पूर्व विधायक अनूपगढ़ शिमला बावरी अपनी टीम के साथ विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

भाजपा कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने भी इस गौरवमयी उपलब्धि पर बधाई देते हुए शुभकामनाएं दीं।

माँ व पिता के नाम वृक्षारोपण कर मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

बढ़ता राजस्थान

कोटपूतली(बिल्लूराम सैनी)। श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के अन्तर्गत कृषि महाविद्यालय कोटपूतली द्वारा गुरूवार को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम प्लास्टिक मुक्त करना था। कार्यक्रम संयोजिका डॉ. सुशीला ऐचरा, मृदा वैज्ञानिक व वार्डन महिला छात्रावास ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस पर महिला छात्रावास में 101 पौधे लगाकर हरियालो राजस्थान अभियान की शुरुआत की गई। इनमें अशोक, अमलतास, गूलमोहर, चम्पा, हरसिंगार, मौलश्री व अनार, अमरुद, नींबू, आम, अंजीर, बील, करोंदा, कटहल इत्यादि के फलदार पौधें भी लगाये गये। मुख्य अतिथि कॉलेज के डीन डॉ. सुरेन्द्र सिंह मनोहर ने बताया कि महिला छात्रावास की सभी छात्राओं, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों व कॉलेज के समस्त स्टॉफ ने दो पौधे एक मॉ के नाम एवं एक पिता के नाम लगााकर इन पौधों को बचाने व बड़ा करने का संकल्प लिया। हरियालो राजस्थान अभियान के अन्तर्गत कॉलेज व आसपास के क्षेत्रों में 05 हजार पौधें लगाये जायेगें। उन्होंने कहा कि अब प्रकृति को लौटाने का समय आ गया हैं। जलवायु परिवर्तन के कुप्रभाव को वृक्षारोपण से ही बचाया जा सकता हैं। अध्यक्षता कॉलेज सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. डी. के. बैरवा ने प्रकृति के बदलाव व सरंक्षण के बारे में बताया। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी डॉ. प्रवीण पिलानिया ने छात्र छात्राओं व स्टॉफ को वदें गंगा जल अभियान की शपथ दिलवाई।

रामगढ़ बांध के बहाव क्षेत्र से भूमि को कराया अतिक्रमण मुक्त

बढ़ता राजस्थान

जयपुर,(का.स.)। जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जोन-13 में ग्राम अचरोल में रामगढ़ बांध के बहाव/भराव क्षेत्र की भूमि को कब्जा-अतिक्रमण मुक्त करवाया गया। महानिरीक्षक पुलिस श्री कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया को जोन-13 के क्षेत्राधिकार में अवस्थित ग्राम अचरोल में रामगढ़ बांध के बहाव/भराव क्षेत्र की भूमि पर कब्जा-अतिक्रमण कर बाउण्ड्रीवॉल बनाकर, अवैध रूप से अतिक्रमण किये जाने की सूचना प्राप्त होने पर आज जोन-13 के राजस्व व तकनीकी स्टॉफ की निशादेही पर प्रवर्तन दस्ते द्वारा जेसीबी मशीन व मजदूरों की सहायता से हटवाया जाकर रामगढ़ बांध के बहाव/भराव क्षेत्र की भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाया।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल जोबनेर (जयपुर)

क्रमांक / न.पा.जो. / 2025–2026 / 598 दिनांक 03.06.2025

निविदा आमन्त्रण सूचना/2025-2026

नगर पालिका जोबनेर द्वारा केश / विकास / स्टोर शाखा से कार्य करवाने हेतु कार्य संख्या 2 कार्यो की निविदा आमन्त्रित की जा रही है। उक्त कार्यो की अमानता राशि, बिड की शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in पर अथवा अधोहस्ताक्षरकर्त्ता के कार्यालय में देखी जा सकती है।

UBN NO. - 1. DLB2526WSOB06578, 2. DLB2526WSOB06579

राज.संवाद / सी / 25 / 3603 अधिशाषी अधिकारी

सम्पादकीय

सियासी हलचल : बिहार में शराबबंदी फिर बन रहा चुनावी मुद्दा

कुछ लोग इसे कभी भरपाई न होने वाली आपदा बताते हैं। कुछ लोग इसकी समीक्षा और इसमें सुधार चाहते हैं। कम संख्या में ही सही, कुछ लोगों का मानना है कि इसे पूरी तरह हटा लेना चाहिए क्योंकि यह कारगर नहीं है। मगर सत्तारूढ़ जनता दल (यूनाइटेड) का कहना है कि राज्य में चुनाव हो या नहीं हो, शराबबंदी नीति वापस नहीं ली जाएगी। इस साल अक्टूबर और नवंबर में राज्य में चुनाव होने हैं। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्य सभा सदस्य संजय झा ने पिछले हफ्ते दक्षिण कोरिया के सोल से फोन पर बिज़नेस स्टैंडर्ड से कहा, 'इस पर कोई सवाल ही नहीं उठता है। हम पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। हमें पता है कि इससे किस तरह बिहार की महिलाओं के जीवन में परिवर्तन आया है। इसका असर भले ही पटना अथवा दिल्ली में नहीं दिखता हो मगर बिहार के ग्रामीण इलाकों में महिलाओं पर होने वाली हिंसा में भारी कमी आई है। हां, इस नीति के कारण राजस्व को भले झटका लगा है, लेकिन इसका क्या मतलब है? क्या सरकार जनता का जीवन बेहतर बनाने के लिए नहीं होती है।'

संजय झा ऑपरेशन सिंदूर के बाद बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने के लिए सोल में थे। उन्होंने कहा कि अपने पूरे कार्यकाल के दौरान नीतीश ने बिहार में महिलाओं को सशक्त बनाने की कोशिश की है। हम उन्हें कभी निराश नहीं करेंगे। हालांकि, प्रदेश सरकार के घटक दल उतने आशावादी नहीं है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के आरा से सांसद रहे आरके सिंह ने कुछ हफ्ते पहले भोजपुर में एक सार्वजनिक बैठक के दौरान पार्टी लाइन से अलग हटकर शराबबंदी के नीतीश के फैसले की गहन समीक्षा करने का आह्वान किया था। बिहार में शराबबंदी लागू होने के बाद 2,000 लोगों की मौत का इसे ही प्रमुख कारण माना जा रहा है। सिंह ने कहा, 'बिहार में शराबबंदी अपने उद्देश्य को पूरा नहीं कर सकी। इसलिए इसे सही तरीके से खत्म करना ही सही रहेगा।' उन्होंने कहा, 'सच्चाई यही है कि शराबबंदी महज कागजों पर है। अगर अच्छा प्रबंधन किया जाता तो बिहार में शराबबंदी सफल होती। अवैध शराब की बिक्री में लोगों का एक बड़ा वर्ग संलिप्त है।' भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी रह चुके सिंह ने स्पष्ट रूप से यह कहने से गुरेज किया कि बिहार में शराबबंदी लागू करने की प्रशासनिक क्षमता का अभाव है। उनकी पार्टी ने प्रत्यक्ष तौर पर उनका विरोध नहीं किया, इसकी जगह उसने शराबबंदी नीति की समीक्षा की मांग कर रहे विपक्षी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और बिहार विधान सभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव समेत अन्य नेताओं पर पहले शराब के व्यापार में निवेश की ओर इशारा करते हुए निशाना साधा। साल 2016 में लागू की गई शराबबंदी नीति को तब बिहार में दोनों दलों का समर्थन मिला था। उस वक्त, जदयू-राजद की गठबंधन सरकार थी और तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार का समर्थन किया था। वह इस बात पर सहमत हुए थे कि शराबबंदी लागू होने से राज्य की महिलाओं की घरेलू आय बढ़ेगी और शराब के कारण होने वाली घरेलू हिंसा को भी कम करने में मदद मिलेगी। हालांकि, तब विपक्ष में रही भाजपा के पास इसका विरोध करने का कोई खास कारण नहीं था, जब तक कि अवैध शराब के कारण राज्य भर में सैकड़ों लोगों की मौत होने की खबरें सामने नहीं आई थीं।

सबसे भयानक घटना साल 2022 में छपरा (सारण) में हुई थी, जब 80 फीसदी मिथाइल अल्कोहल और उद्योग में उपयोग होने वाली स्पिरिट से बनी शराब पीने से 65 लोगों की जान चली गई थी। इस घटना के गवाह रहे एक आईएएस अधिकारी ने बिज़नेस स्टैंडर्ड से कहा, 'अस्पतालों में उन्हें भर्ती करने के लिए जगह नहीं थी। अस्पताल परिसर में केवल पीड़ित परिवारों की चीख-पुकार गूंज रही थी। कई लोगों की आंखों की रोशनी चली गई। कुछ लोग तो अस्पताल तक नहीं पहुंच सके और गांव में ही दम तोड़ दिया।

आज का इतिहास — बढ़ता राजस्थान

6 जून की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1995 पाकिस्तान में बाल अपराधियों को कोड़े मारने अथवा उनकी फ़ांसी की सज़ा प्रतिबंधित की गई।
1997 बैंकॉक में भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका एवं थाईलैंड ने बिस्टेक नामक आर्थिक सहयोग समूह का गठन किया।
2001 शाही पर गोलियाँ दीपेन्द्र ने ही चलाई थीं, प्रत्यक्षदर्शी रिश्तेदार राजीव शाही का प्रेस में बयान।
2002 इस्रायली सेना ने रामल्ला में फ़िलिस्तीनी नेता यासिर अराफात के मुख्यालय पर हमला किया।
2004 भूतपूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन का निधन।
2005 ईरान गैस पाइप लाइन योजना पर भारत और पाकिस्तान में सहमति।
2007 दक्षिण अफ़्रीका की नस्ल विरोधी नेता विनी मैडिकिजेला मंडेला के कनाडा प्रवेश पर रोक।
2008 कर्नाटक में बी. एस. येदयुरप्पा की अगुवाई वाली बीजेपी की पहली सरकार ने विश्वास मत हासिल किया। अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन में जापानी लैब कीबो ने कार्य करना शुरू किया।

6 जून को जन्मे व्यक्ति

1891 मास्ति वेंकटेश अय्यंगार – कन्नड कहानी के प्रवर्तक और 'कन्नड की संपत्ति' के रूप में ख्याति प्राप्त कवि, कहानीकार, उपन्यासकार, नाटककार, अनुवादक और आलोचक थे।
1930 सुनील दत्त, हिन्दी फ़िल्म अभिनेता
1936 डी. रामानायडू, प्रसिद्ध फ़िल्म निर्माता।
1939 गुरबचन सिंह रंधावा – भारत के प्रसिद्ध एथलीट
1924 एस. आर. बोम्मई – जनता पार्टी के राजनीतिज्ञ थे।
1901 सुकर्णो – इण्डोनेशिया के प्रथम राष्ट्रपति थे।
1884 शौक़ बहराइची, प्रसिद्ध शायर
1829 ह्यूम, ए. ओ. – एक अवकाश प्राप्त अंग्रेज़ अधिकारी थे।
1968 अरविंद केजरीवाल – दिल्ली के सातवें मुख्यमंत्री तथा भारतीय सामाजिक कार्यकर्ता।
1955 वेद प्रकाश शर्मा– हिन्दी के प्रसिद्ध उपन्यासकार।
1946 रघुवंश प्रसाद सिंह – बिहार की राजनीति में ख़ासा प्रभाव रखने वाले राजनीतिज्ञ थे।
1919 राजेन्द्र कृष्ण– हिन्दी सिनेमा के एक प्रसिद्ध गीतकार।
1902 एनी मसकैरिनी – संविधान सभा की सदस्य थीं।
1881 गिरिधर शर्मा नवरत्न – हिंदी भाषा के साहित्यकार थे।
1699 आलमगीर द्वितीय – 16वाँ मुग़ल बादशाह था, जिसने 1754 से 1759 ई. तक राज्य किया।

6 जून को हुए निधन

2020 बासु चटर्जी – हिंदी और बंगाली सिनेमा के जाने-माने पटकथा लेखक और निर्देशक थे।
1986 मास्ति वेंकटेश अय्यंगार – %कन्नड कहानी के प्रवर्तक% और 'कन्नड की संपत्ति' के रूप में ख्याति प्राप्त कवि, कहानीकार, उपन्यासकार, नाटककार, अनुवादक और आलोचक थे।
1967 कैप्टन अवधेश प्रताप सिंह – सामाजिक कार्यकर्त्ता।
198 डी. देवराज अर्स – कर्नाटक के 8वें मुख्यमंत्री थे।
1982 वी. वेंकटसुब्बा रेड्डीयर – भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनीतिज्ञ थे।
1957 रामचंद्र दत्तात्रेय रानाडे – दर्शन के प्रसिद्ध विद्वान और इलाहाबाद विश्वविद्यालय में दर्शन विभाग के अध्यक्ष थे।

विशेष आलेख

निर्जला एकादशी विशेष

24 एकादशियों में सर्वोपरि निर्जला इस व्रत में पानी पीना भी है वर्जित

पंडित तारा चंद शास्त्री

हिंदू धर्म में एकादशी का व्रत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। प्रत्येक वर्ष 24 एकादशियाँ होती हैं। जब अधिकमास या मलमास आता है तब इनकी संख्या बढ़कर 26 हो जाती है। ज्येष्ठ मास की शुक्ल पक्ष की एकादशी को निर्जला एकादशी कहते है इस व्रत में पानी का पीना वर्जित है इसीलिए इस निर्जला एकादशी कहते है। निर्जला एकादशी, जो भगवान विष्णु को समर्पित है, ज्येष्ठ माह के शुक्ल पक्ष की 11वीं तिथि को मनाई जाती है। यह व्रत कठिन लेकिन फलदायक होता है और इसे भीमसेनी एकादशी भी कहते हैं। इस दिन उपवास करने से अन्य एकादशियों का लाभ मिलता है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन ईमानदारी और अनुशासन के साथ इस व्रत को करने से, वर्ष के दौरान अन्य सभी एकादशियों व्रत रखने का लाभ प्राप्त किया जा सकता है।

भीमसेनी एकादशी भी है पर्याय नाम : हिंदू पौराणिक कथा के अनुसार, प्रसिद्ध पांडव भीम और ऋषि व्यास के बीच एक प्रवचन के आधार पर निर्जला एकादशी को भीमसेनी एकादशी या पांडव एकादशी के रूप में जाना जाता है। कहानी के अनुसार, भीम ने ऋषि व्यास से मार्गदर्शन लिया कि कैसे वह सभी 24 एकादशियों के गुण प्राप्त कर सकते हैं, बावजूद इसके कि उनकी अतृप्त भूख उन्हें हर एकादशियों पर उपवास रखने से रोकती थी। भीम की अस्पष्टता और स्थिति को समझते हुए ऋषि व्यास ने भीमसेन को निर्जला एकादशी व्रत का सुझाव दिया।।

निर्जला एकादशी 6 जून को है या 7 जून?

इस बार हरिवासर के कारण निर्जला एकादशी व्रत दो दिन का हो गया है, इस वजह से निर्जला एकादशी की तारीख पर कन्फ्यूजन की स्थिति बन गई है!

निर्जला एकादशी का व्रत में अन्न और जल ग्रहण नहीं करते हैं.

निर्जला एकादशी का व्रत ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी तिथि को रखते हैं.

एकादशी तिथि 6 जून को 02.15 एएम से लेकर 7 जून को 4.47 एएम तक है। निर्जला एकादशी व्रत का पूरे सालभर तक लोग इंतजार करते हैं क्योंकि यह व्रत पूरे साल की एकादशी का फल एकबार में प्रदान कर देता है. इस बार निर्जला एकादशी व्रत की तारीख को लेकर लोगों में कन्फ्यूजन की स्थिति बनी हुई है. निर्जला एकादशी का व्रत 6 और 7 जून दोनों ही दिन बताया जा रहा है. ऐसे में लोगों में संशय की स्थिति है कि निर्जला एकादशी का व्रत कब रखा जाए।

ज्योतिषाचार्य पंडित तारा चंद शास्त्री, अध्यक्ष मां कामाख्या ज्योतिष शोध संस्थान, खेरदा, सवाई माधोपुर के अनुसार, निर्जला एकादशी का व्रत ज्येष्ठ शुक्ल एकादशी तिथि को रखते हैं, लेकिन कई बार तिथि और हरिवासर समय की वजह से एकादशी व्रत दो दिनों का हो जाता है. इस वजह से लोगों में संशय की स्थिति बन जाती है. इस साल निर्जला एकादशी की तिथि 6 जून को 02.15 एएम से लेकर 7 जून को 4.47 एएम तक है. ऐसे में उदयातिथि की मान्यता के अनुसार, निर्जला एकादशी का व्रत 6 जून को होगा, लेकिन निर्जला एकादशी का हरिवासर 7 जून को 11.25 ए एम तक है. ऐसे में पारण 7 जून को सूर्योदय के बाद संभव नहीं है. वैष्णव जन 7 जून को निर्जला एकादशी व्रत रखेंगे, जबकि गृहस्थ लोग 6 जून को निर्जला एकादशी व्रत रखेंगे।

दो दिन है निर्जला एकादशी : पंडित तारा चंद शास्त्री बताते हैं कि इस साल हरिवासर की वजह से निर्जला एकादशी का व्रत दो दिन हो गया है. गृहस्थ लोग निर्जला एकादशी व्रत का पारण 7 जून को हरिवासर के बाद कर लेंगे, जबकि वैष्णव लोग द्वादशी तिथि के सूर्योदय पर पारण करते हैं तो वे 7 जून को व्रत रखकर 8 जून को पारण करेंगे. द्वादशी तिथि के समापन से पूर्व पारण का विधान है!

निर्जला एकादशी पर पानी पीने का समय : ज्योतिषाचार्य ताराचंद शास्त्री के अनुसार जो लोग निर्जला एकादशी का व्रत 6 जून को रखेंगे, वे लोग व्रत से पूर्व यानि सूर्योदय 05:23 ए एम से पहले पानी पी लें. उसके बाद आप व्रत के दूसरे दिन यानि 7 जून को पारण के समय पानी पी सकते हैं। वैसे तो व्रत के अगले दिन सूर्योदय के बाद लोग पानी पी लेते हैं, लेकिन इस बार हरिवासर के कारण ऐसा संभव नहीं हो पाएगा. यदि आप 7 जून को सूर्योदय बाद पानी पीते हैं तो आपका व्रत टूट जाएगा. ऐसे में 7 जून को दोपहर में पारण के समय ही पानी पीना उचित होगा. वहीं वैष्णव समुदाय के लोग 7 जून को व्रत रखेंगे और 8 जून को सूर्योदय के बाद पानी पी सकते हैं क्योंकि सूर्योदय के बाद ही पारण का समय लग जाता है!

निर्जला एकादशी मुहूर्त : पंडित ताराचंद शास्त्री के अनुसार 6 जून को निर्जला एकादशी का ब्रह्म मुहूर्त 04.02 ए एम से 04:42 ए एम तक है, वहीं अभिजीत मुहूर्त 11.52 ए एम से 12.48 पी एम तक है. उस दिन रवि योग 05.23 ए एम से 06.34 ए एम तक है। 7 जून को ब्रह्म मुहूर्त 04.02 ए एम से 04.42 ए एम तक रहेगा, जबकि उस दिन का अभिजीत मुहूर्त 11.52 ए एम से 12.48 पी एम तक है. उस दिन द्विपुष्कर योग 05.23 ए एम से 09.40 ए एम तक रहेगा, जबकि सर्वार्थ सिद्धि योग 09.40 ए एम से 05.23 ए एम, जून 08 तक है।

निर्जला एकादशी अशुभ समय: आचार्य ताराचंद शास्त्री के अनुसार 6 जून को राहुकाल 10.36 ए एम से 12.20 पी एम तक है, जबकि 7 जून को राहुकाल सुबह में 08.51 ए एम से 10.36 ए एम तक है। इस समय में पूजा पाठ या अन्य कोई शुभ कार्य से परहेज करें।

निर्जला एकादशी व्रत का पारण : पंडित ताराचंद शास्त्री के अनुसार 6 जून को व्रत रखने वाले लोग पारण 7 जून को दोपहर में 01.44 बजे से शाम 04.31 बजे के बीच करेंगे, वहीं 7 जून को व्रत रखने वाले पारण 8 जून को सुबह 05.23 बजे से 07.17 बजे के बीच करेंगे।

रील टू रियल : सिनेमाई शादी की कहानी का उदय

विजय गर्ग

पिछले एक दशक में, भारत में शादी के उद्योग ने विस्तृत सेट, ड्रोन सिनेमैटोग्राफी और गंतव्य फिल्मों के साथ फिल्म में पारंपरिक से सिनेमाई कहानी कहने के लिए एक विशाल विकास देखा है। आज, उद्योग का मूल्य .50 बिलियन से अधिक है और यह बढ़ता जा रहा है। बाजार दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे महानगरों से आगे बढ़ रहा है, लेकिन इसमें टियर -2 शहर भी शामिल हैं, जिनका विस्तार जारी है। टियर -2 भारत यकीनन इन शहरों में एस्पिरेशनल खपत और डिस्पोजेबल आय वृद्धि के रूप में अपस्केल वेडिंग फिल्म सेवाओं के लिए अगला बड़ा बाजार बन रहा है।

जयपुर, लखनऊ, इंदौर, कोयंबटूर, भुवनेश्वर और देहरादून सहित टियर -2 शहरों से उपभोक्ता व्यय में वृद्धि के साथ भारत में आर्थिक विकास कथा स्थानिक रूप से स्थानांतरित हो रही है। नाइट फ्रैंक के अनुसार, टियर -2 और टियर -3 शहरों में 2023 में भारत में लक्जरी खपत वृद्धि का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा था। टियर -2 आर्थिक विकास सिर्फ उद्योगपतियों के बीच या अब नहीं हो रहा है - अचल संपत्ति मोगल्स को संपन्न करना, बल्कि सरकारी नौकरशाही में नई दूसरी पीढ़ी के व्यापार परिवारों, ऊर्जावान पेशेवरों और कभी-कभी सिविल सेवा नौकरी धारकों के बीच, जो आकांक्षी प्रीमियम जीवन शैली के अनुभव के लिए तैयार हो गए हैं। शादी का व्यवसाय निस्संदेह इस प्रवृत्ति का एक हिस्सा है। इन शहरों के परिवारों के पास अब बड़े बजट हैं, जिनमें से 20 लाख से अधिक ह्र्श1 करोड़ से अधिक हैं, न केवल उस दिन के लिए बल्कि वृत्तचित्र - शैली की कहानी भी है जो वे उस दिन को मनाने के लिए करना चाहते हैं। यह एक विशिष्ट वीडियोग्राफर की अधिक उपयोगितावादी बुकिंग के विपरीत है। इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफार्मों के उद्भव ने हमेशा के लिए शादी की सामग्री के लिए उम्मीदों को बदल दिया है। टियर -2 शहरों में युवा, आकांक्षात्मक जोड़े अब अपनी शादियों के बारे में सोचते हैं न कि पिछले अनुभवों के लेंस के माध्यम से, बल्कि क्यूरेटेड इमेजरी और वीडियो की तुलना में जो वे बड़े शहरों में उत्पादकों से देखते हैं या, तेजी से, विदेश में।

हालांकि शादी के प्रभावित और वायरल रीलों का प्रभाव बड़े पैमाने पर है, जोड़े अपने बड़े दिन का एक दृश्य रिकॉर्ड चाहते हैं जो एक सिनेमाई अनुभव भी है। ओटीटी सामग्री के बढ़ते जोखिम से इस आकांक्षा को और बढ़ावा मिलता है। नेटफ्लिक्स और अमेज़ॅन प्राइम जैसे प्लेटफार्मों के साथ एक व्यापक दर्शकों के लिए सिनेमाई भाषा और सौंदर्यशास्त्र की शुरुआत, औसत उपभोक्ता की दृश्य शब्दावली पहले से कहीं अधिक परिष्कृत है। ऐसे माहौल में, एक शादी की फिल्म को अब विलासिता नहीं माना जाता है; यह एक सामाजिक आवश्यकता बन गई है, विशेष रूप से उन लोगों के लिए जो अपनी शादियों को अपनी स्थिति, स्वाद और रचनात्मकता को प्रतिबिंबित करना चाहते हैं।

इसने बुटीक फिल्म स्टूडियो और यहां तक कि फ्रीलांसरों को टियर -2 बाजारों में टैप करने की अनुमति दी है। कुछ स्टूडियो पहले ही इन बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए क्षेत्रीय शाखाओं की स्थापना या स्थानीय प्रतिभा के साथ साझेदारी करना शुरू कर चुके हैं। महत्वपूर्ण रूप से, वे एक पेशेवर कार्य नीति, सौंदर्य संवेदनशीलता और परियोजना प्रबंधन अनुशासन भी लाते हैं जो इन शहरों में ऊपर की ओर मोबाइल ग्राहकों से अपील करता है। दिलचस्प बात यह है कि टियर -2 इंडिया न केवल एक उपभोक्ता है, बल्कि प्रीमियम शादी के अनुभवों की मेजबानी भी करता है। उदयपुर, जयपुर, भोपाल और कोच्चि जैसे शहर देश भर के परिवारों को आकर्षित करते हुए लोकप्रिय डेस्टिनेशन वेडिंग हब बन गए हैं।

शख्सियत — बढ़ता राजस्थान

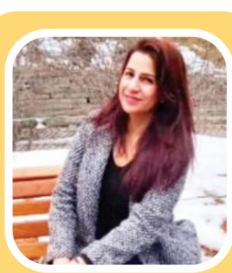

भारती पावा
(कोषाध्यक्ष स्पैक मैके संस्थान)

नमस्कार साथियों हमारी आज की शख्सियत कॉलम की स्टार हैं भारती पावा जी जोकि इस समय कोषाध्यक्ष हैं स्पैक मैके संस्थान इसके अलावा फाउण्डर हैं ।अरावली वूमैंस स्पोर्ट्स एकेडमी की। 25 मई सन 1978 को अलवर में जन्मी भारती पावा शुरू से ही बेहद ऊर्जावान और अड़िग लेडी के रूप में जानी जाती रही हैं। पूरी शिक्षा दीक्षा अलवर से ही हुई यहीं से पीजीडीसीए का कोर्स किया उसके बाद अजमेर गई और वहां से चाईल्ड एज्यूकेशन एण्ड़ हैल्थ की ट्रेनिग ली। इसके बाद अलवर के स्कूल में जॉब किया जहां तीन साल टिचिंग की जोकि बच्चों को अग्रेजी और विज्ञान जैसे विषयों पर कंमाड़ करना सीखाती थी। उसके बाद एक साल वाईस प्रिंसिपल रही उसके बाद दो साल प्रिंसिपल रहीं। जॉब छोड़ कर खुद की पहचान और खुद का अस्तित्व बनाने के लिए गौरी देवी महिला महाविधालय की प्रोफेसर रचना आसोपा मैड़म इनके लिए प्रेरक बनी और खुद का बुटिक शुरू किया शिमर नाम से। बुटिक का ये नाम भी रचना आसोपा मेम का दिया हुआ है। ऐसे में उन्होंने हिम्मत बढ़ाई और आज शिमर ऐसे मुकाम पर अपना अस्तित्व बना बैठा है कि उसे किसी परिचय की आवश्यक्ता नहीं। भारती पावा ने अपने बेटे को भी अच्छे संस्कार दिए हैं इसलिए कम उम्र में ही अलवर पब्लिक स्कूल से पढ़ाई पूरी करने के बाद एमएटी से पढ़ाई कर होटल मैनेजमैंट में ओबॅराय के साथ अपने जॉब का अक्टूबर 2022 से सफर शुरू किया। रोबिन हुड़ आर्मी के साथ जुड़ी हुई हैं भारती पावा जी जहां शादियों में बचे हुए खाने को नाली में ना फैक्कने के संदेश के साथ कच्ची बस्तियों में जाकर गरीब व असहाय लोगों की अपने हाथों से भोजन करवाती हैं। अलवर पैडल ग्रुप से भी जुडी हुई हैं पावा इसके अलावा हमारी संस्कृति व सभ्यता को बचाए रखने वाली व कला व प्राचीन वाद्ययंत्रों को जीवांत रखने वाली सामाजिक संस्था स्पैक मैके की कोषाध्यक्ष हैं भारती पावा। बहुत जीवांत व्यक्तित्व की धनी हैं भारती पावा जी। जीवन के उतार चढाव से कतई नहीं घबराने वाली व मुशकिलों का सामना करने वाली सशक्त महिला के रूप में समाज के लोग उन्हें जानते हैं। हर समय मुस्कान व आत्मविश्वास भरा चेहरा समाज को एक संदेश भी देता हैं कि हर दिन एक से नहीं होते हैं। टीम बढ़ता राजस्थान इनके उज्जलव भविष्य की कमाना करती है।

रूपक शर्मा

2025_034 — बढ़ता राजस्थान

Suduko

4	9		8					5
2						6	8	
	8				1			
				4		7		
			5		6			
		6		7				
			1				7	
	4	2						9
9					7		2	3

Ans_2025_033

5	6	2	3	8	9	7	1	4
3	7	8	1	4	2	6	9	5
9	4	1	5	6	7	3	2	8
7	5	9	6	3	4	2	8	1
8	2	3	7	5	1	9	4	6
4	1	6	9	2	8	5	7	3
6	8	4	2	7	3	1	5	9
1	3	7	4	9	5	8	6	2
2	9	5	8	1	6	4	3	7

कैसे खेलें

वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। काई अंक दुबारा नहीं आए।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, अपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारम्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें संताप और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष
हेल्थ का ध्यान रखने और खासकर बाहर के खाने-पीने से परहेज करने की सलाह आपको दी जाती है। आज आपमें क्रोध की मात्रा अधिक रहेगी, इसलिए वाणी में गुस्सा ना रखें। परिजनों से उग्र चर्चा के कारण मनमुटाव न हो।

वृष
मित्र एवं प्रियजन आपके प्रवास को आनंद से भर देंगे। नए वस्त्रों की खरीदी के योग हैं। तन-मन की तंदुरस्ती अच्छी रहेगी। अच्छे भोजन एवं वैवाहिक सुख की अनुभूति होगी। आज आप के घर में सुख शांति और आनंद का माहौल रहेगा।

मिथुन
बाहर जाना हो सकता है। माता के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। सरकारी लाभ होगा एवं स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज आप का दिन मध्यम फलदायी रहेगा। पहले से निर्धारित काम के लिए आपका प्रयास ज्यादा रहेगा।

कर्क
संतान पक्ष से अच्छे समाचार मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों से आपको लाभ होगा। आय में वृद्धि होगी। वैवाहिक सुख की अनुभूति होगी। आज का दिन आपके लिए अनुकूल है। आप आज हर काम सरलता से पूरे कर पाएंगे। महिलाओं के मायके से समाचार आने के योग हैं।

सिंह
नौकरी में आपके अधिकारी खुश रहेंगे। आपकी पदोन्नति के योग हैं। अधिकारियों के साथ किसी महत्वपूर्ण बात पर चर्चा होगा। परिजनों के साथ खुले मन से बातचीत होगी। घर के डेकोरेशन पर कुछ खर्च हो सकता है।

कन्या
स्वजनों एवं परिजनों के साथ विवाद हो सकता है। आज कोई नया काम शुरू ना करें। आय की अपेक्षा खर्च अधिक होगा और ज्यादा परिश्रम के बाद ही सफलता मिलेगी। दुर्घटना हो सकती है, सावधान रहें। आज आपका दिन बहुत लाभदायी है। आपका व्यवहार न्यायपूर्ण रहेगा।

तुला
आज धन का व्यय अधिक होगा। आज नियम विरुद्ध कामों से दूर रहें। आज आपका दिन आनंद-प्रमोद में गुजरेगा। रोमांस के लिए आज का दिन अच्छा है और किसी खास व्यक्ति का साथ आपको आनंद देगा।

वृश्चिक
आप तन-मन से स्वस्थ होकर कई तरह के काम आसानी से पूरे कर पाएंगे। सफलता मिलने से आपके उत्साह में वृद्धि होगी। आज भाग्य आपका साथ देगा। इनकम बढ़ेगी। परिजनों के साथ आनंद एवं उल्लास से समय गुजरेगा।

धनु
माता से लाभ होने के संकेत आपको मिल रहे हैं। मित्र और संबंधियों से घर का वातावरण अच्छा रहेगा। आज अचानक होने वाली घटनाओं से आप चिंतित रहेंगे। स्वास्थ्य खराब होने और आंखों में दर्द होने की आशंका बनी रहेगी।

मकर
अविवाहितों को योग्य जीवनसाथी मिलने के योग हैं। धन प्राप्ति के अवसर मिलेंगे। मित्रों से अचानक हुई मुलाकात आनंददायी रहेगी। मित्रों से लाभ होगा। आज आपको अच्छा खाना नसीब होगा। मित्रों से लाभ होगा।

कुंभ
आज आपके धार्मिक एवं मांगलिक कामों में व्यस्त रहने की संभावना ज्यादा रहेगी। आप में आज क्रोध की मात्रा अधिक रहेगी, इसलिए आप सावधान ही रहें। संतान एवं व्यापार की परेशानियों के कारण आपका मन अशांत रहेगा।

मीन
आपका शारीरिक एवं मानसिक आरोग्य अच्छा रहेगा। जरूरी कामों पर धन खर्च होगा। बीमार व्यक्तियों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी। दफ्तर में सहकर्मियों का अच्छा साथ मिलेगा। मित्रों से मुलाकात होगी। धन लाभ होगा।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस,हमीदपुरा रोड खण्डवा,निवाई टोंक (राज.) से मुद्रित एवं 185/ 116 ''प्रतीक्षा'' सेक्टर-18, प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर से प्रकाशित, संपादक-तनुजा पठान*। प्रधान संपादक-राम बिलास विजयवर्गीय मो.नं. 9414242258, 9214048888,जयपुर फोन नं.0141-2796794,795 टोंक कार्यालय-बाईपास निवाई, टोंक मो.नं.9414823448 अलवर कार्यालय-मेहताब सिंह का नोहरा,अलवर मो.नं. 7733000123,कोटा कार्यालय-छावनी मेन रोड,कोटा मो.नं.7023350734 । ई मेल-badhatarajasthan@yahoo.com *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार

वंदे गंगा-जल संरक्षण जन अभियान का उत्सवी आगाज

चतुर्भुज तालाब पर पूजा अर्चना के साथ हुआ विधिवत शुभारंभ, जल संरक्षण की ली शपथ

- गंगा दशमी जल कलश यात्रा ने किया अधिकाधिक भागीदारी का आह्वान
- लव-कुश वाटिका का हुआ लोकार्पण, शहरवासी होंगे प्राकृतिक वातावरण से रूबरू

बढ़ता राजस्थान

टोंक, (का.स.)। विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशमी पर जिलेभर में वंदे गंगा- जल संरक्षण जन अभियान का आगाज गुरुवार को चतुर्भुज तालाब पर विधिवत रूप से अतिथियों ने पूजा अर्चना के साथ किया। इससे पूर्व कलेक्ट्रेट परिसर से चतुर्भुज तालाब तक बैंड बाजे के साथ निकाली गई विशाल कलश यात्रा आकर्षण का केंद्र रही। इस अवसर पर जिला प्रमुख सरोज बंसल ने कहा कि हमारी धरती पंचतत्वों से मिलकर बनी है। हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि इन पंचतत्वों को सम्मान कर धरती को प्रदूषित नहीं करें। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी आने वाली पीढ़ियों के विकास के लिए बेहद जरूरी है। जल है तो कल है इस बात को दर्शाता है कि धरती पर सभी के जीवन के अस्तित्व के लिए जल कितना जरूरी है। यदि हम आज जल संरक्षण को प्राथमिकता नहीं देंगे और आने वाली पीढ़ियों को इसके बारे में जागरूक नहीं करेंगे तो मनुष्य एवं सभी जीवित प्राणियों का जीवन खतरे में पड़ जायेगा। देवली-उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर ने मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की पहल पर प्रदेश भर में शुरू हुए इस अभियान को आवश्यक

बताया और कहा कि इससे जल संरक्षण के प्रति व्यापक चेतना का संचार होगा। उन्होंने इसे जन अभियान बनाने का आह्वान किया। निवाई-पीपलू विधायक रामसहाय वर्मा ने जल संरक्षण जन अभियान की संकल्प की शपथ दिलाई। साथ ही, कहा कि भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए जल एवं पर्यावरण संरक्षण, हरियालों राजस्थान, स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्त अभियान को सफल बनाने में सभी आमजन अपनी भागीदारी निभाएं। इस दौरान जिला प्रभारी सचिव अर्चना सिंह, जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा, एडीएम रामरतन सौंकरिया, सीईओ परशुराम धानका, एएसपी बृजेंद्र सिंह भाटी, जलदाय विभाग के एसई राजेश गोयल, जल ग्रहण एवं भू संरक्षण विभाग के एसई ओमप्रकाश देवनानी, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, सतीश चंदेल, नरेश बंसल समेत जनप्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

नवनिर्मित लव-कुश वाटिका का हुआ लोकार्पण, शहरवासी प्राकृतिक वातावरण से होंगे रुबरु

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आंतड़िया के बालाजी के पास वन विभाग द्वारा निर्मित लव-कुश वाटिका का लोकार्पण किया गया। इस दौरान जिला प्रमुख सरोज बंसल, देवली-उनियारा विधायक राजेंद्र गुर्जर, निवाई-पीपलू विधायक रामसहाय वर्मा, जिला प्रभारी सचिव, अर्चना सिंह, जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा, जिला वन मंडल अधिकारी मरिय ए शाहिन, पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया, पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, संतीश चंदेल, नरेश बंसल समेत जनप्रतिनिधि एवं जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे। लव-कुश वाटिका परिसर में अतिथियों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ. सौम्या झा ने कहा कि हरियालों राजस्थान अभियान के तहत एक पौधा स्वयं के नाम से भी लगाएं जिससे हमारी स्मृतियां जीवन भर पौधे के साथ जुड़ी रह सके।

विश्व पर्यावरण दिवस : रन फॉर एनवायरनमेंट रैली

रैली से दिया जन-जागरूकता, पौधारोपण व पर्यावरण संरक्षण का संदेश

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। जिला प्रशासन, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, जिला पर्यावरण समिति एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सवाई माधोपुर के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस, 5 जून के उपलक्ष्य में गुरूवार को सवाई माधोपुर जिला मुख्यालय पर प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना थीम पर रन फॉर एनवायरमेंट रैली का आयोजन हुआ। जिला कलक्टर शुभम चौधरी, पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता, रणथंभौर के फील्ड डायरेक्टर अनुप के.आर एवं डीएफओ रामानंद भाकर ने रन फॉर एनवायरमेंट रैली को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में स्कूली विद्यार्थी, युवा, स्वयंसेवी संगठन, एनसीसी, स्काउट-गाइड, होमगार्ड, वन विभाग, पर्यावरण विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। यह रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई पुलिस लाइन परेड ग्राउंड पहुंचकर सम्पन्न हुई। इसके पश्चात पुलिस लाइन में उपस्थित अधिकारियों, कार्मिकों एवं आमजन द्वारा पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने उपस्थित आमजन एवं प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई गई । इस अवसर पर प्रतिभागियों को टी-शर्ट एवं कैप का वितरित किया गया। वहीं पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कार्मिकों एवं आमजन को कपड़े के थैलों एवं पर्यावरण संरक्षण पुस्तिकाओं का वितरण किया गया तथा परिंडे बांधकर पक्षियों के लिए जल प्रबंधन की पहल भी की गई।

जिला कलक्टर शुभम चौधरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने प्लास्टिक और पॉलीथिन से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी देते हुए इनके स्थान पर कपड़े के थैले उपयोग में लेने की अपील की। इस अवसर पर राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल, वन विभाग, पुलिस विभाग, विधिक सेवा प्राधिकरण के अधिकारी सहित स्कूली छात्र-छात्राएं, शिक्षक, गणमान्य नागरिक व पर्यावरण प्रेमी उपस्थित रहे।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का जीनापुर से शुभारंभ

विश्व पर्यावरण दिवस : पर जिला प्रभारी मंत्री ने दिलाई जन-शपथ, दिया जन-जागरण का संदेश

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। गंगा दशमी एवं विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का भव्य जिला स्तरीय शुभारंभ सहकारिता एवं नागरिक उड्डयन विभाग एवं जिला प्रभारी मंत्री गौतम कुमार दक के मुख्य आतिथ्य में जिला मुख्यालय पर जीनापुर के हनुमान मंदिर परिसर में हुआ।

प्रभारी मंत्री गौतम कुमार दक ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पीपल पूजन, सरोवर महाआरती, जल पूजन तथा कलश पूजन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने जीनापुर में सीतारामजी के मंदिर से हनुमान मंदिर तक स्थानीय महिलाओं द्वारा आयोजित वंदे गंगा कलश यात्रा को रवाना किया। प्रभारी मंत्री गौतम कुमार दक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने मंदिर पार्क में पौधारोपण कर पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ का संदेश भी दिया। इस अवसर पर नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इन आयोजनों में जल एवं पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं प्रदूषण मुक्त शहर के लिए संदेश दिए गए। मंत्री ने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक मजबूत संकल्प है। उन्होंने जल के विवेकपूर्ण उपयोग, वर्षा जल संग्रहण को प्रोत्साहन, पारंपरिक जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन एवं पर्यावरण संरक्षण को जीवन शैली का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। प्रभारी मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा पिछले वर्ष शुरू किया गया एक पेड़ माँ के नाम अभियान अत्यंत सफल रहा! इस वर्ष हरियालो राजस्थान के संकल्प को और अधिक विस्तारित करते हुए 10 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। खंडार विधायक जितेंद्र गोठवाल ने वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान को राजस्थान में जल संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर बताते हुए कहा कि यह अभियान प्रदेश में जल संकट से निपटने में एक ऐतिहासिक पहल साबित होगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को इस पहल के लिए राजस्थान का भागीरथ कहा जाना उचित होगा। उन्होंने गौ-सेवकों के निवेदन पर घायल गोवंश को अस्पताल पहुंचाने हेतु रेस्क्यू एम्बुलेंस एवं रात्रि के समय गोवंश को दुर्घटना से बचाने के लिए रेडियम पट्टे उपलब्ध करवाने की घोषणा की। इस अवसर पर जिला कलक्टर शुभम चौधरी, पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता, अतिरिक्त जिला कलक्टर संजय शर्मा, मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव बुड़ानिया, एसडीएम अनूप सिंह, उप वन संरक्षक रामानंद भाकर, सुनील कुमार, विकास अधिकारी जगदीश मीना, खण्डार प्रधान नरेन्द्र चौधरी, पूर्व उप सभापति राजेश गोयल, पूर्व यूआईटी चेयरमैन जगदीश अग्रवाल सहित संबंधित विभागीय अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं आमजन उपस्थित रहे।

कुहू स्कूल के विद्यार्थियों ने निकाली भव्य गौरव यात्रा

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। जिले में शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्टता का पर्याय बन रहे कुहू इंटरनेशनल सीनियर सैकेंडरी स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा गुरुवार को गौरव यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। यह यात्रा उन विद्यार्थियों के सम्मान में निकाली गई जिन्होंने शैक्षणिक क्षेत्र में अद्वितीय उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। इस रैली का शुभारंभ विद्यालय निदेशक डॉ. हेमंत शर्मा एवं नगर परिषद सभापति श्री शिवरतन अग्रवाल द्वारा पुरानी अनाज मंडी स्थित सीताराम जी के मंदिर से हरी झंडी दिखाकर किया गया। रैली शहर के प्रमुख मार्गों—कोर्ट चौराहा, कचहरी रोड, खादी भंडार, व्यापार मंडल, खारी बाजार, चोपड़ बाजार होते हुए बालाजी चौक पर संपन्न हुई। प्रधानाचार्य डॉ. मिथलेश शर्मा ने बताया कि इस गौरव यात्रा में जे ई ई एडवांस में सफल विद्यार्थी, 12वीं कक्षा के टॉपर्स (विज्ञान, वाणिज्य, कला वर्ग), 10वीं में 90त्न से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी तथा 5वीं एवं 8वीं कक्षा में, ग्रेड प्राप्त करने वाले विद्यार्थी जिप्सी गाड़ियों में सवार होकर सम्मिलित हुए। इसके अतिरिक्त कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थी एवं विद्यालय के समस्त शिक्षकगण भी इस यात्रा का हिस्सा रहे। प्रधानाचार्य ने बताया कि इस गौरव यात्रा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की उपलब्धियों को समाज के समक्ष प्रस्तुत कर उन्हें सार्वजनिक रूप से सम्मानित करना था। साथ ही शिक्षा के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना, अन्य विद्यार्थियों को परिश्रम एवं अनुशासन के लिए प्रेरित करना तथा समाज को यह संदेश देना था कि सही मार्गदर्शन, कठोर परिश्रम और सकारात्मक सोच से हर विद्यार्थी सफलता प्राप्त कर सकता है। गौरव यात्रा का शहरवासियों द्वारा जगह-जगह यात्रा का भव्य स्वागत किया गया।

ओम मिष्ठान भंडार, गंगावत एंटरप्राइजेज, ओम ज्ञान स्टोर, गंगा बिहारी मंदिर, बालाजी चौक आदि स्थानों पर शरबत वितरण, आइसक्रीम वितरण एवं पुष्प वर्षा के माध्यम से विद्यार्थियों का सम्मान किया गया। विद्यालय निदेशक डॉ. हेमंत शर्मा ने विद्यार्थियों की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि कुहू इंटरनेशनल स्कूल आने वाले समय में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ प्राप्त करता रहेगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर कई कार्यक्रम आयोजित

जलदाय मंत्री ने हरी झण्डी दिखाकर रैली को रवाना किया

भारत विकास परिषद ने पौधारोपण व तालाब की सफाई व श्रमदान किया

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। विश्व पर्यावरण दिवस पर अनेक कार्यक्रमो का आयोजन कर पर्यावरण दिवस धूमधाम से मनाया गया। जिसमें प्रदेश के जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने अपने नागौर दोरे के दौरान नागौर जिला प्रशासन की ओर से रन फार एनवाइरनमेंट रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इधर भारत विकास परिषद शाखा मालपुरा के प्रवक्ता दिनेश विजय ने बताया कि विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर परिषद की ओर से गोद ली हुई गौरव पथ सड़क के दोनो किनारो पर सफाई व परिषद की ओर से लगाए पौधो की सारसंभाल की गई। इस दौरान परिषद अध्यक्ष ज्ञानचन्द जैन, पूर्व अध्यक्ष रामजीलाल शर्मा, गणेश शर्मा, नन्दकिशोर लक्षकार, शशिकान्त पाठक, सोदत्त शर्मा, सुनील परतानी, रामचरण विजय सहित अन्य मौजुद सदस्यो ने श्रामदान किया। इसके अलावा तालुका विधिक सेवा समिति मालपुरा के तत्वावधान

में विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर अदालत परिसर में पौधारोपण व विधिक जागरूकता शिविर का शुभारम्भ समिति अध्यक्ष एवं एडीजे स्नेहा जाखड़, ने एसीजेएम पायल गौतम,सिविल न्यायाधीश धम्रेन्द शर्मा व अभिभाषक संघ अध्यक्ष एडवाकेट राजेन्द्र राजपुराहित सहित अन्य अधिवक्ताओं की मौजुदगी में पौधारोपण किया।

संकल्प से सिद्धि तक कार्य क्रम की कार्यशाला आज

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। संकल्प से सिद्धि तक कार्य क्रम की कार्यशाला शुक्रवार को जिला कार्यालय पर आयोजित होगी। जिला मीडिया प्रभारी सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि केन्द्रीय और प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के गौरवशाली 11 वर्ष के कार्यकाल के उपलक्ष में संगठन द्वारा *संकल्प से सिद्धि तक* कार्य क्रम दिनांक 9 जून से 21जून तक चलाया जाना है । कार्यक्रम को प्रभावी और सफल संचालन के लिए दिनांक 6 जून को प्रातः 10 बजे जिला कार्यालय सवाईमाधोपुर जिला भाजपा कार्यालय पर जिला कार्यशाला का आयोजन रखा गया है। जिसमें मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री एवं खंडार विधायक जितेंद्र गोठवाल रहेंगे जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर करेंगे! कार्यक्रम संयोजक सुरेश जैन सहसंयोजक जमनालाल वैष्णव, सहसंयोजक दामोदर बिंदल रहेंगे उपस्थित रहेंगे। इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में मंडल अध्यक्ष कार्यक्रम के मंडल संयोजक सहसंयोजक जिला पदाधिकारीयों उपस्थित रहेंगे।

बच्चों ने चलाई साइकिल, पर्यावरण बचाने का दिया संदेश

बढ़ता राजस्थान

टोंक, (का.स.)। वंदे गंगा-जल संरक्षण जन अभियान के तहत गुरुवार को जिला खेल स्टेडियम टोंक में साइकिल रैली का आयोजन खेल विभाग द्वारा किया गया। इस दौरान में बच्चों ने साइकिल रैली में उत्साह से भाग लेते हुए खेल स्टेडियम से गांधी पार्क तक साइकिल से रैली द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ खेल प्रशासक दुर्गा शंकर शर्मा, शारीरिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष शिवराज यादव, शारीरिक शिक्षा अधिकारी अनिल गुप्ता, तीरंदाजी संघ के संजय शर्मा, एथलेटिक्स संघ के कार्तिकेय शर्मा जिला खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र के प्रशिक्षक संजय बंसीवाल एवं रेखराज धाकड़, बंशीलाल गुर्जर, पवन गुर्जर स्टाफ गण, कई खेल संघों के पदाधिकारियों ने भी भाग लिया।

आज होगा इन कार्यक्रमों का आयोजन : वंदे गंगा- जल संरक्षण जन अभियान के तहत शुक्रवार को जल संसाधन विभाग द्वारा नहरों की जल उपयोगिता संगम एवं कृषकों के सहयोग से साफ-सफाई, जलदाय विभाग द्वारा भामाशाहों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से वंदे गंगा जल सेवा एवं जल परीक्षण अभियान किया जाएगा। इसी तरह विद्युत विभाग द्वारा ट्रांसफार्मरों के आसपास साफ-सफाई, पुलिस द्वारा श्रमदान, स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा जल संग्रहण संरचना से गाद निकालना, साफ-सफाई, श्रमदान एवं अन्य साफ-सफाई का कार्य किये जाएंगे।

मॉडल स्कूल में विज्ञान वर्ग के प्रवेश जारी

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। सदरपुरा रोड स्थित स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल स्कूल में साइंस सेमेस्टर (बायो व मेथ्स) में प्रवेश की प्रक्रिया जारी है। इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रधानाचार्य हंसराज जाट ने बताया कि मालपुरा क्षेत्र के स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल स्कूल को एक मात्र सीबीएसई मान्यता प्राप्त अंग्रेजी माध्यम सरकारी विद्यालय की मान्यता प्राप्त है। विद्यालय में विज्ञान विषय के अध्ययन के लिए श्रीमति रश्मि, संदीप, हनुमान, सुश्री अदिति सहित अन्य कई शिक्षक कार्यरत है। जो विद्यार्थियों को पूरे मनोवेग से अध्ययन करवाते हैं। इसके अलावा प्रधानाचार्य जाट भी विद्यार्थियो के समक्ष आने वाली समस्याओं का त्वरित समाधान करते हैं। प्रधानाचार्य जाट नेअभिभावको से अपील करते हुए कहा है कि देश के भविष्य मानी जानेवाली युवा पीढ़ी के उज्जवल व विकसित भविष्य के लिए व निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विज्ञान वर्ग में रूचि रखने वाले विद्यार्थियों को विज्ञान वर्ग में प्रवेश दिलावें।

ग्रामीणो ने लिया जल संरक्षण का सामूहिक संकल्प

बढ़ता राजस्थान

नटवाड़ा (नि.स.)। कस्बे सहित ग्रामीण क्षेत्र में जल बचाने और जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु शुरू किए गए वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का का शुभारम्भ कलश यात्रा के साथ हुआ। नटवाड़ा में कार्यक्रम की शुरुआत जल स्रोत की पूजा-अर्चना एवं सरोवर पूजन से की गई, जिसके पश्चात श्रद्धा और उत्साह के साथ कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में ग्रामीण महिलाएं, युवतियां एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके बाद दीपदान, पौधरोपण, तथा जल संरक्षण का सामूहिक संकल्प कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा पर मानसरोवर बांध पर जल पूजन कार्यक्रम व कलश यात्रा का हुआ आयोजन

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़/अलवर (राजकुमार गुप्ता)। मुख्यमंत्री संचयन के लिए 20 जून तक संचालित 'वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान' का शुभारम्भ विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम राजगढ स्थित मानसरोवर तालाब पर आयोजित हुआ। मानसरोवर बांध पर विधिवत जलाशय पूजन कर कलश यात्रा निकाली गई। जिला प्रभारी सचिव एवं नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख सचिव वैभव गालरिया ने उपस्थित आमजन को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई एवं पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अभियान के तहत जिले में ग्राम स्तर से जिला स्तर तक जल संचय संरचनाओं का निर्माण, जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, परंपरागत जलाशयों का पुनरूद्धार, पर्यावरण व जल संरक्षण गतिविधियां आयोजित होंगी। जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी सचिव वैभव गालरिया ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की आकांक्षा अनुरूप जल स्त्रोतों के संरक्षण, सुरक्षित पर्यावरण और हरियाली कवर बढ़ाने की सोच के साथ 20 से अधिक विभागों के समन्वय से वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान को प्रारंभ किया गया है। वहीं पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से इस वर्ष हरियालो राजस्थान अभियान के अंतर्गत 10 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जल है तो जीवन है, जल एवं पर्यावरण को संरक्षित करना अति आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान में जन सहभागिता बढ़ाने के लिए सभी वर्ग एवं उम्र के लोगों को जोड़ें, जिससे पौधों एवं जल स्त्रोतों के संरक्षण का कार्य अनवरत चलता रहे। कार्यक्रम में संबोधन देते हुए जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने कहा कि हम वर्षा की एक भी बूंद व्यर्थ ना बहाये, जन भागीदारी की भावना से हम बारिश की एक-एक बूंद का संचयन करें। सभी विभागों के समन्वय से जिले में वर्षा जल संचयन की यह मुहिम आज से वर्षभर अनवरत चलती रहेगी। उन्होंने अपील की कि जिले का प्रत्येक नागरिक यह संकल्प ले कि अपने घर में एक फंक्शनअल रूफटॉप वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम या एक सोख्ता गड्ढा हो, ताकि वर्षा जल का संचयन हो सके।

मानसरोवर बांध पर जल पूजन कार्यक्रम व कलश यात्रा का हुआ आयोजन : वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान के तहत आयोजित किए जा रहे पखवाडे के तहत जिले के प्रभारी सचिव एवं नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख सचिव वैभव गालरिया, जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला एवं पूर्व मंत्री हेमसिंह भडाणा ने राजगढ स्थित मानसरोवर बांध पर विधिवत जलाशय पूजन जिला स्तरीय कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। उन्होंने वहां स्थित भगवान देवनारायण मंदिर में पूजा-अर्चना कर अभियान की सफलता, प्रदेश में अच्छी वर्षा व खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में अतिथियों ने जल संरक्षण की महत्ता एवं जल संरक्षण पखवाडे के संबंध में विस्तृत जानकारी दी तथा आमजन को अभियान से जुडकर इसे जन-जन की भागीदारी का अभियान बनाने का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। वहीं महिलाओं द्वारा मांगलिक गीत गाकर उत्साह के साथ कलश यात्रा निकाली गई।

इस अवसर पर जिला परिषद के सीईओ सालुखे गौरव रवीन्द्र, एडीएम प्रथम मुकेश कायथवाल, एडीएम द्वितीय योगेश डागुर, उपखण्ड अधिकारी अलवर यशार्थ शेखर, प्रशिक्षु आईएएस सुश्री एश्वर्यम प्रजापत, जल संसाधन खण्ड अलवर के अधिशाषी अभियन्ता संजय खत्री, विकास अधिकारी विक्रम सिंह गुर्जर, पीडब्ल्यूडी के अधिशाषी अभियन्ता एम.एल मीना, सहायक अभियन्ता राजगढ पवन कुमार मीना, सरपंच विश्राम मीणा, स्वयंसेवक प्रदीप चौधरी सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

गायत्री शक्तिपीठ पर गायत्री जयंती, गंगा दशहरा एवं पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी के महापरायण दिवस श्रृद्धा के साथ मनाया

बढ़ता राजस्थान

अलवर (का.स.)। गायत्री परिवार अलवर द्वारा गायत्री शक्तिपीठ करौली कुण्ड अलवर पर गायत्री जयंती, गंगा दशहरा एवं पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी के महापरायण दिवसए जेष्ठ शुक्ला दशमी संवत्सर 2082 के अवसर पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन गुरुवार को नौ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ में पूर्णाहुति के साथ समपन्न हुआ। विश्व में शान्ति, सद्भावना और सभी के उज्वल एवं भविष्य मंगलमय जीवन की कामना के लिए यज्ञ में आहुतियां समर्पित की गई साथ ही आसुरी शक्तियों के विनाश के लिए महाशक्ति को तथा देश के वर्तमान परिपेक्ष में सैन्य शक्ति के संवर्धन हेतु विशेष आहुतियां भी यज्ञ में समर्पित की गई। यज्ञ संचालन ट्रस्टी मुरारी लाल शर्मा व सुश्री अक्षिता तिवारी ने किया।

माँ गायत्री के सम्मुख मंदिर में चार श्रध्दालुओं को गायत्री मंत्र की गुरु दीक्षा दिलाई तथा एक बच्चे का विद्यारंभ संस्कार बहन आशा तिवारी एवं ज्ञान देवी शर्मा ने कराया। यज्ञ से पूर्व प्रात: 6 बजे से गायत्री माता के विग्रह का तथा परमपूज्य गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा के चरण कमलों के प्रतीक प्रखर प्रज्ञा एवं सजल श्रध्दा का पंचास्नान एवं विधिवत पूजन किया गया। कल दिनांक 4 जून को प्रात: 6 बजे से सायंकाल 6 बजे तक गायत्री शक्तिपीठ पर गायत्री परिजनों ने अखण्ड गायत्री मंत्र जप किया था उसके बाद दीप यज्ञ का आयोजन हुआ था। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में गायत्री परिवार अलवर एवं गायनी सोसायटी अलवर के संयुक्त तत्वाधान में वृक्ष कावड़ रैली का आयोजन गायत्री शक्तिपीठ अलवर पर किया गया जिसमें सभी बच्चे कावड़ में पानी की जगह वृक्षों को रखकर बाजार के मार्गों से एक सुंदर संदेश पूरे अलवर की जनता को देते हुए इस रैली में करीब डेढ़ सौ बच्चों ने सहभागिता निभाई। प्रोग्राम में आराधना ग्रुप जिन समिति नेक कमाई ग्रुप ने भी प्रोग्राम में अपनी सहभागी सहभागिता निभाई साथ में आराधना ग्रुप के साथ गायनी समिति से डॉक्टर आभा सपरा,डॉक्टर सरोज जैन,डॉक्टर चारू जौहरी, डॉ ऋचा गुप्ता ,डॉ नंदिनी शर्मा ,डॉक्टर स्नेह राय एवं आराधना ग्रुप से डॉक्टर कुमकुम गुप्ता मौजूद रही।

दो दिवसीय मीन महोत्सव समारोह का हुआ समापन

धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भाईचारे को बढ़ाने में मदद करता है : टीकाराम जूली

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़/अलवर (राजकुमार गुप्ता)। कस्बे के समीपवर्ती भजेड़ा में चल रहे दो दिवसीय मीन महोत्सव का गुरुवार को समापन हो गया। समापन कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राजगढ़ के दुब्बी भजेड़ा गांव में आयोजित मीन भगवान के दो दिवसीय मेले की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस दिन के अवसर पर आध्यात्मिक परंपरा और संस्कृति के समागम पर पवित्र तीर्थ को अक्षुण्ण बनाया जाता है। उन्होंने कहा कि दिव्य मेले व पद दंगल और विशाल भंडारे का आयोजन धार्मिक और सांस्कृतिक भाईचारे को बढ़ाने में मदद करता है। मीन भगवान के मेले में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए जूली ने मीन भगवान मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में विशेष पूजा अर्चना कर देश व प्रदेश की खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम आयोजको के द्वारा उनका माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। उन्होंने कहा कि मत्स्यावतार भगवान श्री विष्णु का यह मंदिर जनजाति समाज का गौरव है। उन्होंने कहा कि यह मंदिर जनजाति अर्थात मीणा समाज की आस्था का मुख्य केन्द्र है। यहां दर्शन के लिए स्थानीय सहित पूरे प्रदेश से लोग पहुंचते है। उन्होंने बताया कि मान्यता है कि मीणा जाति की उत्पति भगवान विष्णु के दसवें मत्स्य अवतार से हुई थी। मीणा जनजाति के गुरू मगनसागर ने मीणा जाति के मीन पुराण की रचना की थी। इसमें प्रयुक्त मेनी शब्द से मीणा समाज का नामकरण हुआ। मीणा पौराणिक कथाओं से भी मत्स्य अवतार या भगवान विष्णु के दसवें अवतार से उनकी उत्पत्ति का पता चलता है। उनका यह विश्वास मुख्य रूप से मत्स्य पुराण के ग्रंथ पर आधारित है।

जूली ने किया वृक्षारोपण, दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश : नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मीन भगवान मंदिर परिसर में पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण कर आमजन को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर जूली बोले वैश्विक ग्लोबलाइजेशन के दौर में एक-एक पौधे की अपनी कीमत है इसलिए हम सभी को संयुक्त रूप से मिलकर अधिक से अधिक पेड़ लगाने की महती आवश्यकता है। इस अवसर पर मीन भगवान कमेटी अध्यक्ष रामकृपाल मीणा, सरपंच सीमा मीणा, जगदीश मीणा, धर्मेंद्र मीणा, हजारी मीणा, रामप्रसाद मीणा, सरोज मीणा,रामकिशन मीणा, पी आर मीणा, उम्मेदी लाल मीणा,सोनू मीणा, कमल चौधरी, अमर सिंह राजोरिया, हेमंत मीणा, इंद्र मीना, संजय सेन, रामराज मीणा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर भाजपा मंडल और नगरपालिका ने गंगा बाग में किया पौधरोपण

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़/अलवर(राजकुमार गुप्ता)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर भाजपा मंडल और नगरपालिका राजगढ़ द्वारा गंगा बाग परिसर में सामूहिक पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों, नगरपालिका अधिकारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और नरेगा कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत गंगा बाग परिसर में स्वच्छता अभियान से हुई, जिसके बाद विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए गए। भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रकाश दीक्षित ने इस अवसर पर कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि यह सतत प्रयास है, जिसमें समाज के हर वर्ग की भागीदारी आवश्यक है। नगरपालिका अध्यक्ष सतीश दुहारिया ने बताया कि गंगा बाग को हरित क्षेत्र के रूप में विकसित करने की योजना है, जिसमें आगामी महीनों में और भी पौधरोपण एवं सौंदर्यीकरण कार्य किए जाएंगे ओर बताया की राजगढ़ में सभी श्मशान भूमि पर ग्यारह ग्यारह पौधे लगाए जाएंगे। इस अवसर पर मण्डल के कार्यकर्ताओं एवं पार्षदगणों ने पर्यावरण संरक्षण पर आधारित नारे और पोस्टर प्रदर्शनी भी प्रस्तुत की, जिससे स्थानीय नागरिकों में जागरूकता बढ़ी। यह कार्यक्रम राज्य स्तर पर चल रहे %वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान% के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसे मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 5 जून को जयपुर से शुरू किया था। इस तरह के स्थानीय प्रयास न केवल पर्यावरण संरक्षण में योगदान देते हैं, बल्कि समाज में जागरूकता और सहभागिता की भावना भी उत्पन्न करते हैं। इस मौके पर पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष प्रदीप शर्मा, जगदीश आर्यभट्ट, तुलसी शर्मा, लोकेश रावत, रज्जो देवी, लक्ष्मी नारायण सैनी, लोकेश उपाध्याय, भूपेंद्र शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे

आशियाना चैंप्स और श्रीलंका आनंदा कॉलेज के बीच 15 फ्रेंडली क्रिकेट मैच का भव्य आयोजन

बढ़ता राजस्थान

भिवाड़ी (नि.स.)। भिवाड़ी में 4 जून 2025 को खेल और सांस्कृतिक मेल-मिलाप का एक ऐतिहासिक क्षण साकार हुआ, जब आशियाना चैंप्स भिवाड़ी और श्रीलंका आनंदा कॉलेज टीम के बीच -15 फ्रेंडली क्रिकेट मैच का शानदार आयोजन किया गया। यह आयोजन सिर्फ एक खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मैत्री, सांस्कृतिक समरसता और युवा सशक्तिकरण का प्रतीक बना।

इस आयोजन का उद्देश्य था कि खेल को माध्यम बनाकर दो देशों के युवाओं के बीच आपसी समझ, सौहार्द और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित किया जाए। खिलाड़ियों के उत्साह, अनुशासन और खेल भावना ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मैच में श्रीलंका आनंदा कॉलेज टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की, लेकिन वास्तव में इस आयोजन में खेल भावना और दोस्ती की जीत हुई। इस मैच में श्रीलंका टीम के कैप्टन पसीन्दु को बेस्ट बैट्समैन तथा आशियाना चैंप्स के हर्ष तंवर को बेस्ट बॉलर घोषित किया गया। मैच का सफल आयोजन आशियाना और जयपुरिया स्कूल के संयुक्त प्रयासों से संभव हो पाया। इस आयोजन के दौरान आशियाना से स्टेशन हेड कर्नल नवीन सूरी, डीजीएम शैलेन्द्र सिंह, टेक्निकल हेड गुर्जेंट सिंह, प्रेमप्रकाश, सिक्योरिटी हेड ईश्वर सिंह, मनोरंजन,संजय शर्मा, जयपुरिया स्कूल प्रिंसिपल डॉ. प्रीति ओझा व अन्य जयपुरिया स्कूल व आशियाना स्टाफ मौजूद रहा, आशियाना की इवेंट संजोयक श्रीमती कुसुम धायल ने कहा, यह आयोजन केवल क्रिकेट मैच नहीं था, बल्कि यह दो संस्कृतियों के बीच पुल बनाने का प्रयास था। हमें गर्व है कि हमने जयपुरिया स्कूल के साथ मिलकर इस विचार को साकार किया और बच्चों को वैश्विक मंच पर सीखने और जुड़ने का अवसर दिया।

मैच के समापन पर दोनों टीमों ने एक-दूसरे के साथ गर्मजोशी से संवाद किया, ट्रॉफी का आदान-प्रदान हुआ और एक नई अंतरराष्ट्रीय मित्रता की नींव रखी गई। यह आयोजन खिलाड़ियों, अभिभावकों, शिक्षकों और आयोजकों - सभी के लिए गौरव और प्रेरणा का स्त्रोत बन गया। आशियाना और जयपुरिया स्कूल की यह संयुक्त पहल यह सिद्ध करती है कि जब खेल और संस्कृति साथ चलते हैं, तो शिक्षा व खेल के क्षेत्र में अनंत संभावनाएं बनती हैं।

विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर विशेष अभियान किशनगढ़बास में 6 नमूने लिए गए, 22 चालान काटे

बढ़ता राजस्थान

खैरथल/तिजारा(नि.स.)। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस (7 जून) के उपलक्ष्य में खैरथल-तिजारा जिले में चल रहे पांच दिवसीय विशेष अभियान के तहत गुरुवार को किशनगढ़बास कस्बे में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सघन निरीक्षण व कार्रवाई की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अरविंद गेट ने बताया कि खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने अन्नपूर्णा रसोई का निरीक्षण करते हुए मैसर्स सहारा एजुकेशन डेवलपमेंट वेलफेयर सोसाइटी से गेहूं का आटा, लाल मिर्च पाउडर, नमक, हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर और मिक्स दाल के नमूने लिए, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। निरीक्षण के दौरान अन्नपूर्णा रसोई को साफ-सफाई बनाए रखने तथा भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही रसोई में मोटे अनाज (मिलेट्स) के अधिक उपयोग को बढ़ावा देने की अपील की गई। इस अभियान के अंतर्गत 31 मई से 14 जून तक चल रहे विश्व तंबाकू निषेध पखवाड़े के तहत भी गुरुवार को किशनगढ़बास में कार्रवाई की गई। सामान्य चिकित्सालय एवं बस स्टैंड क्षेत्र में लगभग 10 प्रतिष्ठानों पर निरीक्षण कर कोटपा अधिनियम के उल्लंघन पर 14 व्यक्तियों के चालान काटे गए। डॉ. गेट ने बताया कि इस अभियान के तहत अब तक कुल 6 खाद्य नमूने लिए गए हैं तथा 22 चालान काटे गए हैं। जिले में यह कार्रवाई 14 जून 2025 तक सतत रूप से जारी रहेगी।

रास्ता रोककर रोडवेज बस चालक व परिचालक के साथ मारपीट का मामला दर्ज

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़/अलवर(राजकुमार गुप्ता)। टहला पुलिस थाना क्षेत्र के सकट व राजपुर के बीच धाकडों का बास गाँव के समीप बीघोता से अलवर जा रही रोडवेज बस पर हमला कर हमले में चालक, परिचालक व बस में सवार यात्री घायल हो गये। राजस्थान रोडवेज के चालक रत्तीराम यादव पुत्र बालासहाय ने टहला थाने में मामला दर्ज कराया कि सुबह 7 बजे मै तथा परिचालक अवधेश मीना बीघोता से बस को अलवर लेकर जा रहे थे तो सकट राजपुर के पास धाकडा गाँव के पास दो सवारी महिला और बच्चे गाड़ी रुकवा कर बैठे जैसे ही गाड़ी रवाना करने लगे तो बाइक पर दो युवक आए और गाड़ी के आगे लगाकर बोले की यहां गाड़ी क्यों रोकी कहकर गाली गलौज देते हुए चालक साइड फाटक खोलकर नीचे पटक दिया व लात घूसों से मारपीट शुरू कर दी। चालक रत्तीराम यादव ने बताया कि प्रेमचंद और ताराचंद पुत्र सरदार जाती मीणा निवासी राजपुर बड़ा व इनके अन्य परिवार वाले दीपक, सुरेन्द्र पुत्र मेदाराम मीना, मुकेश पुत्र नादान मीना व इनके साथ परिवार की औरत एवं पुरूष लाठी-डंडे लेकर गिरोह बनाकर आये एवं गाड़ी में घुसकर परिचालक व अन्य सवारियों के साथ मारपीट करने लगे। जिसमें सवारी नाथलवाड़ा निवासी राजेश के सिर पर डंडे की मारी जिससे उसके गहरी चोट लग गई। चालक ने टहला थाने में मामला दर्ज कराया।

महाविद्यालय मे विश्व पर्यावरण दिवस पर सेमिनार का हुआ आयोजन

बढ़ता राजस्थान

राजगढ़/अलवर(राजकुमार गुप्ता)। गुरुवार को राजकीय महाविद्यालय राजगढ़ में राष्ट्रीय सेवा योजना की चारों इकाइयों एवं आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. के. एल. मीना की अध्यक्षता में इग्नाइट योर फ्यूचर रोबोटिक्स में कैरियर विषय पर एकदिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसके मुख्य वक्ता रोहित खंडेलवाल रहे। प्राचार्य डॉ. के. एल. मीना ने बताया कि पर्यावरण आज एक ज्वलन्त एवं संवेदनशील मुद्दा है और सम्पूर्ण विश्व पर्यावरणीय मुद्दों को लेकर चिंतित है अत: पर्यावरण बचाने के लिए हम सबको साझा प्रयास करने होंगे। प्राचार्य ने आगे बताया कि प्रत्येक विद्यार्थी को पर्यावरण संरक्षण के हरसम्भव प्रयास करने चाहिए। इस अवसर पर अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किये। प्राचार्य, संकाय सदस्य एवं स्वयं सेवकों द्वारा महाविद्यालय के खेल परिसर में वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम में प्रो जगत सिंह मीना, प्रो अशोक काकोडिया, प्रो सुमेर सिंह बैरवा, डॉ अनिल शर्मा, डॉ ओ पी मीना, डॉ अशोक मीना, डॉ योगेंद्र सिंह, प्रो संजय बमनावत, प्रो कपिल देव एवं सभी इकाइयों के स्वयंसेवक मौजूद रहे।

कोटा मे 'वंदे गंगा' अभियान का जिला स्तरीय शुभारंभ

विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों जल जीवन का संदेश घर-घर पहुंचाएंगे : दक

बढ़ता राजस्थान

कोटा (विनोद गौड़)। गंगा दशहरा एवं विश्व पर्यावरण दिवस के शुभ अवसर पर गुरूवार चम्बल माता की मूर्ति के पास रिवर फ्रंट पर जल पूजन के साथ 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान का जिला स्तर पर शुभारंभ हो गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में जिले के प्रभारी एवं सहकारिता मंत्री गौतम कुमार दक एवं प्रभारी सचिव श्रीमती मंजू राजपाल सहित जन प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने चम्बल नदी की आरती की। चम्बल को पुष्प अर्पित कर चुनरी ओढ़ाई गयी ।

रिवर फ्रंट पर कलश यात्रा

रिवर फ्रंट पर करीब 400 महिलाएं कलश लेकर निकली। जन सहभागिता के इस कार्यक्रम के तहत 20 जून तक सभी जल संरक्षण गतिविधियों,श्रमदान के माध्यम से कुएं, बावड़ी, सरोवर एवं तालाबों को संरक्षित करने का कार्य किया जायेगा।

' जल है तो कल है, और प्लास्टिक मुक्त जीवन का संकल्प

प्रभारी मंत्री ने संकल्प दिलाते हुए कहा की जल है तो कल है, यही मेरा संकल्प है' इस भावना के साथ हमें जल संरक्षण के लिए जो संकल्प आज लिया है उसे अपने जीवन में उतारें। किसान कम से कम पेस्टीसाइड्स काम में ले। शहरवासियों से प्लास्टिक का कम से कम उपयोग करने तथा घर के बाहर एवं छतों पर पौधे लगाने की अपील की। श्री दक ने मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा का धन्यवाद दिया जिनके प्रयासों से हरियालो राजस्थान अभियान के तहत प्रदेश में पिछले साल करीब 7 करोड़ पौधे लगाए गए और उनकी देखरेख की भी व्यवस्था की गई। उन्होंने कहा कि हरियालो राजस्थान के तहत इस वर्ष 11 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। सभी की भागीदारी से ही इस लक्ष्य की प्राप्ति संभव है।

वंदे गंगा अभियान में करें जल स्त्रोतों की सफाई

कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा ने बेतरतीब दोहन के कारण लगातार गिर रहे भू-जल स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज हमने जल संरक्षण के प्रयास नहीं किए तो आने वाली पीढ़ी पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसेगी। उन्होंने कहा कि 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान के तहत 20 जून तक सभी को बावड़ी, तालाब और पारम्परिक जल स्त्रोतों की सफाई कर उन्हें संरक्षित करना है।

उद्घाटन की बाट जोहता सीएचसी जजावर का नया भवन

बढ़ता राजस्थान

जजावर (पदम शाह)। कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के लिए करीब 5 करोड़ की लागत से बना सीएचसी का नवीन भवन पूर्ण हो गया हैं लेकिन उद्घाटन नही होने की वजह से भवन का उपयोग नही हो पाने के कारण मरीजों एवं स्टाफ को परेशानी आ रही है। विदित रहे यह सीएचसी अभी पुराने भवन मे ही चल रही है जिसमे स्पेस कम होने की वजह से स्टाफ एवं मरीजो को काफी दिक्कत का सामना करना पडता है अगर बरसात से पूर्व नये भवन का विधिवत रुप से फीता कटने की रस्म पूरी नही हुई तो विभाग को मजबूर होकर इस नये भवन मे व्यवस्था जमानी पड़ेगी। जानकारी के अनुसार पुराने भवन मे जहां अंदर की साइड स्पेस कम हैं वहीं बरसात के दौरान दिवारो मे सीलन भी बनी रहती है । पुराने भवन की मौजूदा स्तिथि के अनुसार कई कक्षों में तो दो- दो विभाग संचालित करने पड़ रहे हैं तो कई कक्ष में अस्थाई पारटेसन कर चिकित्सालय प्रशासन ने व्यवस्था जमा रखी है। इस परेशानी से मुक्ति के लिए अब नवीन भवन तैयार हो जाने से सभी को सुविधा एवं राहत मिलने की संभावना नजर आ रही है । उधर विभाग भी इस बात को लेकर परेशान है कि बरसात नजदीक आ रही है एवं भवन का उद्घाटन नही हुआ तो पुराने भवन में समस्या आ सकती है। इस मामले मे सीएचसी के एमओआईसी डा संजय मीणा ने बताया कि नवीन भवन तैयार है संवेदक स्तर का कार्य पूर्ण होने सहित बिजली की सुविधा भी चालू हो गई हैं साथ ही विभाग ने भवन को संभाल भी लिया लेकिन भवन का उद्घाटन नही होने की वजह से अभी इसका उपयोग नही कर पा रहे । डा मीणा ने बताया कि पुराने भवन मे बरसात के दौरान आने वाली संभावित परेशानियों से सीएमएचओ को भी अवगत करा दिया हैं उन्होने बताया कि चिकित्सालय प्रशासन भी इसी इंतजार में है कि भवन का फीता कट जाए तो नवीन भवन मे व्यवस्थाएं शिफ्ट करे ।

उधर इस भवन के उद्घाटन के मामले में भाजपा नैनवां देहात मंडल अध्यक्ष राधाकिशन सैनी ने बताया कि सीसोला 33 केवी जीएसएस एवं जजावर सीएचसी भवन का लोकार्पण करवाया जाना है जिसके लिए जल्दी ही जिलाध्यक्ष से बातचीत कर कार्यक्रम तय करेंगे। जबकि भाजपा जिलाध्यक्ष रामेश्वर मीणा ने इस संबंध मे बताया कि मुझे इस सीएचसी के नवीन भवन के लोकार्पण के विषय मे मंडल अध्यक्ष की ओर से कोई पत्र नही मिला है पत्र मिलने के बाद सीएचसी भवन के लोकार्पण का सारा कार्यक्रम तय किया जाएगा ।

बम्बूली गांव में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

श्रीराम महायज्ञ की पूर्णाहुति, शोभायात्रा, मंदिर डोरा कार्यक्रम हुआ सम्पन्न

बढ़ता राजस्थान

नैनवां, (टी.आर सैनी)। ग्रामीण जीवन में भगवान पर आस्था आज भी जींवित है। जब पूरे गांव व आस पास के ग्रामीणजन श्री राम महायज्ञ एंव प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन करते है,तो पूरे गांव में धार्मिक माहौल नजर आता है। गांव के हर कोई धार्मिक कार्यक्रम में अपनी भागीदारी निभाता है। नैनवां के समीप बम्बूली गांव में ऐसा ही नजारा नजर आया। जहां गुरूवार गंगादशमी को कई कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। सकल पंच समिति द्वारा आयोजित पंचकुण्डात्म श्रीराम महायज्ञ में चारभुजा नाथ, शिव परिवार, गरूड़ एवं मन्दिर डोरा मूर्ति नवनिर्मित मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम पूर्णाहुति व मन्दिर का डोरा के साथ गुरुवार को समापन हुआ। मंदिर समिति अध्यक्ष हनुमान धाकड़ व सदस्य गणेश चैधरी ने बताया कि चारभुजा नाथ महाराज का प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम पांच दिन तक विद्वान पंडितों द्वारा मंत्रोच्चारण कर हवन-यज्ञ में आहुतियां दी गई। मन्दिर में पांच दिन तक रात्रि को रामधुनि, भजन संध्या, महिला भजन अलग-अलग कार्यक्रम हुए। भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा आचार्य पंडित कमलेश शास्त्री कनवाड़ा वाले की ओर से मंत्रोच्चारण किया गया। यजमानों के द्वारा जोड़े के यज्ञ-हवन में आहुतियां दी गई। इससे पूर्व संध्या पर भगवान चारभुजा नाथ, शिव परिवार, गरूड़ को रथ विमान में बैठाकर गांव में चारों नगर-भ्रमण कराया गया। जिसमें नैनवां से आएं बजरंग दल व्यामशाला के अखाड़ेबाजों द्वारा हेरतंगेज करतब दिखाए। भगवान चारभुजा नाथ मंदिर डोरा व मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा की पूर्णाहुति के कार्यक्रम में पूर्व खेल मंत्री व हिंडोली विधायक अशोक चांदना ने शिरकत की। इससे पूर्व बोलियां लगाई गई। जिसमें प्रधान कुण्ड के अलावा अन्य चार कुण्ड सूर्य कुंड, चन्द्र कण्ड, आचार्य कुण्ड, पद्म कुण्ड, प्रधान कलश, मन्दिर के शिखर कलश, शिव परिवार, गरूड़ जी, अलग-अलग ध्वज पताका की बोलियां लगाई गई। जिसमें लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। चारभुजा नाथ मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव की पूर्णाहुति के बाद भगवान के भक्तों ने महाप्रसादी ग्रहण की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का केशवरायपाटन दौरा जल संरक्षण और विकास कार्यों पर फोकस

बढ़ता राजस्थान

बूंदी (अनन्त दाधीच)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को बूंदी जिले के केशवरायपाटन का दौरा किया, जहां उन्होंने जल संरक्षण और विभिन्न विकास कार्यों से संबंधित कार्यक्रमों में भाग लिया। मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से केशवरायपाटन पहुंचे। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने भजनलाल शर्मा का भव्य स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने केशवरायपाटन स्थित प्रसिद्ध केशव मंदिर में दर्शन कर पूजन किया। मुख्यमंत्री ने अपने दौरे की शुरुआत चंबल घाट से की, जहां उन्होंने जल पूजन, चुनरी महोत्सव और जल स्वावलंबन अभियान 2.1 के तहत बूंदी जिले के विकास कार्यों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान%का केशव नगरी से शुभारंभ किया। यह अभियान प्रदेश में भूजल स्तर बढ़ाने और जल संचयन के प्रमुख उद्देश्यों के दृष्टिगत मुख्यमंत्री की पहल पर 5 से 20 जून तक चलाया जाएगा। विश्व पर्यावरण दिवस और गंगा दशहरा के पावन अवसर पर शुरू किए गए, इस अभियान के तहत पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण के महत्व के बारे में जागरूक कर इसे एक जन आंदोलन बनाना है।मुख्यमंत्री के इस कार्यक्रम में हालांकि कई अव्यवस्थाओं का आलम तो रहा , खुद मुख्यमंत्री ने मीडिया से दूरी बनाए रखी । जिला कलेक्टर अक्षय गोदारा मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान काफी परेशान नजर आए।

पुलिस कर्मियों ने आम जनता को सभा में जाने से रोका। इस दौरान जिला प्रभारी व ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, भाजपा जिला अध्यक्ष रामेश्वर मीणा, पूर्व मंत्री बाबूलाल वर्मा, पूर्व मंत्री प्रभुलाल सैनी, पूर्व विधायक केशोरायपाटन चंद्रकांता मेघवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल, सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहें।

दीन और दुनिया दोनों की तालीम हर लड़की के लिए दीनियत वेकेशन कोर्स शुरू

'एक मुस्लिम लड़की कैसी होनी चाहिए' विषय का पर डाली रोशनी

बढ़ता राजस्थान

कोटा(विनोद गौड़)। अल-फलाह एजुकेशन वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से दीनियत वेकेशन कोर्स में मुस्लिम बालिकाएं दीनी व दुनियावी तालीम हासिल कर रही हैं। कोटा दक्षिण पार्षद सलीना शेरी ने बताया की मदरसा गरीब नवाज, नूर मोहम्मद जामा मस्जिद आदर्श नगर, बंजारा कॉलोनी, गुमानपुरा, में आयोजित प्रोग्राम मे मदरसा गरीब नवाज के सदर मोहम्मद युनुस मुल्लाजी, सचिव मोहम्मद यूसुफ अंसारी तथा तालीमी कन्वीनर मोहम्मद अख्तर अंसारी का विशेष रूप से स्वागत किया गया। साथ ही उन छात्राओं को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने 10 वीं व 12 वीं कक्षा में बेहतरीन अंक प्राप्त किए। यह कोर्स पिछले पाँच वर्षों से नियमित रूप से आयोजित हो रहा है, जहाँ हर वर्ष 60 से 70 बालिकाएं शरीक होकर दीनी उसूलों के साथ-साथ समाज में बेहतर नागरिक बनने की तालीम हासिल करती हैं। इस अवसर पर पार्षद सलीना शेरी ने एक मुस्लिम लड़की कैसी होनी चाहिए विषय पर दीनियत क्लास में छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्हें हया शरम व इज़्ज़त, इल्म, नमाज़, माँ-बाप की फरमाबरदारी और अच्छे अख़्लाक़ की अहमियत समझाई।

स्वयं मोटरसाइकिल मालिक ने पकड़ा चोर, दो दिन पूर्व थाने में लिखवाई थी चोरी की रिपोर्ट

बढ़ता राजस्थान

लाखेरी (विश्वनाथ शर्मा)। दो दिन पूर्व चोरी गई मोटरसाइकिल को स्वयं मोटरसाइकिल मालिक ने चोर सहित पकड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार ईट भट्टे पर काम करने वाले मजदूर जो कि मध्यप्रदेश के रहने वाले है ने दो दिन पूर्व उनकी मोटर साइकिल के चोरी होने की रिपोर्ट पुलिस थाने में लिखवाई थी। पुलिस द्वारा दो दिन तक भी किसी भी प्रकार की कोई पहल नहीं दिखने पर मोटर साइकिल मालिक गुरुवार को ऑनलाइन रिपोर्ट दर्ज करवाने बॉटम लेवल स्थित ई मित्र पर बैठा था। अचानक उसकी नजर बाहर की ओर जा रही मोटरसाइकिल की सीट लगे स्टीकर पर गई तो उसको अपनी मोटर साइकिल होने का संदेह होने पर उसने मोटर साइकिल का पीछा कर बॉटम लेवल स्थित बैंक के पास रुकवा लिया। जैसे ही उसने मोटरसाइकिल सवार को रुकवाया तो मोटरसाइकिल पर पीछे बैठा व्यक्ति तुरंत मौके से भाग गया वही मोटरसाइकिल मालिक ने मोटरसाइकिल चला रहे युवक को पकड़ लिया। इस घटना से आस पास मौके पर लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। भीड़ ने पुलिस को सूचना दी जिससे मोके पर स्थानीय थाना पुलिस पहुंची तथा चोर को पकड़ कर थाने गई।

कोटा मे विभिन्न संस्थाओ ने विश्व पर्यावरण दिवस मनाकर लिया पर्यावरण बचाने का संकल्प

'रन फॉर एनवॉयरमेंट रैली' के माध्यम से दिया पर्यावरण बचाने का संदेश

बढ़ता राजस्थान

कोटा(विनोद गौड़)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर गुरूवार प्रात: 7 बजे किशोर सागर तालाब से 'रन फॉर एनवॉयरमेंट' रैली को कोटा जिले की प्रभारी सचिव मंजू राजपाल एवं जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की थीम 'बीट प्लास्टिक पॉल्यूशन' रखी गई है। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल के तत्वावधान में आयोजित 'रन फॉर एनवॉयरमेंट' रैली के माध्यम से प्लास्टिक का उपयोग बंद कर पर्यावरण को स्वच्छ रखने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र के तत्वावधान में निकाली गई 'वंदे गंगा साईकिल रैली' को भी प्रभारी सचिव मंजू राजपाल ने हरी झंडी दिखाई। विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रभारी सचिव मंजू राजपाल एवं जिला कलक्टर डॉ. रविन्द्र गोस्वामी ने छत्र बिलास (सीबी) गार्डन में पौधा रोपण किया। अतिरिक्त जिला कलक्टर सीलिंग कृष्णा शुक्ला एवं सीईओ जिला परिषद राजपाल सिंह ने भी पौधा रोपण किया। वन विभाग की ओर से बच्चों की पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। शिक्षा विभाग द्वारा प्रभातफेरी, स्कूली बच्चों की निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके अलावा करीब 1.5 लाख स्कूली बच्चों ने अपने घर पर पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। पर्यावरण प्रेमियों ने नीम,पीपल आदि औषधीय पौधे लगाए। जिला अध्यक्ष शिवराज मेघवाल ने बताया कि इस अवसर पर मिशन के प्रदेश महामंत्री श्री पुष्प दयाल मालव ने कहा कि वृक्ष ही जीवन के प्राण आधार है ,जो प्राण वायु देते हैं एवं कार्बन डाइऑक्साइड को ग्रहण करते हैं ,महामारी से बचाव के लिए वृक्षारोपण अति आवश्यक है।

बिना कनेक्शन ले रहे बिजली, सीधे ट्रांसफार्मर से जोड़ी विद्युत लाइन, विद्युत विभाग कर्मचारियों की मिली भगत से चल रहा खेल

बढ़ता राजस्थान

लाखेरी (विश्वनाथ शर्मा)। शहर में विद्युत विभाग की स्वीकृति के बिना ही कर्मचारियों की मेहरबानी के चलते एक दो नहीं बल्कि कई मकान रोशन हो रहे है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शहर के कोटा लालसोट मेघा हाइवे पर स्थित तहसील भवन के सामने स्थित कॉलोनी में बने हुए सभी मकानों पर विद्युत विभाग मेहरबान हो रहा है। सभी मकानों में बिना मीटर ही करेंट दौड़ रहा है। ताज्जुब की बात तो यह है कि इस मार्ग पर तहसील भवन तथा कोर्ट परिसर मौजूद है जहां पर शहर के कई प्रतिष्ठित लोगो तथा अधिकारी का आना जाना लगा रहता है उसके बावजूद भी विद्युत कर्मचारियों की मिली भगत के चलते यहां पर स्थित सभी मकानों में से एक में भी विद्युत कनेक्शन नहीं है। सभी मकानों में बिजली सीधे ट्रांसफार्मर से चोरी कर के की जा रही है।

पहुंचा रहे राजस्व को नुकसान : एक ही ट्रांसफार्मर से कई मकानों को अवैध विद्युत कनेक्शन देने के चलते विद्युत विभाग को राजस्व की हानि हो रही है।

इनका कहना-

मामला जानकारी में आया है, कनिष्ठ अभियंता को मौके पर भेज कर मामले कि जानकारी करवाता हूं, इस मामले में जो भी विभाग का कर्मचारी दोषी होंगा उसके खिलाफ विभागीय कार्यवाही की जाएगी।

(श्री लाल जाटव, सहायक अभियंता, जयपुर विद्युत वितरण निगम कार्यालय, लाखेरी)

विश्व पर्यावरण दिवस पर कोटा के पर्यावरण प्रेमी जनता का दर्द

बढ़ता राजस्थान

नांता स्थित नगर निगम कोटा का ट्रेंचिंग ग्राउंड, यह कोटा के एक ऐसी प्राकृतिक वातावरण क्षेत्र में बनाया दिया है जहां पर की अभी अभेडा बायोलॉजिकल पार्क संचालित है द्वितीय श्रेणी का यह पार्क जिसमें अभी वन्य जीवों को रखा जा रहा है। कचरे के धुएं बदबू, और रासायनिक प्रदूषण के कारण पास ही स्थित क्षेत्र में कुएं बावड़ियाँ। हेड पंप और पोखर सब दूषित हो चुके हैं । स्थानीय जागरूक निवासियों ने इस मामले को पूर्व लेकर वर्तमान सभी राजनेताओं के साथ-साथ वर्तमान मुख्यमंत्री तक को अवगत करा दिया है ।

पर्यावरण विभाग में अपनी रिपोर्ट में माना है कि यहां का दूषित हवा मानको से 5 गुना से भी अधिक दूषित है।लगातार जलाया जा रहा कचरा प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण बावजूद इसके स्थानीय प्रशासन द्वारा आंख मूंद बैठा है।

फोटो - विनोद कुमार गौड़

विश्व पर्यावरण दिवस पर तालाबशाही झील से शुरू हुआ वन्दे गंगा अभियान

- जिला स्तरीय कार्यक्रम में पहुंचे प्रभारी सचिव, कलेक्टर,एसपी और अन्य अधिकारी रहे मौजूद
- तुलसी पौधा वितरण के साथ सभी ने लगाए मां के नाम पौधे, जल और वन बचाने का संदेश

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। उपखंड की खानपुर ग्राम पंचायत की तालाबशाही झील पर गुरुवार को जल संरक्षण जन अभियान वंदे गंगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला स्तरीय इस कार्यक्रम में प्राकृतिक जल स्त्रोतों का संरक्षण करने,पौधा रोपण को बढ़ावा देने,ग्रामीण क्षेत्र में साफ-सफाई पर विशेष कार्यक्रम चलाने और प्रकृति का संरक्षण करने एवं जन सहभागिता बढ़ाने का संदेश दिया गया। जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रभावी सचिव रमेश कुमार ने शिरकत की वही अन्य अतिथियों के रूप में जिला कलेक्टर श्रीनिधि बीटी,पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा के साथ जिला परिषद सीईओ एएन सोमनाथ,फॉरेस्ट विभाग के डीएफओ वी चेतन कुमार और अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में बोलते हुए प्रभावी सचिव पी रमेश कुमार ने बताया कि आज सरकार द्वारा वंदे गंगा अभियान शुरू किया गया है। जिसके पीछे आने वाले मानसून सीजन में जल संरक्षण हो इसकी पूर्व में ही तैयारी करना है। आज जल संरक्षण के साथ पौधारोपण तो जरूरी है ही,वही स्वच्छता एवं साफ सफाई भी विशेष ध्यान देना जरूरी है।

ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों में जागरूकता फैले,इसको लेकर ही अभियान आज से शुरू हुआ है जो 20 जून तक चलेगा। कलेक्टर श्री निधि बीटी ने लोगों से आव्हान किया की वे प्राकृतिक जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करें,एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखभाल करें। इस बार भी अच्छी बारिश हो इसकी आज गंगा दशहरा पर मां गंगे से प्रार्थना करें और पर्यावरण का विशेष ख्याल रखें। जिसके लिए ज्यादा कुछ नहीं अपने आसपास ही जल का संचय,स्वच्छता और पौधों की देखभाल करनी है। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्र की बालिकाओं द्वारा एक नुक्कड़ नाटक का भी मंचन किया गया। कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष सत्येंद्र पाराशर ने भी एक पौधा अपनी मां के नाम लगाने और उसकी देखभाल करने की लोगों से अपील की। वही अन्य अतिथियों ने भी मंच से अपना उद्बोधन दिया। इस दौरान सभी अतिथियों को एक-एक पौधा देकर उसकी देखभाल करने की ग्राम पंचायत प्रशासन और सरपंच राजेश मीणा ने अपील की। इस दौरान सभी सहयोगकर्ताओ और राजीविका संगठन की कार्यकर्ताओं को तुलसी का एक-एक पौधा वितरित किया गया। वहीं स्कूली बच्चों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता होने पर प्रमाण पत्र दिए गए। कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण एवं बंदी गंगा कार्यक्रम अभियान के जिला संयोजक सरवन वर्मा,पंचायत समिति के प्रधान अजय सिंह परमार,नगर पालिका अध्यक्ष कमलेश देवी,उपखंड अधिकारी भगवत शरण त्यागी, सीओ महेंद्र कुमार,भाजपा जिला महामंत्री अनिल गोयल,जिला उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा,धीर सिंह,एसटी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष राज बहादुर मीणा,पूर्व विधायक बसेड़ी सुखराम कोली,दिनेश मामा,नगर पालिका ईओ श्याम बिहारी गोयल, पार्षद गण एवं अन्य मौजूद रहे। मंच संचालन राजेश शर्मा व्याख्याता द्वारा किया गया।

धौलपुर में साइबर ठगी के दो आरोपी गिरफ्तार: बैंककर्मी बनकर खाते खोलते, सरकारी योजना का झांसा देकर करते थे फ्रॉड

बढ़ता राजस्थान

धौलपुर (राजू शर्मा)। धौलपुर पुलिस ने ऑपरेशन एंटीवायरस 2.0 के तहत दो साइबर ठगों को गिरफ्तार किया है। आरोपी हरिओम और ऋषि गुर्जर गांव-गांव जाकर खुद को बैंककर्मी बताते थे। वे लोगों को सरकारी योजना का लालच देते थे। हर महीने 1300 रुपए मिलने का झांसा देकर फिनो पेमेंट बैंक के खाते खुलवाते थे। सीओ सिटी मुनेश कुमार मीणा ने बताया कि आरोपी खाता खोलते समय अपने पास रखी सिम का नंबर लिंक कर देते थे। एटीएम का पिन जनरेट करने के बाद पूरी किट डाक से आने की बात कहकर साथ ले जाते थे। इन खातों का इस्तेमाल साइबर फ्रॉड से ठगी के पैसे ट्रांसफर करने में करते थे। पुलिस ने आरोपियों से 45 सिम कार्ड बरामद किए हैं। इनमें 39 जियो, 5 टाटा और एक बीएसएनएल की सिम हैं। इनके पास से फिनो पेमेंट बैंक के एटीएम कार्ड, कॉम्बो किट, माइक्रो एटीएम और थम्ब स्कैनर भी मिले हैं। आरोपियों ने अब तक 104 फर्जी खाते खोले हैं। पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है। हरिओम (24) मध्य प्रदेश के मुरैना के सहराना का रहने वाला है। ऋषि (25) धौलपुर के बाड़ी के अमोलपुरा कुआखेड़ा का निवासी है। दोनों को कूकरा माकरा पुलिया नहर बायपास के पास से गिरफ्तार किया गया है।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का आगाज, इंद्रदेव ने भी जताई सहमति

धन्नासर में प्रभारी मंत्री गोदारा के जल स्रोतों की पूजा अर्चना के साथ विधिवत शुभारंभ

बढ़ता राजस्थान

हनुमानगढ़, (राजेश खारडू)। जिले में गुरुवार को वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत आपणी योजना धन्नासर में जल स्रोतों की विधिवत पूजा अर्चना और गंगाजल अर्पण के साथ की गई। इस अवसर पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग मंत्री श्री सुमित गोदारा, भादरा विधायक श्री संजीव बेनीवाल, जिला प्रभारी सचिव डॉ. नीरज के पवन सहित अनेक जनप्रतिनिधि और अधिकारियों ने पूजा अर्चना की।

मुख्य कार्यक्रम की शुरुआत से पूर्व सैकड़ों महिलाओं ने कलश यात्रा निकालकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इसी दौरान अचानक आई रिमझिम वर्षा ने जैसे इस अभियान पर इंद्रदेव की सहमति की मुहर लगा दी। बारिश के बीच जब प्रभारी मंत्री श्री गोदारा ने संबोधन शुरू किया, तो कर्मचारियों ने छाता थामने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने मना करते हुए बरसात में भीगते हुए भाषण पूरा किया, जिससे जनता में उत्साह का संचार हुआ। मंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री राजे द्वारा शुरू किए गए मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान की भी प्रशंसा की और कहा कि वह नींव भी आज जल संरक्षण के नए आयाम गढ़ रही है। उन्होंने मां के नाम एक पेड़ का उल्लेख करते हुए पौधारोपण को भी अभियान का अहम हिस्सा बताया। कार्यक्रम के पश्चात सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने मिलकर पौधारोपण किया और स्वच्छ, हरित एवं प्लास्टिक मुक्त भविष्य का संकल्प लिया। इस दौरान उपस्थितजनों को एकल उपयोग प्लास्टिक मुक्त भविष्य की और जल स्त्रोतों के संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई। इस दौरान प्रभारी मंत्री मीडिया से रूबरू भी हुए। भादरा विधायक संजीव बेनीवाल ने जानकारी दी कि वंदे गंगा अभियान 5 जून से 20 जून तक चलेगा। इसके अंतर्गत परंपरागत जल स्त्रोतों की सफाई, जीर्णोद्धार और जन जागरूकता के विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने आमजन से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भागीदारी की अपील की। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री सहित भादरा विधायक श्री संजीव बेनीवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री प्रमोद डेलू, खेल एवं युवा मामले शासन सचिव तथा जिला प्रभारी सचिव डॉ. नीरज के पवन, पूर्व विधायक श्री धर्मेंद्र मोची, श्री देवेंद्र पारीक, जिला कलेक्टर श्री काना राम, पुलिस अधीक्षक श्री हरि शंकर, बीजेपी एससी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष श्री कैलाश मेघवाल, जनप्रतिनिधि श्री अमित सहू, एडीएम श्री उम्मेदी लाल मीना, सीईओ श्री ओपी बिश्नोई, श्री विकास गुप्ता, श्री सुशील जोशी, एसडीएम श्री संजय अग्रवाल, सीडब्ल्यूसी चेयरमैन श्री जितेंद्र गोयल सहित अनेक अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

निजी स्कूलों की मोटी फीस, कोचिंग और ट्यूशन केंद्रों के खिलाफ यूथ कांग्रेस का विरोध

शिक्षा मंत्री के नाम दिया एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन, कार्यवाही नहीं तो आंदोलन

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। शहर में गुरुवार को यूथ कांग्रेस के पदाधिकारी द्वारा प्राइवेट स्कूलों के खिलाफ नियम विरुद्ध मोटी फीस वसूले जाने और शहर में अवैध रूप से संचालित ट्यूशन केंद्र एवं कोचिंग सेंटर की शिकायत करते हुए एक ज्ञापन शिक्षा मंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को सौपा है। ज्ञापन में यूथ कांग्रेस के पदाधिकारी ने आरोप लगाया है की सभी प्राइवेट स्कूलों में बच्चो के अभिभावकों से वसूली जा रही मोटी फीस के खिलाफ कार्रवाई की जाए और ट्यूशन केंद्र और कोचिंग संस्थाओं का रजिस्ट्रेशन करते हुए निर्धारित सुविधा उपलब्ध कराई जाए। यूथ कांग्रेस के जिला महासचिव आर्यन राय के नेतृत्व में दिए ज्ञापन में पदाधिकारी ने आरोप लगाया है की शहर में जितने भी निजी स्कूल है। वहां फीस का नियम अनुसार कोई निर्धारण नहीं है। प्राइवेट स्कूलों में बच्चों से मनमानी फीस वसूली जा रही है।

इस समय गर्मियों की छुट्टियां चल रही है लेकिन प्राइवेट स्कूलों में एडमिशन शुरू कर दिए गए हैं। छात्रों और अभिभावकों को ब्रह्मजाल में फसाने के लिए तमाम तरह के विज्ञापन दिए जा रहे हैं। जबकि हकीकत में स्कूलों में कोई सुविधा नहीं है। ऐसे स्कूलों की जांच की जाए जो दूसरी मान्यताओं पर चल रहे उनकी मान्यता रद्द की जाए और निर्धारित फीस को लेकर स्कूलों में नोटिस बोर्ड पर जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए जाएं। वहीं शहर में भीषण गर्मी के दौर में कोचिंग सेंटर और ट्यूशन केंद्र संचालित हो गए हैं। जहां सुबह से शाम तक बेच चल रहे है। इन सेंटर पर किसी भी प्रकार की बच्चों के लिए कोई सुविधा नहीं है। ट्यूशन केंद्रों के बाहर मनचले लड़के और सामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता है। जहां बालिकाओं के साथ सरेआम छेड़छाड़ की घटनाएं होती हैं।जिनको लेकर ट्यूशन केंद्र संचालक कोई ध्यान नहीं देते।ट्यूशन केंद्रों पर कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है और ना ही किसी प्रकार की नियमों की पालना हो रही है। ऐसे सभी ट्यूशन केंद्र और कोचिंग संस्थानों का रजिस्ट्रेशन कराया जाए। सरकारी विद्यालयों के अध्यापकों द्वारा धड़ल्ले से स्कूली बच्चों को ट्यूशन करने के लिए बाध्य करने पर भी रोक लगाई जाए। यूथ कांग्रेस पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है की यदि इन मांगों पर उपखण्ड और जिला प्रशासन और शिक्षा मंत्री ध्यान नहीं देते हैं तो कांग्रेस के सभी संगठनों के पदाधिकारीयो को साथ मे लेकर यूथ कांग्रेस अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन करेगी। ज्ञापन के दौरान सेवादल के जिला उपाध्यक्ष ने अनिल अरेला,ध्रुव शुक्ला,राजकुमार कंसाना, शिवम प्रजापति,मुशर्रफ़ खान,अकरम पठान,मयंक शर्मा, गजेंद्र प्रजापति,सनी गौड़,मयंक मीणा एवं अन्य कांग्रेसी मौजूद रहे।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल जी मीणा को किसानो व सहकारी समिति की बताई समस्या : अध्यक्ष बनेसिंह चंद्रावत आवा

बढ़ता राजस्थान

कोटा । जिला सहकारी अध्यक्ष यूनियन , जिला अध्यक्ष बनेसिंह चंद्रावत ने कृषि मंत्री डॉ.किरोड़ी लाल मीणा को सहकारी समस्या बताई , इफको खाद के साथ नैनो और डीएपी अटैचमेंट देते है तो नैनो को किसान लेना पसंद नहीं करते ,केवल किसान खाद लेना चाहते है लेकिन कंपनिया बिना अटैचमेंट के खाद नहीं देती जिस के लिए जिला कलैक्टर को भी कई बार अवगत करवाया और श्री चंद्रावत ने क्षेत्रीय अधिकारी लालाराम चौधरी पर आरोप लगाते हुए बताया की लाल राम चौधरी अपनी मन मरजी करता है क्योंकि 8 साल कोटा में ही इसका अभी तक ट्रांसफर नहीं किया , क्योंकि हमारी कोई शिकायत सुनता ही नहीं है, लालाराम अपनी मनमर्ज़ी से जिस समिति को चाहे उसी को खाद देता है इनकी मनमर्ज़ी के किसी नहीं चलती । किसानों को समय पे खाद ही नहीं मिलता किसानों को एक डीएपी का बैग समिति में साढ़े पंद्रह सौ रुपए में मिलता है उसे मार्केट में साढ़े अठारह सौ रुपए में दिया जाता है लेकिन किसानों को मजबूरन डीएपी का बैग लेना पड़ता वहीं यूरिया का बैग सहकारी समिति में 267 रुपए मिलता और वही यूरिया का बैग मार्केट में 350 रुपए का किसान को मजबूरन लेना पड़ता है लेकिन किसान की पीड़ा कोई नहीं समझता । श्री चंद्रावत ने बताया की जो सहकारी समिति को डीएपी यूरिया कोटा मिलता उसे 90प्रतिशत प्राइवेट को दिया जाता है और 10प्रतिशत समिति को दिया जाता जबकी किसानों का लगाव सहकारी समिति से है ऊपर की मिलीभगत से कला बजारी होती जो गलत हैं ।प्राइवेट को यूरिया डीएपी ज्यादा मात्रा में दिया जाता, सरकार के कानों तले जू तक नहीं रेंकती अधिकारी टस से मस नहीं हुए क्षेत्रीय अधिकारी लालाराम का भी कुछ नहीं किया श्री चंद्रावत ने बताया की हम ने आन्दोलन की चेतावनी भी दी है और आन्दोलन करेंगे और कहा की खाद कम्पनिया और अधिकारी पूरी तरह से मिले हुए है समितियों को डुबाने में लगे हुए है। सहकारी समितियों में खाद नहीं आया तो किसानों को खाद कहा से मिलेगा।

राम सागर वन क्षेत्र में वन विभाग की टीम की कार्यवाही

मौके से एक ट्रेक्टर-ट्रॉली हरी लकड़ी, दो हेंड कटर मशीन और बाइक जप्त, तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार, वन अधिनियम में कार्यवाही,

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। बरसो बाद वन विभाग द्वारा फॉरेस्ट एरिया में काटी जा रही हरी लकड़ी को लेकर कार्यवाही को अंजाम दिया है। नीम और शीशम की हरी लकड़ी से भरी एक ट्रैक्टर-ट्राली को फॉरेस्ट टीम ने जप्त किया है। मौके से दो हैंड कटर मशीन और एक रेकी में प्रयुक्त बाइक को भी जप्त किया है। वन विभाग की टीम ने पूरे मामले में लिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनके खिलाफ राजस्थान वन्य अधिनियम की विभिन्न धाराओं में कार्यवाही की जा रही है। नाका प्रभारी रामसागर राजेश कुमार मीणा ने बताया उप वन संरक्षक एनसीएस धौलपुर वी चेतन कुमार के निर्देश पर क्षेत्रीय वन अधिकारी वन्यजीव वन विहार धौलपुर दीपक कुमार मीणा के सुपरविजन में कार्रवाई की है। कार्रवाई को लेकर टीम द्वारा ग्रामीण और वन विभाग से जुड़े मुखबिरों का सहयोग लिया गया है। कार्रवाई के दौरान नाका रामसागर स्टाफ के वनरक्षक शेर सिंह,दीनदयाल और रामधाम का विशेष सहयोग रहा हैं। टीम द्वारा उक्त कार्रवाई बुधवार की सुबह रामसागर के पास की गई है। जहां से शीशम और नीम की हरी लकड़ी से भरी एक ट्रैक्टर-ट्राली को जप्त किया है। मौके से पेड़ो को काटने वाले दो हैंडसेट कटर मशीन को जप्त किया गया है। पेड़ काटने के दौरान रिकी में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल भी जप्त की है। वन विभाग की टीम ने हरी लकड़ी काटने के मामले में जिन तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनके खिलाफ राजस्थान वन अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्त में आए आरोपियों में दीपक ओसवाल पुत्र आदीराम जाटव निवासी हवेली पाड़ा बाड़ी,शिवसिंह पुत्र देवीराम निवासी अतिराजपुरा और सुंदरसिंह पुत्र ठाकुर दास लोधा निवासी लुधपुरा अलीगढ़ शामिल है।

निर्माणाधीन सड़क में पेड़ बने अवरोधक, विधायक विनोद गोठवाल ने जिला कलैक्टर से की सड़क निर्माण की मांग

बढ़ता राजस्थान

पीलीबंगा, (राजेश खारडू)। कस्बे के वार्ड नं.-13 में नगरपालिका प्रशासन द्वारा करीब 20 लाख रुपए की लागत से पुरानी नगरपालिका से लेकर धानक धर्मशाला मार्ग के कार्नर तक बनाई जा रही सड़क का निर्माण अधरझूल में लटक गया है।

जिसके चलते इस सड़क के बनने से दुलमानी सहित कस्बे के करीब 20 वार्डों के हजारों लोगों में गहरी निराशा देखी जा रही हैं। गौरतलब है कि विगत करीब 4 दशक से जीर्ण-शीर्ण हालात में पड़ी इस सड़क के निर्माण को लेकर वार्ड पार्षद डा. युसुफ पंवार एवं नगरपालिका अध्यक्ष हरजिंद्र सिंह के प्रयासों से इस मार्ग का निर्माण कार्य शुरू किया गया था। नगरपालिका प्रशासन के ठेकेदार द्वारा उबड़-खाबड़ मार्ग पर मिट्टी की भर्ती करवाकर पत्थर भी डलवा दिए गए। सड़क का निर्माण कार्य युद्धस्तर पर जारी था। इस सड़क का निर्माण होने पर शहर के हजारों लोगों को श्रीगंगानगर मार्ग से सीधे आनंद विहार कॉलोनी तक एक सुरक्षित एवं सुगम मार्ग मिलने जा रहा था परंतु इस मार्ग के बीचोंबीच खड़े 2 सफेदे के पेड़ों की वजह से इस सड़क का निर्माण कार्य अधरझूल में लटक गया। नगरपालिका प्रशासन द्वारा उक्त सफेदे के पेड़ को काटने के लिए विभागीय प्रक्रिया के तहत तहसीलदार से उक्त पेड़ों को काटने की अनुमति भी प्राप्त कर ली गई परंतु कस्बे के एक व्यक्ति द्वारा जिला कलैक्टर से उक्त पेड़ों को न काटने की गुहार लगाई गई, जिसके कारण जिला कलैक्टर ने आगामी आदेशों तक पेड़ों को न काटने के लिए पालिका प्रशासन को पाबंद कर दिया। वार्ड पार्षद युसुफ पंवार ने बताया कि पेड़ों को काटे बिना अगर सड़क का निर्माण होता है तो इस जगह आए दिन दुर्घटनाएं होना आम बात हो जाएगी। जिससे जानमाल का खतरा बना रहेगा, क्योंकि पेड़ सड़क के बिल्कुल कार्नर व बीचोंबीच स्थित है। वार्डवासियों ने जिला कलैक्टर से आग्रह किया है कि सड़क का निर्माण होने के उपरांत वे इस मार्ग के दोनों तरफ कस्बे की मिशन ग्रीन संस्था के सहयोग के पौधे रोपित करेंगे ताकि इस मार्ग का सौंदर्यकरण होने के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिल सकेगा। विधायक विनोद गोठवाल ने भी इस सड़क निर्माण से शहर के हजारों लोगों को होने वाली सुविधा को देखते हुए जिला कलैक्टर से व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करते हुए इस संबंध में पालिका प्रशासन से शीघ्र ही इस संबंध में उचित कार्रवाई कर इस सड़क के निर्माण में बाधा बन रहे पेड़ों को हटाकर सड़क निर्माण शुरू करने की बात कहीं हैं ताकि शहर के लोग इस सड़क का लाभ ले सके।

बाप-बेटे से एके-47 और 34 कारतूस पकड़े : धौलपुर के बीहड़ में बदमाशों को देते थे पनाह, नए लड़कों को सिखाते थे फायरिंग

बढ़ता राजस्थान

बाड़ी (राजू शर्मा)। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने अवैध हथियारों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक एके-47 राइफल, मैगजीन और 34 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। मामले में पुलिस ने पिता-पुत्र को गिरफ्तार किया है। दोनों ने बीहड़ में अवैध फायरिंग रेंज बना रखी थी। जहां वे अन्य राज्यों के बदमाशों को शरण देने देते थे। मामला धौलपुर जिले के राजाखेड़ा कस्बे का है। थाना अधिकारी रामकिशन यादव ने बताया-राजाखेड़ा थाना क्षेत्र के गांव बसई घीयाराम निवासी जितेंद्र उर्फ जीतू चंबल (30) और उसके पिता तेजपाल (60) को गिरफ्तार किया है। साथ ही एके-47 समेत कारतूस और मैगजीन बरामद की है। जीतू चंबल कुख्यात हिस्ट्रीशीटर रामदत्त उर्फ सोनू चंबल और शिवदत्त का भाई है। तीनों भाई आनंदपाल गैंग के सदस्य रहे चुके हैं।

एके-47 के इनपुट पर पहुंची थी पुलिस : पुलिस ने बताया-4 जून को एजीटीएफ टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि बसई घीयाराम निवासी रामदत्त और उसका भाई जीतू कुछ समय पहले एके-47 लेकर आए हैं। वह इस समय जीतू के पास गांव में ही है। इस पर टीम ने जीतू चंबल के घर दबिश दी। जहां से पुलिस ने एके-47 राइफल, मैगजीन और 34 जिंदा कारतूस बरामद किए। मौके से जितेंद्र उर्फ जीतू चंबल और उसके पिता तेजपाल ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया गया।

प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्ति का संकल्प लिया

बढ़ता राजस्थान

अंता (शफीक मंसूरी)। बारां-मेरा युवा भारत बारां (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार) के तत्वाधान में विवेकानन्द युवा मण्डल बडा के युवाओ द्वारा पर्यावरण संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया । जिसमें विवेकानन्द युवा मण्डल बड़ा द्वारा युवाओ के माध्यम से खेल परिसर में एक पेड मॉ के नाम से पौधारोपण कर अभियान की शुरूआत की गई । इसी दौरान सभी युवाओ ने पौधा रोपण कार्यक्रम के पश्चात् प्लास्टिक प्रदूषण से मुक्ति एवं सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग नही करने की शपथ ली। युवा मण्डल अध्यक्ष अक्षय पंकज ने बताया की हमे इस भीषण गर्मी से बचने के लिये अधिक से अधिक पौधे लगाना चाहियें पौधे लगाने से हमारा पर्यावरण भी शुद्ध रहता है गर्मी से राहत मिलती है इसके साथ ही पेड - पौधो से शुद्ध ऑक्सीजन भी हमे प्राप्त होती है इससे हमें लोगो को अधिक से अधिक जागरूक करना चाहिए जिससे लोगो को पैड - पौधो की कमी महसूस ना हो । इस कार्यक्रम में युवाओ द्वारा खेल परिसर में श्रमदान करते हुए स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस कार्यक्रम में विवेकानन्द युवा मण्डल बडा के सचिव भगवती बैरवा एवं समाजसेवी मनीष पोटर, प्रिंस कुमार सहित अन्य युवा भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

श्रावकों ने जयघोष नारो के साथ साध्वियों का कपासन में मंगल प्रवेश कराया

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। रायपुर का चातुर्मास संपन्न कर महासाध्वी रमीला कंवर म.सा.,सुशिला कंवर म.सा. आदि ठाणा 2 का गुरुवार को नगर में जयघोष नारो के साथ मंगल प्रवेश हुआ। श्रमण संघ कपासन अध्यक्ष सूर्यप्रकाश सिरोया ने बताया कि साध्वी रमीला कंवर द्वारा समीपवर्ती भट्टो का बामनीया ग्राम से विहार किया गया। इस दौरान साध्वी की अगवानी मे श्रद्धालुओं द्वारा भट्टो का बामनीया पहुंचकर स्वागत अभिनंदन किया गया। नगर के राजराजेश्वर तालाब पर श्रावको ने अगवानी की तथा जयघोष नारों के साथ साध्वी का भव्य स्वागत किया गया। इसके उपरांत साध्वी द्वारा अंबेश भवन मे प्रवेश किया एवं प्रार्थना व मंगल पाठ किया गया। यहां शुक्रवार प्रात: 9 से 10 बजे तक अंबेश भवन मे प्रवचन होगा। साध्वी रमीला कंवर म.सा. का 2025 चातुर्मास मावली स्टेशन पर निर्धारित है। इस अवसर पर अनिल कोठारी,महेन्द्र सांवला, राहुल हिगड, अविनाश दुग्गड़, सुनिल लोढा, रत्नेश चण्डालिया, राकेश सेठ, आशीष आंचलिया, नवीन कोठारी आदि श्रावक-श्राविकाओं द्वारा जयघोष नारो के साथ साध्वियों का भव्य मंगल प्रवेश कराया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण एवं चित्रकला प्रतियोगिता सहित जल संरक्षण की शपथ दिलाई

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। वन विभाग कार्यालय कपासन में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय वन अधिकारी सुरेश चंद के निर्देशन के तहत रेंज परिसर में कार्यक्रमो का आयोजन किया गया। जिसमे रेंज परिसर कपासन में पौधारोपण किया गया।इस दौरान उज्जवल दाधीच, नाका प्रभारी कपासन नानालाल भील, नाका प्रभारी आकोला ललित खटीक, प्रभुलाल जाट सहित आईटीआई महाविद्यालय के शिक्षक एवं कार्मिक उपस्थित रहे। इस वर्ष की पर्यावरण दिवस की थीम प्लास्टिक प्रदूषण को हराना है। इस मौके पर चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन तथा नर्सरी कपासन में आईटीआई विद्यार्थियों एवं विभागीय कार्मिकों द्वारा श्रमदान किया गया। राजस्थान सरकार द्वारा संचालित वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के तहत विद्यार्थियों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गयी।

तलवंडी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की सेवा से प्रभावित होकर दंपति ने दान किया वॉटर कूलर मय आरओ

बढ़ता राजस्थान

कोटा(विनोद गौड़)। हरियाणा के गुरुग्राम से कोटा में अपने बच्चों को पढ़ाने आएं दंपति कोटा के शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तलवंडी में मिली स्वास्थ्य सेवा से इतने प्रभावित हुए की दंपति ने तलवंडी डिस्पेंसरी में वॉटर कूलर मय आरओ सिस्टम दान कर दिया ।

चंबल नदी में डूबी छोटी नाव, तीन लोग बचे; एक महिला की मौत

टूटा पुल बना हादसे की वजह, 6 साल से नहीं हुआ निर्माण

बढ़ता राजस्थान

चौमहला(आबिद हुसैन)। झालावाड जिले के गंगधार थाना क्षेत्र मे मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित मकोडिया गांव के पास चंबल नदी पार करते वक्त एक छोटी नाव नदी में डूब गई । इस हादसे में छोटी नाव में सवार चार लोगों में से तीन को आसपास मौजूद ग्रामीणों ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया।जबकि एक महिला नदी के गहरे पानी में लापता हो गई थी। जिसकी सरगर्मी से स्थानीय गोताखोरों के द्वारा तलाश की जा रही थी। लेकिन माहिला का कुछ पता नही चला।गंगधार थाना प्रभारी ने एसडीआरएफ टीम को सूचना दी सुचना मिलने पर एसडीआरएफ की टीम मौके पर पोहची लेकिन अंधेरा होने की वजह से रेस्क्यू नहीं हो सका जिसका गुरुवार को सुबह एसडीआरएफ की टीम ने मृतक महिला को सुबह निकालने में कामयाबी हासिल की। पुलिस ने मृतक महिला को परिजन की सहायता से सीएचसी चौमहला लेकर आए जहां मृतक का पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सौंपा जाएगा।

क्या है पूरा मामला

सारे मामले में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गंगधार थाना क्षेत्र के मकोडिया गांव निवासी महिला साधना अपने पति रणजीत के साथ जोधपुर से काम कर वापस अपने गांव लौट रही थी । इस दौरान वे मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित चंबल नदी का पुल टूटा होने के चलते छोटी नाव से नदी पार कर रहे थे । नाव मे दो अन्य लोग भी सवार थे । इसी दौरान नदी के बीच छोटी नाव का पटिया हट जाने के चलते नाव नदी में पलट गई । इससे मौके पर चीख पुकार मच गई। की पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण दौड़कर मौके पर पहुंचे और नदी में गिरे तीन लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया ।

लेकिन महिला साधना चंबल नदी के गहरे पानी में डूब गई जिसका कोई पता नहीं चल पाया। गंगधार थाना प्रभारी ने एसडीआरएफ टीम को सूचना दी लेकिन अंधेरा होने की वजह से रेस्क्यू नहीं हो सका जिसका सुबह एसडीआरएफ की टीम ने मृतक महिला को सुबह निकालने में कामयाबी हासिल की पुलिस ने मामले की जाँच कर मृतक महिला को परिजन की सहायता से सीएचसी चौमहला लेकर आए जहां मृतक का पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सौंपा दिया।

बाढ़ में टूटा पूल अभी तक नहीं बना

मध्यप्रदेश राजस्थान को जोड़ने वाली चंबल नदी पर बना पुल वर्ष 2019 मै नदी मै आई बाढ़ मै टुट गया था। 6 वर्ष गुजर जाने के बाद भी पुल नहीं बनने के कारण लोग जान जोखिम मै डाल कर नदी पार कर रहे हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने पुल की स्वीकृति भी जारी हो कर वर्क ऑडर जारी हो गए।मिट्टी परीक्षण का कार्य भी हो गया। लेकिन अभी तक कार्य शुरु नहीं किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर निकाली साईकल रैली

पर्यावरण बनाए रखना हर नागरिक का कर्तव्य है - टी.सी.छाबड़ा

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आमजन में पर्यावरण के प्रति सबकी जिम्मेदारी का अहसास कराने, प्रदूषण से बचाने, उत्तम स्वास्थ बनाए रखने और दैनिक जीवन के छोटे छोटे कार्यों हेतु वाहन की बजाय साईकल चलाये जाने को प्रेरित करने हेतु भीलवाड़ा साईकल क्लब द्वारा शहर में साईकल रैली निकाली गई। यह जानकारी देते हुए क्लब के प्रभारी अरुण सन्तोष मुछाल ने बताया कि यह रैली स्टेशन चौराहे से सुबह 7 बजे जिला वन अधिकारी गौरव गर्ग, जिला प्रदूषण नियंत्रण अधिकारी दीपक धनेतवाल द्वारा हरी झंडी के साथ प्रारंभ होकर गोलप्याऊ चौराहा, सुभाष मार्केट, महाराणा टॉकीज चौराहा, माणिक्य नगर, नेहरू रोड, बस स्टैंड, हरिशेवा धर्मशाला रोड़ होते हुए सूचना केंद्र पर सम्पन्न हुई। रैली के समापन पर क्लब संयोजक तिलोकचंद छाबड़ा और जिला खेल अधिकारी हेमेंद्रसिंह राणावत ने अपने उद्बोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण किसी एक का कर्तव्य नहीं बल्कि हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर भीलवाड़ा के साइकिल मैन के नाम से प्रसिद्ध मुकेश कुमावत द्वारा 3 दिन में 650 किलोमीटर साइकिल चलाते हुए भीलवाड़ा से माउंट आबू एवं माउंट आबू से भीलवाड़ा तक का सफर कर रैली में पहुंचने पर उनका स्वागत किया गया। रैली के दौरान प्राकृतिक कुल्हड़ ग्रुप के भूपेन्द्र मोगरा द्वारा प्लास्टिक की थैलियों का प्रयोग बंद कर कपड़े के थैलों को बढ़ावा देने हेतु कपड़े के थैले वितरित किए गए। रैली में छोटे छोटे बच्चों सहित कई अस्सी वर्ष के बुजुर्गों ने भी साइकिल चलाई। रैली के दौरान वृक्ष लगाओ - पर्यावरण बचाओ, साइकिल चलाओ- पर्यावरण बचाओ के नारे लगाते हुए आमजन को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया।

इनकी रही उपस्थिति

रैली में मदन खटोड़, राकेश सक्सेना सुरेश बंब, राजकुमार अजमेरा, रामचंद्र मूंदड़ा, हेमेंद्र कौशिक, हरीश माहेश्वरी, श्याम पारीक, दिनेश भट्ट, हस्तीमल भलावत, बी.डी. करवा, आशुतोष आचार्य, सतीश अग्रवाल, गिरिराज प्रजापति, अमित पुरोहित, अशोक पेशवानी, अजीत जैन, लीलाराम आडवाणी, सत्यनारायण राठी, सौरभ मानसिंहका, शिवनारायण ईनाणी, प्रतीक ईनाणी, मनोहर डुमोलिया, दिनेश पीपाड़ा, जनमेजयदेव सिंह खंगारोत, प्रदीप विजयवर्गीय, आदि सहित वन विभाग, प्रदूषण नियंत्रण विभाग, जिंदल ग्रुप आदि के कई स्टॉफ सदस्य शामिल थे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर पौधारोपण कर सिंगल यूज प्लास्टिक के बहिष्कार

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। विश्व पर्यावरण दिवस पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में विधायक अर्जुनलाल जीनगर ने वाटर वर्क्स परिसर में पौधारोपण किया तथा सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार एवं कपड़े की थैलियों के उपयोग का संदेश दिया। साथ ही नगर पालिका द्वारा कपड़े की थैलियों का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर उपखण्ड अधिकारी कपासन राजीव सुवालका, नपा अध्यक्ष मंजुदेवी सोनी, अधिशाषी अधिकारी नपा कपासन ललित सिंह देथा,नपा उपाध्यक्ष सैयद एजाज अली,नपा कनिष्ठ अभियंता खेमराज सिंह,जीएसएस कपासन अध्यक्ष एवं पूर्व वरिष्ठ नगर पालिका पार्षद नंदकिशोर टेलर, भाजपा किसान मोर्चा अध्यक्ष शंभुलाल बागड़ा, स्वच्छ भारत मिशन एमआईएस इंजीनियर रिया गर्ग, रोशन शर्मा, रोहित पंचोली, प्राची डीडवानिया, शहरी रोजगार सहायक सौरभ बारेसा, भवानीशंकर जीनगर, सुनील सोनी, प्रवीण कोठारी, मुरली टेलर आदि गणमान्यजन उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर जिलेभर के चिकित्सा संस्थानों व कार्यालयों में हुआ पौधारोपण कार्यक्रम

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में गुरुवार को जिलेभर के चिकित्सा संस्थानों सहित कार्यालय परिसरों में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सीएमएचओ डॉ. सी पी गोस्वामी और आरसीएचओ डॉ. संजीव शर्मा ने आरसीएचओ कार्यालय, एएनएम प्रशिक्षण केंद्र परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और विभागीय अधिकारी व कार्मिकों को अधिक से अधिक पेड़ लगाकर उनकी देखभाल की जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ0 सीपी गोस्वामी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है और हमें अपने दैनिक जीवन में बदलाव लाने होंगे। पौधारोपण और प्लास्टिक मुक्त परिसर बनाना इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने सभी स्टाफ और प्रशिक्षणार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाकर अपने आवास के आसपास पौधारोपण करने और उनकी देखरेख करने के लिए प्रेरित किया साथ ही उन्होंने कार्यालय परिसर को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए भी अपील की। आरसीएचओ डॉ0 संजीव शर्मा ने भी पौधारोपण के महत्व को बताते हुए कहा कि यह हमारे भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण निवेश है। उन्होंने सभी से पौधारोपण करने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान करने का आग्रह किया।

150 फीट गहरी खदान में चला रेस्क्यू ऑपरेशन, एसडीआरएफ को मिली सफलता, 2 शव बरामद

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। एसडीआरएफ ने बागोर थाना क्षेत्र के ग्राम दादिया स्थित खदान में दबे दो श्रमिकों के शव बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। यह हादसा 4 जून की रात हुआ, जब फेल्सपार और क्वार्ट्ज मिनरल की खदान में खुदाई के दौरान मिट्टी और पत्थर ढहने से दो श्रमिक खदान में दब गए थे।

घटना की सूचना रात्रि 8.30 बजे पुलिस अधीक्षक कार्यालय भीलवाड़ा से एसडीआरएफ कंट्रोल रूम जयपुर को दी गई। इसके बाद एसडीआरएफ के कमांडेंट राजेन्द्र सिंह सिसोदिया के निर्देश पर अजमेर स्थित ई कंपनी की रेस्क्यू टीम को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया। टीम प्रभारी हेड कांस्टेबल राजेश कुमार के नेतृत्व में 11 सदस्यों की टीम आवश्यक राहत उपकरणों के साथ मध्य रात्रि 12.30 बजे मौके पर पहुंची।

घटनास्थल पर टीम कमांडर ने स्थिति का आकलन किया और बताया कि खदान करीब 150 फीट गहरी, 120 फीट लंबी और 60 फीट चौड़ी है। हादसे के बाद स्थानीय प्रशासन और ग्रामीणों द्वारा बचाव के प्रयास किए गए, लेकिन सफलता नहीं मिल पाई थी। रेस्क्यू टीम ने तत्काल ऑपरेशन शुरू किया। स्थानीय प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई गई क्रेन की मदद से टीम के जवानों को खदान में उतारा गया। अथक प्रयासों के बाद सुबह 7 बजे एक श्रमिक का शव बरामद कर लिया गया। इसके बाद लगातार चले सर्च ऑपरेशन के तहत सुबह 11 बजे दूसरा शव भी मलबे से निकाला गया।

एसडीआरएफ टीम ने मृतकों की पहचान राजूलाल पुत्र मूलचंद जाट उम्र 24 वर्ष निवासी ग्राम बाज्या खेड़ा और ऊदा भील पुत्र ओंकार भील उम्र 30 वर्ष निवासी ग्राम पुरोहितों का खेड़ा, दोनों थाना बागोर जिला भीलवाड़ा के रूप में की। बरामद शवों को आवश्यक प्रक्रिया के बाद स्थानीय प्रशासन को सौंप दिया गया। एसडीआरएफ के इस समर्पित और साहसिक प्रयास की स्थानीय स्तर पर सराहना की जा रही है।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का कपासन में सरोवर पुजन के साथ शुभारंभ

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का नगर के राजराजेश्वर तालाब की पाल पर गुजरी का घोडा स्थानक पर सरोवर पुजन के साथ शुभारंभ किया गया । जानकारी अनुसार मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देशानुसार प्रदेशभर में गंगा दशमी के अवसर पर वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान का शुभारम्भ किया गया।जिसमे नगर कपासन के विशाल जलस्त्रोत राजराजेश्वर तालाब की पाल पर गुजरी का गोडा स्थानक पर क्षेत्रीय विधायक अर्जुनलाल जीनगर की उपस्थित में सरोवर पुजन के साथ अभियान का शुभारम्भ किया गया। इस दौरान विधायक जीनगर ने कहाकि राज्य सरकार द्वारा जाखम परियोजना हेतु स्वीकृति जारी की जा रही है।जल्द ही कपासन एवं आस-पास के क्षेत्र को पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। उक्त अभियान के जिला संयोजक एवं पुर्व विधायक बद्रीलाल जाट ने इस अभियान में अधिकाधिक जनभागीदारी हेतु आ?ह्वान किया। इस अवसर क्षेत्रीय प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि,भाजपा पदाधिकारी सहित आमजन उपस्थित रहे।

यूआईटी द्वारा जमीनों की आरक्षित दरों में अप्रत्याशित वृद्धि पर भाजपा ने जताई आपत्ति

जिलाध्यक्ष मेवाड़ा ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, कहा - यह भूमाफियाओं को लाभ पहुंचाने का प्रयास

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा (अमित शर्मा)। नगर विकास न्यास भीलवाड़ा द्वारा हाल ही में जमीनों की आरक्षित दरों में पुनर्निर्धारण के नाम पर की गई अप्रत्याशित वृद्धि को लेकर भाजपा ने आपत्ति जताई है। जिलाध्यक्ष प्रशांत मेवाड़ा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर इस वृद्धि को नियमों के विपरीत गैर न्यायोचित बताया है। जिला प्रवक्ता अंकुर बोरदिया ने बताया कि जिलाध्यक्ष मेवाड़ा ने सीएम को लिखे पत्र में कहा है कि नगर विकास न्यास भीलवाड़ा ने विगत 20 जून को जमीनों की आरक्षित दरों के पुनर्निधारण के नाम पर 50 प्रतिशत से लेकर 375 प्रतिशत तक की वृद्धि कर दी जो कि किसी भी आधार पर न्यायोचित नहीं है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य

सरकार की मंशा है कि प्रत्येक गरीब एवं वंचित व्यक्ति को रहने हेतु भूखंड मिले इसलिए प्रदेश की बजट घोषणा में भी आमजन को राहत देते हुए लॉटरी के माध्यम से गरीब वंचित को भुखण्ड देने की घोषणा की गई थी। वहीं राज्य सरकार की मंशा के विपरीत नगर विकास न्यास भीलवाड़ा में लॉटरी प्रक्रिया से 12 दिन पूर्व ही आरक्षित दरों में पुनर्निधारण के नाम पर 50 प्रतिशत से लेकर 375 प्रतिशत तक की वृद्धि कर भू माफियाओं को लाभ पहुंचाने का कार्य किया गया है।

पर्यावरण दिवस पर त्नश्वरूबालिकाओं के लिए विधिक जागरूकता की अनूठी पहल

बढ़ता राजस्थान

अंता (शफीक मंसूरी)। विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के अवसर पर एनटीपीसी अंता में बालिका सशक्तिकरण अभियान-2025 की प्रतिभागी बालिकाओं के लिए एक विशेष विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस जागरूकता शिविर का उद्देश्य बालिकाओं को उनके मौलिक अधिकारों, कानूनी संरक्षण, और न्यायिक प्रक्रिया की प्राथमिक जानकारी देना रहा।कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि श्रीमती हिना परिहार, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश), बारां (राज.) द्वारा पौधारोपण कर की गई। इस प्रतीकात्मक पहल के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया गया।इसके बाद श्रीमती परिहार ने संवादात्मक शैली में त्नश्वरू बालिकाओं से संवाद करते हुए उन्हें न केवल उनके अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया, बल्कि पर्यावरणीय चेतना से भी जोड़ा। उन्होंने कहा, हर वर्ष किसी शुभ अवसर पर पौधारोपण करने की आदत डालें और मानसिक स्वास्थ्य के लिए मोबाइल के दुरुपयोग से बचें शिविर के दौरान त्नश्वरू बालिकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने विचारों व जिज्ञासाओं को खुले मन से साझा किया। श्रीमती परिहार ने उनके प्रश्नों के उत्तर देते हुए उन्हें आत्मविश्वासी, सजग और मेहनती बनने का संदेश दिया इस अवसर पर परियोजना प्रमुख श्री संजीव कुमार सक्सेना, ओ एंड एम प्रमुख विपिन कुमार देशमुख, मानव संसाधन प्रमुख दिलेर सिंह कुहाड़, प्रेरणा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती वंदना सक्सेना, उपाध्यक्षा श्रीमती संतोषी देशमुख, महिला मंडल की अन्य सदस्यगण तथा परियोजना के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सब्जी में धनिया-जीरा का कॉम्बिनेशन स्वाद ही नहीं बढ़ाता बल्कि सेहत को भी देता है ये खास फायदे

खाने में डाले जाने वाले मसाले सेहत के लिए जबरदस्त फायदेमंद होते हैं। सब्जी से लेकर किसी स्नैक्स का स्वाद बढ़ाना हो तो अक्सर धनिया के बीज और जीरा को कूटकर, पीसकर या फिर खड़ा ही तड़के के रूप में डाला जाता है। लेकिन ये धनिया और जीरा का कॉम्बिनेशन केवल स्वाद ही नहीं बढ़ाता बल्कि इसके फायदे भी कई सारे हैं।

इंफेक्शन से बचाता है –जब भी धनिया और जीरा का कॉम्बिनेशन मिलाकर खाने में डाला जाता है तो ये एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटी फंगल प्रॉपर्टीज होने की वजह से भी फायदा पहुंचाता है और किसी भी तरह के इंफेक्शन को होने से रोकता है।

एंटी इंफ्लेमेटरी डाइट–खाने में धनिया और जीरा को मिलाकर मसाले की तरह डालने से ये खाने को एंटी इंफ्लेमेटरी बना देता है। जिससे क्रॉनिक सूजन की वजह से होने वाली समस्या जैसे ब्लड शुगर बढ़ना और आर्थराइटिस से बचा जा सकता है।

ताजे मसालों के फायदे

खाने के टेस्ट को बढाने के लिए जब आप धनिया, जीरा के साबुत बीजों को पीसकर या कूटकर डालते हैं तो इससे ना केवल खाने का स्वाद बढ़ जाता है। बल्कि ये ताजे मसाले पैकेट वाले मसालों की तुलना में फायदेमंद भी ज्यादा होते हैं।

धनिया-जीरा शरीर को देगा ठंडक

गर्मियों का सीजन चल रहा है। ऐसे में बॉडी में ज्यादा हीट प्रोड्यूस होने लगती है। आयुर्वेद में धनिया की प्रकृति को ठंडा बताया गया है। धनिया और जीरा का कॉम्बिनेशन मिलाकर सब्जी या किसी दूसरी डिश में डाला जाता है। तो ये शरीर को अंदर से ठंडक देते हैं। जिससे बॉडी में हीट प्रोड्यूस होने का प्रोसेस कम होता है।

डाइजेशन में मदद

खाना खाने के बाद पेट में गैस, ब्लॉटिंग, अपच जैसी समस्या परेशान करती है। ऐसे में खाने में धनिया और जीरा का कॉम्बिनेशन मिलाकर डालने पर ये खाने को आसानी से पचाने में मदद करते हैं जिससे इनडाइजेशन, ब्लॉटिंग और गैस की समस्या में भी राहत मिलती है।

मेटाबॉलिज्म बढ़ाता है धनिया जीरा का कॉम्बिनेशन

मेटाबॉलिज्म कमजोर होने से वजन तेजी से बढ़ता है और साथ ही इम्यून सिस्टम भी कमजोर होता है। इसलिए खाने में धनिया-जीरा के कॉम्बिनेशन को जरूर डालना चाहिए। ये वेट लॉस को भी बढ़ाने में मदद करता है।

सेटाइटी लेवल बढ़ता है

धनिया और जीरा को मिलाकर अगर खाया जाए तो ये भूख को कम करने में मदद करता है। जब आप इन दोनों के कॉम्बिनेशन को मिलाकर खाने में डालते हैं तो ऐसा खाना सेटाइटी लेवल को बढ़ाता है। जिससे खाने पर संतुष्टि मिलती है और ओवर ईटिंग से बच सकते हैं। जो वेट लॉस के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है।

कोलेजन के बढ़ने पर नजर आते हैं ये संकेत, न करें अनदेखी

कोलेजन एक तरह का प्रोटीन होता है, जो बहुत ज्यादा मात्रा में हमारी बॉडी में पाया जाता है। हमारे शरीर में जितना प्रोटीन होता है, उसका करीब 30 फीसदी कोलेजन होता है। कोलेजन हमारी स्किन, मसल्स, हड्डियों आदि के प्राइमरी बिल्डिंग ब्लॉक्स होते हैं। अगर हमारे शरीर में पर्याप्त मात्रा में कोलेजन न हो, तो कई तरह की परेशानियां हो सकती हैं, जैसे जोड़ों में दर्द, नाखूनों का टूटना, बालों का कमजोर होकर झड़ना आदि। कोलेजन कई प्रकार के होते है। शरीर में कई तरह के कोलेजन होते हैं, जो शरीर के अलग-अलग हिस्सों में पाया जाता है। शरीर में कोलेजन की कमी न हो, इसके लिए एनिमल प्रोडक्ट्स अच्छे विकल्प होते हैं। लेकिन, क्या आप जानते हैं कि जिस तरह कोलेजन की मात्रा में कमी आ सकती है, उसी तरह कोलेजन की मात्रा बढ़ भी सकती है। कोलेजन की मात्रा बढ़ने से भी कई तरह शारीरिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जैसे जोड़ों में दर्द और इंटरनल ऑर्गन का प्रभावित होना।

स्किन प्रॉब्लम

पर्याप्त मात्रा में कोलेजन होने पर स्किन शाइनिंग और ग्लोइंग होती है। वहीं, अगर स्किन शरीर में कोलेजन का स्तर बढ़ जाता है, तो स्किन पर इसके नेगेटिव असर पड़ता है। जैसे कोलेजन बढ़ने के कारण स्किन ज्यादा डार्क हो जाती है और स्किन कॉम्प्लेक्शन भी लाइटर हो जाता है। इसके शुरुआती संकेतों की बात करें, तो कोलेजन बढ़ने पर त्वचा में सूजन आ जाती है और खुजली होने लगती है।

जोड़ों में दर्द

जब शरीर में कोलेजन की मात्रा बढ़ जाती है, तो इसकी वजह से जोड़ों में दर्द होने लगता है, अकड़न आ जाती है। यहां तक कि कोलेजन की मात्रा बढ़ने पर हड्डियों में अकड़न होने लगती है। ऐसा खासकर, उंगलियों, पैरों और हाथों में हो सकता है। कई बार मरीज अपनी कंडीशन को समझ नहीं पाता है और इसे अर्थराइटिस या अन्य हड्डियों से जुड़ी समस्याओं से जोड़ने लगता है।

इंटरनल ऑर्गन पर असर

कोलेजन की मात्रा बढ़ने से इंटरनल ऑर्ग पर बुरा असर पड़ सकता है। खासकर, जब कोलेजन बढ़ता है, तो व्यक्ति को निगलने में दिक्कत आती है, सीने में जलन हो सकती है, सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। यहां तक कि कोलेजन बढ़ने के कारण किडनी से संबंधित समस्या भी हो सकती है।

पाचन संबंधी परेशानी

जब कोलेजन प्रोडक्शन बढ़ जाता है, तो इस स्थिति में हार्ट बर्न, ब्लोटिंग जैसी दिक्कतें आती हैं। असल में, जब डाइजेस्टिव ट्रैक्ट और एसोफेगस में कोलेजन की मात्रा बढ़ती है, तब पाचन संबंधी समस्याएं ट्रिगर हो सकती हैं। हालांकि, ज्यादा पाचन समस्या को एक आम परेशानी मानकर इग्नोर कर देते हैं। जबकि ऐसा नहीं किया जाना चाहिए।

सांस लेने में तकलीफ

शायद आपको हैरानी हो कि कोलेजन एक्सेस में होने की वजह से व्यक्ति को सांस लेने में भी दिक्कत आ सकती है। सवाल है, ऐसा क्यों होता है? दरअसल, कोलेजन के ओवर प्रोडक्शन के कारण लंग में स्कार हो जाता है। इसकी वजह से खांसी, सांस लेने में तकलीफ हो सकती है। यहां तक कि अगर लंग अधिक प्रभावित हो जाए, तो सीने में जकड़न जैसा भी महसूस हो सकता है।

कोलेजन बढ़ने से क्या होता है?

कोलेजन बढ़ने से कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं। कोलेजन स्किन सेल्स को अट्रैक्ट करता है, जिससे स्किन ग्लोइंग होती है। वहीं, कोलेजन के ओवर प्रोडक्शन की वजह से घाव को भरने में समय लगता है। यहां तक कि अगर कोलेजन बढ़ जाए, तो इसका बुरा असर ओवर ऑल बॉडी और इंटरनल ऑर्गन पर पड़ सकता है।

मुझे कैसे पता चलेगा कि मैं बहुत ज्यादा कोलेजन ले रहा हूं?

कोलेजन बढ़ने पर ब्लोटिंग, दस्त, एलर्जी जैसी समस्या हो सकती है। यहा तक कि लिवर और किडनी से जुडी प्रॉब्लम भी हो सकती है।

चेहरे में कोलेजन उत्पादन कैसे बढ़ाएं?

कोलेजन बूस्ट करने के लिए डाइट में बादाम, काजू, अखरोट जैसी चीजें शामिल करें। सभी नट्स में प्रोटीन, विटामिन और ओमेगा-3 फैटी एसिड जैसी हेल्दी चीजें होती हैं। इससे कोलेजन प्रोडक्शन बढ़ सकता है।

मॉँसाहारी मांगुर मछली के प्रति लोगों को जागरूक होने की आवश्यकता : डॉ लियाक़त अली मंसूरी

मछली में प्रोटीन और अन्य विटामिन्स होने के कारण स्वास्थ्य और विकास के लिए अच्छी मानी जाती है , साथ ही मछलियों को दवाओं के रूप में भी कई तरह से उपयोग में लाया जाता हैं। लेकिन कुछ मछलियाँ पुरुषों, वृद्धों, बच्चों, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को फ़ायदे की जगह नुक़सान पहुँचाती हैं । ऐसी मछलियों को प्रतिबंधित किया गया है फिर भी ये मछलियाँ बाज़ार में खूब बिकती हैं और लोगों द्वारा खाई जाती हैं जैसे कि थाई मांगुर (क्लेरियस गेरीपॉइंस) , देशी मांगुर , बिग हेड, धाक विदेशी नस्ल और सिंघी मछलियाँ प्रमुख हैं । इनके अलावा कुछ और मछलियाँ जैसे शार्क,स्वोर्डफिश, किंग मैकेरल और टाइलफिश / गोल्डन या व्हाइट स्नैपर को भी खाने से बचना चाहिए क्योंकि ये सभी माँसाहारी हैं ।

मछली पालकों को क्या लाभ–

यह मछली प्रदूषक चीजें जैसे मृत जीवों, अन्य जीवित जीवों और जलीय वनस्पति को खाकर बहुत तेज़ी से अपना वजन तीन गुना बढ़ाने से , कम समय और कम लागत में तिगुना मुनाफ़ा होता हैं । मांगुर मछली एकलमुखी प्रजाति की मछली है । पालक इन्हें जल्दी बढ़ाने के लिए सड़ा मांस खिलाते है । यह मछली जहाँ भी पनपती हैं उस स्थान की अन्य प्रजाती की मछलियों और अन्य जीवों को नष्ट कर देती हैं । इनके पालन से खुले जलस्रोतों में जाने की पूर्ण आशंका है जिससे स्थानीय मत्स्य प्रजातियों पर प्रतिकूल असर होने की प्रबल संभावना रहती हैं । यह दूषित पानी में तेज़ी से बढ़ती हैं क्योंकि यह हिंसक, माँसाहारी सर्वाहारी होती हैं जो जलीय वनस्पति , जीवित व मृत जीव जन्तुओं को और इन्सानों का भी माँस खा जाती हैं । चार महीने में इसकी लम्बाई लगभग तीन से चार फिट तक और वज़न लगभग चार किलोग्राम तक हो जाता हैं जो सामान्य से ज़्यादा माँस का लोथड़ा जैसा है । ये मछलियाँ हवा में आकर कृत्रिम साँस लेती हैं इस कारण ये समय आने पर सूखी जमीन में भी रेंग सकती हैं और गीली मिट्टी में कई दिनों तक जीवित भी रह सकती हैं।

घातक बीमारियों का ख़तरा–

1. इसकी न्यूरोटॉक्सिसिटी विकासशील जीवों एवं मनुष्यों के लिए सबसे अधिक हानिकारक है इससे कोमा, पक्षाघात या दृष्टि, श्रवण या भाषण की हानि हो सकती हैं ।
2. इन मछलियों में पारा ज़्यादा होने के कारण गर्भवती महिलाओं के लिए खतरनाक है।
3. ये प्रदूषित वातावरण में पलती हैं इसलिये इनमें प्रदूषक का स्तर ज़्यादा होने के कारण इससे कैंसर, त्वचा की बीमारियाँ, शुगर और लिवर की बीमारियाँ होने का ख़तरा सबसे ज़्यादा रहता है ।
4. यह पर्यावरण की दुश्मन और इंसानों के लिए यमराज़ से कम नहीं हैं क्योंकि यह पर्यावरण और इंसान के बीच के समन्वय के संतुलन को बिगाड़ती है ।
5. इस समूह की मछली खाने वाले लोगों के बालों के नमूनों में पारे के उच्च स्तर पाए गए हैं, जो इस तत्व के संचरण की पुष्टि करता है इसी कारण बालों का झड़ना और पतला होने की पुष्टि होती हैं ।
6. इन मछलियों में अस्सी फीसदी लेड एवं आयरन के तत्व पाये जाते हैं ।
7. महामारी प्रकोप के समय जलीय कृषि कार्यों एवं अन्य स्थानीय मछली किस्मों के लिए हानिकारक प्रभाव पड़ सकता हैं ।8. मांगुर मछली में जूँ या अर्गुलोसिस जैसे रोग पैदा करने वाले परजीवी पाए जाते हैं ।
9. शरीर में आवश्यकता से अधिक पारा या लेड होने से थकान, अवसाद, अनिद्रा और स्मृति हानि होती हैं ।

प्रतिबन्धित–भारत सरकार ने दिनांक 19.12.1997 के परिपत्र के तहत एवं वर्ष 2000 से राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा इन मछलियों पर पूर्णतया प्रतिबंध लगा दिया गया था । इन मछलियों का पालन, मत्स्य बीज उत्पादन, संवर्धन, आयात, निर्यात, विक्रय परिवहन तथा विपणन पूर्णत: प्रतिबंधित किया गया है और दण्डनीय अपराध माना गया हैं ।

डॉ लियाक़त अली मंसूरी
(यूनानी चिकित्सक एवं हिजामा थैरेपी स्पेशियलिस्ट)
सवाई मानसिंह अस्पताल, जयपुर (राज.)

भुनी हुई अजवाइन के साथ शहद खाने से सेहत को मिलते हैं कई लाभ

ज्यादातर भारतीय घरों में अजवाइन और शहद मौजूद होते हैं। इन दोनों में ही भरपूर मात्रा में औषधीय गुण पाए जाते हैं। इनसे स्वास्थ्य की कई समस्याओं से राहत देने में मदद मिलती है। लेकिन अजवाइन को भूनकर शहद के साथ खाने से क्या फायदे होते हैं?

अजवाइन और शहद में मौजूद गुण : अजवाइन में भरपूर मात्रा में फाइबर, आयरन, पोटैशियम, कैल्शियम, विटामिन्स होते हैं, साथ ही, इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी, एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-ऑक्सीडेंट्स के गुण पाए जाते हैं। वहीं, शहद में अच्छी मात्रा में विटामिन्स और मिनरल्स जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, साथ ही, इसमें एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-ऑक्सीडेंट्स, एंटी-सेप्टिक, एंटी-इंफ्लेमेटरी और मॉइस्चराइजिंग के गुण पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।

वजन कम करने में सहायक : अजवाइन में अच्छी मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स और एंटी-इंफ्लेमेटरी के गुण पाए जाते हैं। ऐसे में अजवाइन और शहद को साथ खाने से मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने, पेट की चर्बी को कम करने और वजन कम करने में मदद मिलती है।

इम्यूनिटी बूस्ट करे : अजवाइन और शहद दोनों में भरपूर मात्रा में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-ऑक्सीडेंट्स के गुण पाए जाते हैं। इन दोनों को साथ खाने से शरीर की इम्यूनिटी को बूस्ट करने, सर्दी-जुकाम से बचाव करने और अन्य बीमारियों से बचाव करने में मदद मिलती है। साथ ही, स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

नवजात शिशु की आंख से पानी आने पर क्या करें और क्या नहीं

नवजात शिशुओं की देखभाल करना बहुत ही मुश्किल काम होता है। जन्म के तुरंत बाद जब बच्चा मां के पेट से बाहर आता है और दुनिया के वातावरण से संपर्क बनाता है, तो उसे कई प्रकार की समस्याएं होती हैं। इन्हीं समस्याओं में से एक है नवजात शिशुओं की आंखों से पानी आना। अधिकांश पेरेंट्स नवजात शिशु की आंखों से पानी आने पर पेरेंट्स परेशान हो जाते हैं और समझ नहीं पाते हैं कि उन्हें इस स्थिति में क्या करना चाहिए।

नवजात शिशु की आंख से पानी आने का कारण

जन्म के बाद शुरुआती महीनों में शिशु की एक या दो आंखों से आंसू आना एक सामान्य स्थिति है। ये मुख्य रूप से अवरुद्ध नासोलैक्रिमल डक्ट (आंसू की नली) के कारण होता है, जो एक सामान्य स्थिति है जो आमतौर पर अपने आप ठीक हो जाती है। लेकिन आंख से पानी आने के साथ-साथ लालिमा, सूजन या पीले रंग का मवाद भी आ रहा हो, तो यह संक्रमण हो सकता है। इस स्थिति में शिशु को डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है।

लैक्रिमल सैक मसाज

अपनी साफ तर्जनी उंगली का उपयोग करके अपने बच्चे की आंख के अंदरूनी कोने के पास धीरे से दबाएं और नाक के किनारे नीचे की ओर स्ट्रोक करें। इस प्रक्रिया को दिन में 4 से 4 बार दोहराएं। लैक्रिमल सैक मसाज अवरुद्ध नली को खोलने में मदद करता है। इससे आंख से पानी आने की समस्या काफी हद तक कम हो सकती है।

आंखों की सफाई

शिशु की आंखों से आने वाला पानी चिपचिपा महसूस हो रहा है, तो गुनगुने उबले पानी में डूबा हुआ मुलायम सूती कपड़ा लेकर साफ करें। हमेशा अंदरूनी कोने से बाहर की ओर पोंछें और हर बार इस्तेमाल के बाद कपड़ा फेंक दें।

स्तन दूध की एक बूंद

नवजात शिशु की आंखों की देखभाल के लिए मां के स्तनों के दूध का इस्तेमाल सदियों से किया जा रहा है। मां के दूध में प्राकृतिक एंटीबॉडी और सूजन-रोधी गुण होते हैं। शिशु की आंख में एक बूंद मां के दूध की डालने से संक्रमण से बचाव होता है।

सफाई का करें ध्यान

कई बार शिशु की आंखों से पानी आने की समस्या गंदगी के कारण भी होती है। इस स्थिति में तौलिया, रुमाल या कॉटन बॉल से बच्चों की आंख, चेहरे और मुंह को अच्छे से नियमित तौर पर साफ करें। एक बार इस्तेमाल करने के बाद उसे फेंक दें।

क्या न करें जब नवजात की आंख से पानी आए

- **शिशु की आंखों को बार-बार छूने से बचें। ज्यादा छूने से संक्रमण का खतरा बढ़ता है और लालिमा व सूजन की समस्या हो सकती है।**
- **आंख की समस्याएं बहुत नाजुक होती हैं, किसी भी धार्मिक या पारंपरिक झाड़-फूंक से बचना चाहिए। शिशु को आंखों की समस्या होने पर सीधे डॉक्टर से मिलें।**
- **बिना डॉक्टरी सलाह के नवजात की आंखों में ड्रॉप और दवा बिल्कुल न डालें। कई ड्रॉप्स नवजात के लिए सुरक्षित नहीं होते हैं। इनका इस्तेमाल करने से इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है।**
- **नवजात की त्वचा और आंख बहुत संवेदनशील होती हैं, इसलिए गर्म पट्टी या भाप का इस्तेमाल बिल्कुल न करें।**

कमल हासन की ठग लाइफ से फैंस हुए निराश

लोग बोले- स्क्रिप्ट कमजोर, सेकंड हाफ बोरिंग और लंबे मोनोलॉग ने पका दिया

कमल हासन और मणिरत्नम की फिल्म ठग लाइफ आखिरकार सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। इस फिल्म को लेकर फैंस में काफी उत्साह था क्योंकि ये दोनों दिग्गज 36 साल बाद एक साथ लौटे हैं। मणिरत्नम की पिछली हिट 'नायकन' के बाद यह उनकी साथ की नई फिल्म है।

फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर रिव्यूज आने शुरू हो गए हैं। प्लेटफॉर्म ङ्क (पहले ट्विटर) पर कई यूजर्स ने अपनी राय दी है। हालांकि, एक्स पर अधिकांश रिव्यू पढ़ने के बाद यह कहा जा सकता है कि लोगों को फिल्म पसंद नहीं आई।

यूजर्स ने फिल्म की स्क्रिप्ट कमजोर बताया

एक यूजर ने लिखा, यूके प्रीमियर देखे हुए एक घंटा हो गया है। फिल्म की स्क्रिप्ट बहुत कमजोर है, किरदारों में गहराई नहीं है, किसी भी मुख्य कैरेक्टर से भावनात्मक जुड़ाव महसूस नहीं हुआ, म्यूजिक भी औसत था। इससे अच्छा तो घर पर सो जाता।

एक और यूजर ने कहा, स्क्रीनप्ले अधूरा और उलझा हुआ लगता है। 'नायकन' जैसी फिल्म एक ही बार बनती है। कमल हासन और मणिरत्नम दोनों की ओर से यह बहुत ही औसत काम है। त्रिशा का किरदार क्या था, समझ ही नहीं आया। सबसे खराब!

फिल्म को इमोशन-लेस बताते हुए एक यूजर ने लिखा, ये फिल्म एक इमोशन-लेस, पुरानी स्टाइल की गैंगस्टर ड्रामा है, जिसे कमजोर म्यूजिक और भी बदतर बना देता है। वहीं, एक फैन ने लिखा- ना कोई इमोशन है, ना रिवेंज और धोखे की कहानी को सही से लिखा गया है। सिर्फ म्यूजिक और दो एक्शन सीन ही अच्छे लगे। एक और यूजर ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा, बहुत बड़ी निराशा! पूरी फिल्म बैठकर देखना भी मुश्किल था। कुछ कमियां बताते हुए कमल हासन की परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए एक यूजर ने कहा, ठग लाइफ में दम था, लेकिन फिल्म खिंचती चली गई। कमल हासन की परफॉर्मेंस जबरदस्त है, लेकिन उनके लगातार मोनोलॉग्स थका देते हैं। सिम्बु ने अच्छा काम किया है, लेकिन दूसरी हाफ इतनी स्लो और बोरिंग है कि वो भी बचा नहीं सके। मणिरत्नम की खास बात? कहीं नजर नहीं आई। एक और यूजर ने ट्वीट किया, ठग लाइफ का दूसरी हाफ बहुत खराब है। हैरानी की बात है कि मणिरत्नम की फिल्म में इतना ज्यादा बोलना! सिलंबरासन और ड्रामा तो प्री-क्लाइमैक्स तक कहीं नहीं है। दूसरी हाफ में बस क्लाइमैक्स ही थोड़ा अच्छा है। दुख होता है जब आपका फेवरेट डायरेक्टर इतनी औसत फिल्म बनाए

कुछ यूजर्स ने कमल हासन और सिलंबरासन की एक्टिंग की तारीफ की

वहीं, एक फैन ने तारीफ करते हुए लिखा, पूरी फिल्म में च॥ (कमल हासन) की ऐक्टिंग ने दिल जीत लिया और स्त्रक्र (सिलंबरासन) ने भी शानदार परफॉर्मेंस दी। उस छोटे बच्चे के एक्सप्रेशन बहुत प्यारे थे। पूरा कास्ट अच्छा था! ए.आर. रहमान का म्यूजिक स्ट्रॉन्ग पॉइंट है, लेकिन कुछ हिस्सों में थोड़ा मिसफिट लगा, दूसरी हाफ की स्क्रिप्ट कमजोर है। बता दें कि फिल्म में सिलंबरासन, त्रिशा, अली फजल, ऐश्वर्या लक्ष्मी जैसे कई अहम कलाकार भी हैं। म्यूज़िक ए.आर. रहमान ने दिया है, लेकिन कुछ लोगों को म्यूजिक भी कुछ हिस्सों में अधूरा-सा लगा।

पापा ने कहा असफल हुए तो दुकान संभालना : विपुल

अमिताभ बच्चन को विलेन बनाने वाले विपुल शाह ने कटरीना-अक्षय की फ्लॉप जोड़ी बनाई हिट

विपुल अमृतलाल शाह ये नाम आज किसी पहचान का मोहताज नहीं है। इनका सफर थिएटर के बैकस्टेज से शुरू होता है तो 70 एमएम के पर्दे पर बॉलीवुड सुपरस्टार्स की चमक बिखेरने तक जाता है। बॉलीवुड के टॉप डायरेक्टर-प्रोड्यूसर रहे विपुल वो शख्स हैं, जिन्होंने देश को डेली सोप का कॉन्सेप्ट दिया। फैमिली ओरिएंटेड और आउट ऑफ द बॉक्स फिल्में बनाना इनकी पहचान है। इनकी कहानी और डायरेक्शन में वो ताकत थी, जिसने बॉलीवुड के महानायक को पर्दे पर विलेन बनने के लिए तैयार कर दिया।

बचपन से ही क्रिएटिव फील्ड में जाना चाहता था

मैं पार्ले ईस्ट की एक मिडिल क्लास फैमिली में पैदा हुआ था। पार्ले ईस्ट खुली जगह थी, जिसमें हम बच्चे दिनभर घूमते-खेलते थे। ये जो आज की दुनिया है, हमारी दुनिया उससे बहुत अलग और बेहतर थी। कोई प्रेशर नहीं था। इस वजह से पर्सनैलिटी अपने आप खिलती गई। मैं जो बनना चाहता था वो अपने आप ही अंदर से निकलता गया। मुझे बचपन से ही क्रिएटिव फील्ड से जुड़ने का शौक था। स्कूल में नाटकों का हिस्सा रहा, फिर मैंने कॉलेज भी इसी आधार पर चुना था। मैंने जुहू के एनएम कॉलेज से पढ़ाई की है। ये कॉलेज इंटर कॉम्पिटिशन प्ले (नाटकों) के लिए बहुत बेहतरीन कॉलेज माना जाता था। यहां जो हमारे डायरेक्टर महेंद्र जोशी थे वो ही हमें पृथ्वी थिएटर ले गए। यहां मैंने बैकस्टेज से शुरुआत की। धीरे-धीरे स्टेज पर आकर छोटे-मोटे रोल किए। इन सबके बीच एहसास हुआ कि मुझे एक्टिंग से ज्यादा मजा डायरेक्शन में आ रहा है। मैंने खुद का प्ले बनाना शुरू किया, जो बहुत पॉपुलर हुए। इसके बाद मैंने टीवी में काम किया। यहां भी मैंने सफलता का स्वाद चखा।

थिएटर में कभी-कभी 10 रुपए मिल जाते थे

मेरी फैमिली ने मुझे हर फैसले में हमेशा सपोर्ट किया था। पार्ले ईस्ट में पार्ले डिपो करके हमारा एक बुक स्टोर था, जो आज भी है। बिजनेस फैमिली का माहौल थोड़ा अलग ही होता है। मैं कोई पैसे वाली फैमिली से नहीं था, लेकिन सब ठीकठाक चल रहा था। मैं थिएटर करता था तो कोई आमदनी नहीं होती। पृथ्वी थिएटर में शो का कलेक्शन अच्छा रहा तो कभी 10 रुपए मिल जाते थे। ऐसे में पिताजी हमेशा पूछते थे कि जिंदगी कैसे चलाओगे? मेरे पास कभी इस सवाल का जवाब नहीं रहा क्योंकि मुझे खुद नहीं पता था। एक दिन पिताजी ने सामने बिठाकर यही सवाल दोबारा पूछ लिया। मैंने उस वक्त उनसे कहा कि आप कुछ मत दीजिए। मैं कोई ना कोई रास्ता निकाल लूंगा, लेकिन मुझे यही करना है। पिताजी ने कहा ठीक है, जब तुम्हें यही करना है तो एक उम्र तय करो। अगर उस उम्र तक तुम्हारा डायरेक्शन फील्ड में कुछ नहीं हुआ, तो फिर तुम सेल्समैन बनकर अपनी किताब की दुकान से जुड़ जाओगे। मेरी कोशिश धीरे-धीरे रंग लाई, मैं सफल होने लगा।

थिएटर के दौरान बंजारे वाली लाइफ थी

मेरे थिएटर वाले दिन बहुत मजेदार थे। थिएटर के दिनों में टीम के साथ लंबे-लंबे दौरों पर जाता था। हम सब बस में लकड़ी के पटरे पर बैठकर रात भर ट्रैवल करते। सफर की पूरी रात पत्ते खेलकर निकल जाती। अगले दिन डेस्टिनेशन पर पहुंचकर दिन भर सोते, फिर सेटअप लगाते और शो करते थे। शो खत्म होने के बाद फिर सारा सामान बस पर लोड करना होता था। फिर उसी बस में पत्ते खेलते हुए वापसी होती थी। उस दौर में थिएटर का काम एकदम बंजारों जैसा था। अगर मैं स्ट्रगल के तौर पर देखूं तो वो दिन मुश्किल भरे थे। एक तो पैसे नहीं मिल रहे थे और रहने का तरीका मुश्किल था, लेकिन मैंने मुश्किल दिनों को मजेदार दिन के तौर पर याद बनाकर रखा है। रात भर दोस्तों के साथ पत्ते खेलना, हंसी-मजाक करना, साथ में शो करना, ऑडियंस की वाहवाही लूटना इससे मजेदार जिंदगी क्या होगी। पैसे नहीं होते थे, लेकिन जिंदगी बहुत शानदार थी।

पहली हिंदी फिल्म में अमिताभ बच्चन को विलेन बनाया

मैं और आतिश गुजराती प्ले 'आंदलो पाटो' करते वक्त अक्सर मजाक करते थे कि पहली हिंदी फिल्म इसी पर बनाएंगे और अमिताभ बच्चन को निगेटिव रोल में दिखाएंगे। शायद ऊपर वाले ने हमारी बात सुन ली थी। जब मैंने आंखें बनाने का फैसला किया, तब मैं बच्चन साहब से मिलने उनके शूट पर चला गया। सेट पर पहुंचकर मैं अपना परिचय कैसे दूंगा, इसकी तैयारी कर रहा था, तभी अमित जी ने मुझे देखा और कहा कि अरे विपुल तुम यहां क्या कर रहे? उन्हें मेरा नाम याद था। मैं एकदम चौंक गया, मुझे उम्मीद नहीं थी कि आठ महीने बाद भी उन्हें मेरा नाम याद होगा और वो मुझे पहचान लेंगे। मैंने उन्हें बताया कि हिंदी फिल्म बनाने की कोशिश कर रहा हूं। उसी सिलसिले में आपसे मिलने आया हूं। उन्होंने मुझसे पूछा कहानी सुनाने में कितना समय लगेगा? मैंने उनसे कहा कि मैं आपको 15-45 मिनट और साढ़े तीन घंटे के तीन टाइम स्लॉट के हिसाब से कहानी सुना सकता हूं। उन्होंने कहा 15 मिनट में मुझे कहानी बताओ।

35 एमएम सिनेमास्कोप वाली पहली गुजराती फिल्म बनाई

जैसे मुझे डेली सोप का कोई आइडिया नहीं था, वैसे ही मुझे फिल्म बनाने का कोई तजुर्बा नहीं था। मेरी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म दरिया छोरू भी जबरदस्त हिट रही। डॉल्बी साउंड के साथ वो गुजरात की पहली 35 एमएम सिनेमास्कोप फिल्म थी। इस फिल्म को बहुत इज्जत और अवॉर्ड मिले। गुजरात सरकार की तरफ से 9 अवॉर्ड मिले थे, जिनमें बेस्ट फिल्म, बेस्ट निर्देशक के अलावा लीड कैरेक्टर्स को मिले अवॉर्ड भी शामिल थे। इस फिल्म में मेन लीड जमनादास मजीठिया और शेफाली शाह थीं। इस फिल्म को देखने के लिए अमिताभ बच्चन आए थे। फिल्म गुजराती में थी इसलिए पहले वो सिर्फ इंटरवल तक देखने वाले थे, लेकिन उन्हें दरिया छोरू इतनी पसंद आई कि उन्होंने पूरी देखी।

अरबाज खान ने शूरा खान के साथ दिया पोज : प्रेग्नेंसी के सवाल पर शरमाया कपल, धन्यवाद कहने के बाद एक्टर बोले- कभी-कभी समझा करो

बॉलीवुड एक्टर अरबाज खान और उनकी पत्नी शूरा खान का एक वीडियो वायरल हो रहा है। हाल ही में दोनों एक इवेंट के दौरान कैमरे के सामने नजर आए। इस दौरान पैपराजी ने जब शूरा की कथित प्रेग्नेंसी को लेकर कपल को बधाई दी, जिसे सुनकर दोनों मुस्कराने लगे और थोड़ा शर्माए भी। गौर करने वाली बात यह रही कि जब फोटोग्राफर्स ने उन्हें बधाई दी, तो अरबाज ने धन्यवाद कहा। अरबाज या शूरा ने प्रेग्नेंसी की न तो पुष्टि की है और न ही इनकार किया है, लेकिन इस वीडियो ने अटकलों को और हवा दे दी है। संकेत मिल रहा है कि शायद कोई खुशखबरी रास्ते में है। जैसे ही अरबाज और शूरा कार की तरफ बढ़ने लगे, तभी एक फोटोग्राफर की आवाज आई - जाने दो। इस पर अरबाज मुस्कराते हुए बोले - आप लोग भी जाने दो। इसके बाद उन्होंने हंसते हुए कहा - कभी-कभी समझा करो।

वहीं, वीडियो में अरबाज और शूरा के बीच की बॉन्डिंग और शर्माते हुए एक्सप्रेशन्स ने फैंस की उत्सुकता और बढ़ा दी है। सोशल मीडिया पर लोग लगातार कमेंट्स कर रहे हैं और कयास लगाए जा रहे हैं कि क्या वाकई ये कपल पैरेंट बनने वाला है? इस वीडियो को लेकर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, वो (शूरा) कितनी शरमाई हुई लग रही है। प्रेग्नेंसी ने उसे और भी खूबसूरत और दमकता हुआ बना दिया है कुछ दिनों पहले शूरा को एक हॉस्पिटल में देखा गया था, जिसके बाद से ही ये अटकलें और

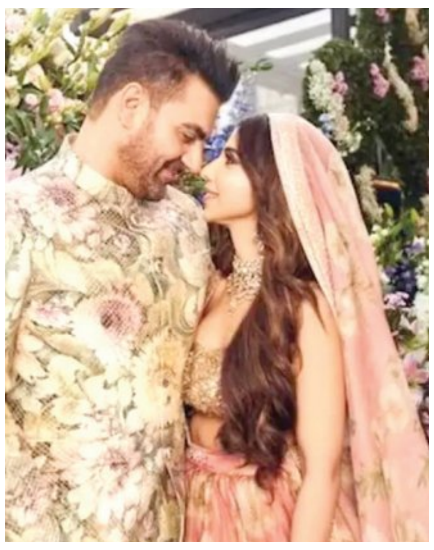

तेज हो गई थीं। बता दें कि अरबाज और शूरा ने दिसंबर 2023 में एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी की थी। तब से दोनों बहुत कम ही पब्लिक में नजर आए हैं। गौरतलब है कि अरबाज की ये दूसरी शादी है। उनकी पहली शादी मलाइका अरोड़ा के साथ हुई थी। दोनों का एक बेटा है, अरहान, जिसकी उम्र 22 साल है।

अब सिनेमा बहुत रियलिस्टिक हो गया है, दर्शकों को वही कनेक्ट करता है : कुलदीप सरीन

छोटे पर्दे से लेकर सिनेमा तक में काम कर चुके एक्टर कुलदीप सरीन ने थिएटर से लेकर मुंबई तक का सफर किया।

आपने कई फिल्मों और टीवी शोज में काम किया है। आपकी एक्टिंग बहुत नैचुरल है। ये हुनर आप में कहां से आया?

कुलदीप सरीन बोले- पहले सिनेमा में थोड़ा मैलोड्रामा लाउड किया जाता था। लेकिन अब सिनेमा बहुत रियलिस्टिक सिनेमा हो गया है, दर्शकों को वो बहुत ज्यादा कनेक्ट करता है। जो हम समाज में देखते हैं, वैसी ही बातचीत दिखाई जाती है। तो दर्शक, डायरेक्ट और एक्टर सभी को लगता है कि कोई बात साधारण तरीके से कही जा सकती है, तो उसके लिए ज्यादा रिएक्शन देने की क्या जरूरत है। जैसे मैं तेरा खून पी जाऊंगा डायलॉग है, तो जरूरी नहीं उसमें पूरी तरह से आंखें दिखा कर ही कुछ कहा जाए, वो साधारण तरीके से भी हो सकता है। तो आजकल सहज अभिनय पसंद किया जा रहा है, इसलिए मैं भी वो ही करता हूं।

आपने थिएटर में लंबा वक्त बिताया है, तो उस चीज का आपको क्या फायदा मिला है?

जब हम कोई भी किरदार करते हैं, जैसे मैंने 17-18 साल दिल्ली में रहकर थिएटर किया। तो इतने ज्यादा नाटकों में तरह-तरह के रोल किए। जब आप उन किरदारों को याद करते हैं और सिनेमा या वेब शो में काम कर रहे हों तो वहां आपको नाटकों में किए वो किरदार याद आते हैं। वो चीज सिनेमा में काम करने के लिए थोड़ी सी आसान हो जाती है। थिएटर में एक रोल को बनाने का प्रोसेस होता है, वो चीज सिनेमा में बहुत काम आती है।

दिल्ली में आपने थिएटर में जो वक्त बिताया, उससे पहले आप क्या कुछ कर रहे थे?

मैं ग्वालियर से हूं और मेरी मातृभाषा पंजाबी है। ग्वालियर में मैं स्कूल में रहा, उस दौरान मैंने वहां नाटक किया। सिनेमा के प्रति बचपन से थोड़ा लगाव था। मैं सोचता था कि क्या मैं एक्टिंग में जा भी पाऊंगा। आठवीं क्लास में मैंने नाटक किया, 11वीं क्लास में नाटक किया, वो सब करके बाद दिल्ली चले आए।

दीपिका की 8 घंटे शिफ्ट डिमांड पर बहस जारी

मणिरत्नम-सैफ का समर्थन, राधिका आप्टे बोलीं- मां बनने के बाद लंबी शूटिंग मुमकिन नहीं

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण इन दिनों फिल्म स्पिरिट से बाहर निकलने को लेकर चर्चा में हैं। खबरों के मुताबिक, दीपिका ने फिल्म के सेट पर रोजाना केवल आठ घंटे काम करने सहित कुछ शर्तें रखीं थीं, जिन्हें निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने मानने से इनकार कर दिया। इसके बाद दीपिका ने फिल्म छोड़ दी। इस फैसले के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। कोई दीपिका की तारीफ कर रहा है, तो कोई इसे 'अनरियलिस्टिक' बता रहा है।

करियर में ज्यादातर 16-18 घंटे तक काम किया है : राधिका आप्टे

हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान जब एक्ट्रेस राधिका आप्टे से पूछा गया कि क्या फिल्म इंडस्ट्री में नई माओं को प्रेरणा और समर्थन मिल रहा है? तो हाल ही में मां बनी राधिका ने कहा, मैंने समझ लिया है कि भारत में जिस तरह से काम होता है, वह अब मेरे लिए संभव नहीं है क्योंकि यहां एक सामान्य शिफ्ट ही कम से कम 12 घंटे की होती है। इसमें मेकअप का समय शामिल नहीं होता। हेयर और मेकअप मिलाकर यह 13 घंटे हो जाता है, ऊपर से ट्रैवल का समय भी जोड़ लीजिए और कोई शूटिंग समय पर खत्म नहीं होती। राधिका आप्टे ने आगे कहा,अगर शूटिंग समय पर खत्म न हो, तो यह 15 घंटे से भी ज्यादा हो जाता है। मैंने अपने करियर में ज्यादातर 16-18 घंटे तक काम किया है, लेकिन अब यह मेरे लिए मुमकिन नहीं है। मैं ऐसा नहीं कर सकती, क्योंकि अगर मैंने ऐसा किया, तो मैं कभी अपनी बेटी को देख ही नहीं पाऊंगी।

कॉन्ट्रैक्ट्स में कुछ नई शर्तें जोड़नी पड़ सकती हैं : राधिका आप्टे

राधिका आप्टे ने कहा कि उन्हें अपने कॉन्ट्रैक्ट्स में कुछ शर्तें जोड़नी पड़ सकती हैं। राधिका ने कहा, अब मुझे अपने कॉन्ट्रैक्ट्स में नई शर्तें रखनी होंगी और मुझे पता है कि बहुत से लोगों को इससे दिक्कत होगी। फिल्म सेट्स पर बहुत सारी महिलाएं होती हैं। हम जेंडर इक्वालिटी की बातें करते हैं, और कई डिपार्टमेंट्स में महिलाएं काम कर रही हैं, लेकिन मैं जानना चाहती हूं कि उनमें से कितनी महिलाओं के बच्चे हैं क्योंकि हमारी संस्कृति में यह मान लिया गया है कि अगर पुरुष अपने बच्चों को न देखें तो कोई बात नहीं, लेकिन माओं के लिए ऐसा करना मुमकिन नहीं होता। इसलिए जिन महिलाओं के छोटे बच्चे होते हैं, उनके लिए इस इंडस्ट्री में काम कर पाना मुश्किल है, जब तक कि वे अपने बच्चों को सेट पर साथ न लाएं।

मणिरत्नम ने किया दीपिका का समर्थन

मशहूर निर्देशक मणिरत्नम ने हाल ही में अपनी फिल्म ठग लाइफ की रिलीज से पहले इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है यह एक सही मांग है। मुझे खुशी है कि वह (दीपिका) ऐसी स्थिति में है कि वो ये मांग कर सकती है। मुझे लगता है कि एक फिल्ममेकर के तौर पर जब आप कास्ट करते हैं, तो आपको इसे ध्यान में रखना चाहिए। यह कोई बेवजह की बात नहीं है, बल्कि एक जरूरी चीज है। इसे प्राथमिकता मिलनी चाहिए। आपको इसे स्वीकार करना होगा।

छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता और टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता।
-हर्षित विजयवर्गीय, बढ़ता राजस्थान

'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान

हमारी संस्कृति में पर्यावरण संरक्षण का विशेष महत्व, राज्य सरकार जल की उपलब्धता और संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध : सीएम

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान में सबसे अधिक आवश्यकता पानी की है। इसलिए हमारी सरकार ने ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, माही बांध एवं देवास जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान में कर्म भूमि से मातृ भूमि अभियान के जरिये जल संरक्षण का काम किया जा रहा है। वहीं, हमारी सरकार ने पिछले डेढ़ वर्ष में प्रदेश में जल उपलब्धता और जल संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक कार्य किए हैं। श्री शर्मा गुरूवार को विश्व पर्यावरण दिवस व गंगा दशहरा के अवसर पर बूंदी के केशोरायपाटन में 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान के तहत आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत आमजन की सहभागिता से तालाब, पोखर, सरोवर व बांध में जल संचय का कार्य प्रारंभ किया गया है। इससे भूजल स्तर में वृद्धि के साथ ही आमजन को पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

मुख्यमंत्री ने चर्मण्यवती नदी की पूजा कर चुनरी अर्पित की

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित राजस्थान के लिए पानी की महत्ती आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में पर्यावरण संरक्षण का विशेष महत्व है। हमारे यहां वृक्ष, पहाड़ और नदियों की पूजा की जाती है। उन्होंने 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान के अंतर्गत केशव घाट पर विधिवत रूप से मंत्रोच्चार के साथ चम्बल मां (चर्मण्यवती नदी) की पूजा की। उन्होंने चुनरी महोत्सव में भी शिरकत की। मुख्यमंत्री द्वारा अर्पित की गई चुनरी को नाव और बोट्स के माध्यम से चम्बल नदी पर केशव घाट से रंगपुर घाट तक ले जाया गया। इससे पहले श्री शर्मा ने श्री केशवराय मंदिर में विधिवत पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस दौरान मंदिर के पुजारियों ने उन्हें 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान की पहल के लिए अभिनन्दन पत्र दिया।

गांव और शहर तक पहुंचे जल संरक्षण का संदेश

श्री शर्मा ने कहा कि 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान के तहत जल संचय संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा, जल स्रोतों की साफ-सफाई के कार्य किए जाएंगे और परंपरागत जलाशयों के स्वरूप को पुन: बहाल किया जाएगा। यह अभियान आगामी 20 जून तक पूरे प्रदेश में चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश है कि हर गांव, हर शहर और हर व्यक्ति तक जल संरक्षण का संदेश पहुंचे और राजस्थान पूरे देश में जल संरक्षण के प्रयासों की एक मिसाल बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामजल सेतु लिंक परियोजना के माध्यम से 17 जिलों की जल आवश्यकता पूरी होगी साथ ही, 4 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में सिंचाई भी हो सकेगी। उन्होंने कहा कि रामगढ़ (कूल नदी), महलपुर (पार्वती नदी) व नवनेरा (कालीसिंध नदी) बैराज का पानी बीसलपुर और इसरदा बांधों में लाया जा सकेगा। वहीं, शेखावाटी क्षेत्र को भी यमुना का जल मिलेगा।

प्रधानमंत्री का विजन - कैच द रेन और कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान-

श्री शर्मा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान प्रारंभ किया। हमारी सरकार ने भी पिछले वर्ष 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए। वहीं, प्रदेश में इस वर्ष 10 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन से प्रदेश में कैच द रेन और कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान चलाया जा रहा है। वहीं, उनके द्वारा प्रारंभ किए गए स्वच्छ भारत अभियान में भी जन-जन ने अपनी भागीदारी सुनिश्चित की है।

चम्बल पेयजल व सिंचाई का प्रमुख स्रोत

मुख्यमंत्री ने कहा कि चम्बल राजस्थान के लिए केवल एक नदी ही नहीं बल्कि करोड़ों लोगों के लिए पेयजल एवं सिंचाई का भी प्रमुख स्रोत है। इस पर बने बांधों से बिजली का उत्पादन भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि चम्बल के पानी से कोटा, बारां एवं बूंदी में 2 लाख 29 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में सिंचाई हो रही है। इसके बेसिन में 7 हजार 355 करोड़ रूपये की लागत से परवन वृहद् सिंचाई परियोजना का कार्य कराया जा रहा है, जिससे कोटा, बारां एवं झालावाड़ जिलों में 2 लाख हेक्टेयर से अधिक सिंचित क्षेत्र सृजित होगा।

धौलपुर में विकसित होगा लगभग 40 हजार हेक्टेयर नया सिंचित क्षेत्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि चम्बल नदी पर धौलपुर लिफ्ट सिंचाई परियोजना का कार्य चल रहा है, जिससे धौलपुर जिले में लगभग 40 हजार हेक्टेयर नया सिंचित क्षेत्र विकसित होगा। मानसून के दौरान चम्बल नदी के अधिशेष पानी को लिफ्ट करके धौलपुर जिले में पानी की कमी वाले पार्वती बांध और रामसागर बांध को भरने का काम किया जाएगा। इसलिए चंबल जैसी नदियों एवं अन्य जल स्रोतों को सहेजने एवं उनके संरक्षण के लिए 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान के रूप में एक नई पहल की गई है।

किरेन रिजिजू ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मंत्रालय के विशेष वृक्षारोपण अभियान, एक पेड़ माँ के नाम का नेतृत्व किया

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के उपलक्ष्य में अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय (एमओएमए) ने केंद्रीय वक्फ भवन, साकेत, नई दिल्ली में 'एक पेड़ माँ के नाम' थीम के तहत एक विशेष वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य और संसदीय कार्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू ने किया। इस अवसर पर उनके साथ केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य और मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री श्री जॉर्ज कुरियन और अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के सचिव डॉ. चंद्र शेखर कुमार तथा मंत्रालय और केंद्रीय वक्फ परिषद के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। भावनात्मक श्रद्धांजलि के साथ ही साथ पर्यावरणीय जिम्मेदारी के मिश्रण वाली इस पहल का उद्देश्य नागरिकों को अपनी माताओं के सम्मान में एक पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित करना है। किरेन रिजिजू ने मीडिया को संबोधित करते हुए पारिस्थितिकीय संरक्षण की दिशा में विश्व में भारत की नेतृत्वकारी भूमिका को रेखांकित किया। रिजिजू ने कहा कि भारत वृक्षारोपण अभियान आदि के माध्यम से हरित आवरण बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि हम केवल पर्यावरण के संरक्षण के लिए ही प्रतिबद्ध नहीं हैं, बल्कि हम पारिस्थितिकीय संतुलन की पुन: प्राप्ति और बहाली के लिए भी सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री ने केंद्रीय वक्फ परिषद (सीडब्ल्यूसी) जैसी अल्पसंख्यक संस्थाओं को सशक्त बनाने और पारदर्शी शासन सुनिश्चित करने के लिए सरकार की ओर से निरंतर किए जा रहे प्रयासों को भी रेखांकित किया।

विश्व पर्यावरण दिवस पर एसकेआईटी में राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित

पेड़ लगाने के साथ ही उनकी निरंतर सार संभाल भी हो प्रदूषण रोकना सामूहिक जिम्मेदारी : राज्यपाल

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि प्रदूषण लोगों द्वारा ही बढ़ाया गया है, इसलिए इसे रोकने की जिम्मेदारी भी हम सबकी है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को सामूहिक दायित्व बताते हुए कहा कि इसके लिए सभी स्तरों पर प्रयास हों। उन्होंने अधिक तापमान की चर्चा करते हुए कहा कि यह इसलिए रहता है कि पेड़ कम होते हैं। पेड़ अधिक से अधिक लगे। आंकड़ों में नहीं व्यवहार में सघन वृक्षारोपण किया जाए। जो पेड़ लगे उनकी गिनती बाद में वृक्ष रूप में पनपने के आधार पर हो। उन्होंने अमलतास पेड़ पर तमिलनाडु के शोधार्थियों की शोध का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पेड़ सर्वाधिक ऑक्सीजन देता है और जलाने पर सबसे कम कार्बन उत्सर्जन करता है। इसलिए ऐसे पेड़ धरती पर अधिकाधिक लगें ताकि पर्यावरण सुरक्षित रहें। राज्यपाल गुरुवार को स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में विज्ञान भारती और अन्य संस्थाओं के सहयोग से आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पेड़ लगाने के समाचार आते हैं, पर इनमें से जिंदा कितने रहते हैं इस बारे में भी जानकारी आनी चाहिए। उन्होंने जवाबदेही रखते हुए पेड़ लगाने, उसकी बाद में सार संभाल कर पनपने देने के लिए भी कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने हरियाली के लिए और पर्यावरण संरक्षण के लिए सबको सामूहिक दायित्व समझते हुए कार्य करने पर जोर दिया। राज्यपाल ने जल संरक्षण के लिए भी गंभीर सोच रखते हुए कार्य करने की बात कही।

उन्होंने कहा कि समुद्र को छोड़ दें तो केवल ढाई प्रतिशत पानी ही ऐसा उपलब्ध है जो पीने योग्य हैं। इसलिए इसको बचाना जरूरी है। राज्यपाल ने इससे पहले विज्ञान भारती द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं को वृक्ष मित्र पुरस्कार से सम्मानित किया। विज्ञान भारती के डॉ. मेंघेद्र शर्मा ने बताया कि विज्ञान भारती पर्यावरण संरक्षण की सोच विकसित करने के साथ विज्ञान की भारतीय परंपरा का विकास कर रही है। आरंभ में श्री सुरजाराम मिल ने सभी का स्वागत किया।

राफेल फाइटर जेट की बॉडी भारत में बनेगी

टाटा ग्रुप का डसॉल्ट एविएशन के साथ समझौता पहली बार फ्रांस के बाहर बनाया जाएगा

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राफेल फाइटर जेट की मेन बॉडी अब हैदराबाद में बनेगी। इसे फ्यूजलाज कहा जाता है। भारत की टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड ने इसके लिए फ्रांस की कंपनी डसॉल्ट एविएशन के साथ चार प्रोडक्शन ट्रांसफर एग्रीमेंट साइन किए हैं। राफेल की पहली फ्यूजलाज यूनिट 2028 में असेंबली लाइन से बाहर आएगी। हैदराबाद में बनाए जा रहे मैन्युफैक्चरिंग प्लांट से हर महीने दो पूरी मेन बॉडी तैयार होने की उम्मीद है। टाटा और डसॉल्ट की ये साझेदारी भारत के रक्षा क्षेत्र में निजी कंपनियों की भागीदारी को बढ़ाएगी। डसॉल्ट ने कहा कि ये प्रोजेक्ट भारत और फ्रांस के बीच रक्षा सहयोग का एक बड़ा कदम है। इससे भारत में रक्षा उपकरण बनाने की क्षमता बढ़ेगी और स्थानीय इंजीनियर्स को विश्व स्तरीय तकनीक सीखने का मौका मिलेगा। ये पहली बार होगा जब राफेल की मेन बॉडी फ्रांस के बाहर बनेगी।

राफेल के पुर्जे पहले से ही बनाता है टाटा : टाटा ग्रुप पहले से ही डसॉल्ट के साथ मिलकर राफेल और मिराज 2000 जैसे विमानों के पुर्जे बनाता है।

छत्तीसगढ़ : बीजापुर में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में नक्सली नेता ढेर

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में नक्सलियों का एक शीर्ष नेता मारा गया है। पुलिस अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार माओवादियों की केंद्रीय समिति कासदस्य गौतम उर्फ सुधाकर इस मुठभेड़ में मारा गया है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बीजापुर जिले के इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में केंद्रीय समिति के सदस्य गौतम उर्फ सुधाकर, तेलंगाना राज्य समिति के सदस्य बांदी प्रकाश, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्य पप्पा राव तथा कुछ अन्य सशस्त्र माओवादी कैडरों की मौजूदगी की सूचना पर जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी), विशेष कार्य बल (एसटीएफ) और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की कोबरा बटालियन के संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान में रवाना किया गया था। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में नक्सलियों के एक शीर्ष नेता को मार गिराया है। अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र में तलाशी अभियान जारी है। घटनास्थल से बरामद शव और वस्तुओं के संबंध में अधिक जानकारी एकत्र की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस मुठभेड़ में बड़ी सफलता मिलने की भी जानकारी है।

सनातन की मजबूत नींव पर आकार ले रहा विकसित भारत : योगी

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष और मणिराम दास छावनी के महंत नृत्य गोपाल दास जी महाराज के 87वें जन्मदिन के अवसर पर आयोजित समारोह में भाग लिया। योगी ने इस दौरान अयोध्या के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और पर्यावरणीय महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म की मजबूत नींव पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का संकल्प साकार हो रहा है तथा 'डबल इंजन' की सरकार के प्रयासों से अयोध्या में त्रेतायुगीन वैभव की वापसी हो रही है। एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन अत्यंत अभिभूत करने वाला और आनंदमयी है।

उन्होंने कहा, ''यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे पूज्य महंत नृत्यगोपाल दास जी के जन्मदिवस समारोह में शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ। मैं उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं।'' उन्होंने कहा कि पूज्य संतों की दिव्य साधना और आशीर्वाद के कारण ही भारत नए भारत के रूप में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बिना रुके और डिगे विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में जुटे हैं। मुख्यमंत्री ने राम मंदिर आंदोलन और प्राण प्रतिष्ठा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि 500 वर्षों की प्रतीक्षा के बाद गत वर्ष 22 जनवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा श्रीराम लला की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई और आज रामदरबार एवं राम मंदिर में देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा का कार्य भी पूर्ण हुआ है। उन्होंने कहा कि राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण सनातन धर्म की मजबूत नींव का प्रतीक है।

उन्होंने काशी, महाकाल, केदारपुरी और सोमनाथ मंदिरों के सौंदर्यीकरण का उल्लेख करते हुए कहा कि इन मंदिरों पर सनातन धर्म की मजबूत नींव टिकी है। इस नींव पर मजबूत और भव्य भारत का निर्माण हो रहा है। मुख्यमंत्री ने मणिरामदास छावनी के गौरवशाली इतिहास का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि 18वीं सदी से 21वीं सदी तक, इस छावनी की 300 वर्षों की कठोर साधना का इतिहास रहा है। उन्होंने कहा कि साक्षात माता जानकी ने इस परंपरा के संत को दर्शन दिए, जिसके कारण यह परंपरा फली-फूली। उन्होंने कहा कि महंत नृत्यगोपाल दास के नेतृत्व में राम जन्मभूमि आंदोलन को सफलता मिली और आज अयोध्या विश्व की सुंदरतम नगरी के रूप में विकसित हो रही है। मुख्यमंत्री ने 'डबल इंजन' सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि अयोध्या में त्रेतायुगीन वैभव की वापसी हो रही है तथा रामायण में वर्णित चौड़ी सड़कों और बाग-उपवनों वाली अयोध्या आज साकार हो रही है।

उन्होंने कहा कि पहले अयोध्या में रामभक्तों पर गोलियां चलती थीं, लेकिन आज श्रद्धालुओं का भव्य स्वागत होता है। उन्होंने अयोध्या के विकास कार्यों का जिक्र करते हुए कहा कि आज सूर्यवंश की राजधानी अयोध्या देश की पहली सोलर सिटी बन चुकी है। उन्होंने कहा कि राम की पैड़ी पर पहले काई जमी होती थी, लेकिन अब सरयू का जल स्वच्छ रहता है, पांच लाख श्रद्धालु एक साथ राम की पैड़ी में स्नान कर सकते हैं, नया घाट से गुप्तार घाट तक घाटों की नयी शृंखला स्थापित हो चुकी है।

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस
दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र मुद्रण के लिए संपर्क करें।

उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही
कलर एवं ब्लैक मुद्रण
किफायती मुद्रण लागत

Printing Press
- Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021

Office
- Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya, NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
(M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03
- 185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033
(M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795

Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com